THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 193 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.1 2080 शनिवार, 30 सितंबर-2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

कल से नहीं मिलेगा आज का रेट

इसलिए आज आने में मत होना लेट

Booking QR Code

FOR OUTSTATION CLIENTS:

1. QR Code स्कैन कर ₹ 1 लाख से कोठी बुक करें
2. 15 अक्टूबर तक साइट विजिट करें
3. पसंद नहीं आने पर पूरा पैसा वापस प्राप्त करें

अन्यथा

1 अक्टूबर से 5 लाख अधिक देकर नई रेट में कोठी बुक करें

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN

DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक 50% रेट बढ़ेगी

1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट (NPO New Product Offer)	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

54 साल पुराने संस्थान इसरो में हुए बदलाव के बाद दिख रहा असर

निजी भागीदारी और विदेशी निवेश पर रहेगा ध्यान

बेंगलुरु, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का चंद्रयान-3 मिशन चंद्रमा पर उतरा गया था, तो उस दौरान 8 मिलियन से अधिक लोगों ने इस कार्यक्रम की यूट्यूब पर लाइव-स्ट्रीम देखा था, जिसने एक साइट रिकॉर्ड बना दिया है। एक दर्जन से अधिक वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों, उद्योग विशेषज्ञ और 10 सलाहकारों के मुताबिक, लैंडिंग भारत की कम लागत वाली अंतरिक्ष इंजीनियरिंग और विज्ञान के लिए एक जीत थी, साथ ही 54 साल पुरानी अंतरिक्ष एजेंसी को स्वीकार्य के रूप में फिर से स्थापित करने की एक पहल थी।

2023 में पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ रहा इसरो

अंतरिक्ष नीति विशेषज्ञ और एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी में थंडरबर्ड स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट की प्रोफेसर नम्रता गोस्वामी ने कहा, इसरो एक बहुत ही बंधा हुआ संगठन था। इसके मिशनों और कुछ हद तक गोपनीयता की संस्कृति के बारे में बात करने में झिझक थी। 2023 तक तेजी से आगे बढ़ते हुए, मैं उनकी ओर से पारदर्शिता को लेकर काफी आश्चर्यचकित था, यह बहुत नया है और तारीफ के काबिल है।

2040 तक बढ़ जाएगी भारत की हिस्सेदारी

मालूम हो कि 400 अरब डॉलर का वैश्विक वाणिज्यिक अंतरिक्ष बाजार 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर का होने की उम्मीद है, लेकिन फिलहाल भारत के पास केवल 2% हिस्सेदारी है, जो लगभग 8 अरब डॉलर है। माना जा रहा है कि सरकार इसमें बदलाव लाएगी और भारत को 2040 तक 40 अरब डॉलर मूल्य की आय होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एजेंसी से भारत को लाभदायक अंतरिक्ष महाशक्ति बनाने का आह्वान किया है। इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने कहा कि वहां पहुंचने के लिए, देश को युवा वैज्ञानिकों, स्टार्टअप, निवेशकों और निजी उद्योग भागीदारों को शामिल करने की जरूरत है।

एस सोमनाथ को दिया इसरो में बदलाव का श्रेय

इसरो के अंदरूनी सूत्र इसके लिए एस। सोमनाथ को श्रेय देते हैं, जिन्होंने 2022 में अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने संगठन में सभी को बदलावों के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समाचार एजेंसी रायटर्स से एस सोमनाथ ने कहा कि उन्होंने अन्य छोटे बदलाव भी लागू किए हैं, जैसे ब्रेक टाइम को प्रोत्साहित करना, अनौपचारिक समस्या-समाधान चैट और जलपान कियोस्क जहां कर्मचारी चाय के बहाने मिल सके। सोमनाथ ने कहा, वैश्विक कंपनियों के पास जो छोटी-छोटी चीजें हैं, वे हर समय सरकारी संगठनों में स्वचालित रूप से उपलब्ध नहीं होती हैं। एक कप चाय के साथ कई विचारों पर बेहतर चर्चा की जा सकती है। कर्मचारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें अधिक स्वायत्तता महसूस हुई है और सीधी बातचीत का नया माहौल परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ने में मदद करता है।

एक साइकिल से हुई थी शुरुआत

इसरो की साधारण शुरुआत, जहां वैज्ञानिकों ने चर्च को एजेंसी के पहले प्रक्षेपण मिशन नियंत्रण कक्ष बनाया था और रॉकेट के हिस्सों को साइकिल से ले जाने की कहानियां देश में प्रसिद्ध हैं। इसरो ने हाल ही में चांद की दक्षिणी ध्रुव पर रोवर उतारा, जिसके बाद ऐसा करने वाला भारत पहला देश बन गया।

इसरो के सामने कई बड़े लक्ष्य

इसरो ने अब सूर्य का अध्ययन करने, अंतरिक्ष यात्रियों को ऑर्बिट में भेजने, शुक्र की खोज करने पर ध्यान केंद्रित किया है और ग्रह रक्षा और गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नासा के साथ भागीदारी की है। ऑस्ट्रेलिया रक्षा बल अकादमी में कैनबरा के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय के विजिटिंग फेलो अशोक शर्मा ने कहा अंतरिक्ष एक महत्वपूर्ण स्थान है, जिसके माध्यम से आप खुद को एक महाशक्ति के रूप में स्थापित करते हैं। अमेरिका वहां है, चीन वहां है, इसलिए भारत को वहां रहना होगा।

विदेशी निवेश के दरवाजे खोलेगी सरकार

पीएम मोदी की सरकार भारत के अंतरिक्ष उद्योग के विकास पर जोर दे रही है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उन्होंने इस क्षेत्र में विदेशी निवेश को आमंत्रित करने में व्यक्तिगत रुचि दिखाई है। उम्मीद है कि सरकार इस साल इस क्षेत्र में विदेशी निवेश के दरवाजे खोलेगी। इसरो अन्वेषण और नए विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करेगा, जबकि तीन अलग-अलग निकाय - भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस), न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) और भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) - निजी क्षेत्र से बातचीत करेंगे और कारोबार को बढ़ावा देंगे।

फिर सक्रिय होने लगीं भाजपा नेता

नुपुर शर्मा एक साल बाद सार्वजनिक कार्यक्रम में आईं नजर

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। विवादित टिप्पणी के बाद भाजपा से निलंबित नुपुर शर्मा फिर से सक्रिय होने की कोशिश में हैं। गुरुवार को उन्हें दिल्ली के मोतीनगर में गणेश विसर्जन पर आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में देखा गया। इस दौरान उन्होंने लोगों से संवाद किया और देश सेवा में आगे बढ़कर अपनी जिम्मेदारी निभाने की बात कही। हालांकि, अभी तक उन्हें पार्टी के किसी कार्यक्रम में नहीं देखा गया है। विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनाव को लेकर तेज हो रही सरगर्मियों के बीच नुपूर शर्मा के सक्रिय होने से चर्चाएं तेज हो गई हैं। लगभग एक महीने पहले उन्हें उज्जैन में महाकाल के दर्शन करते हुए देखा गया था। लगभग एक साल पहले नुपूर शर्मा की एक आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद विवाद खड़ा हो गया था। इस विवाद के पहले नुपूर शर्मा को भाजपा के दिल्ली में तेजी से उभरते महिला चेहरे के तौर पर देखा जा रहा था। कहा यहां तक जाता था कि भाजपा उन्हें अरविंद केजरीवाल के सामने एक बड़े नेता के तौर पर उभारने की कोशिश कर सकती है, जिससे केजरीवाल को दिल्ली में मजबूत चुनौती दी जा सके। नुपुर शर्मा के एक करीबी ने अमर उजाला को बताया कि फिलहाल अभी पार्टी के स्तर पर कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

वे व्यक्तिगत स्तर पर यात्राएं कर रही हैं और निजी तौर पर चुनिंदा कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं। गौरतलब है कि नुपूर शर्मा के विवादास्पद बयान के बाद राजस्थान में एक हत्या कर दी गई थी। इसके बाद नुपुर शर्मा की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई गई थी और उन्हें दिल्ली पुलिस ने विशेष सुरक्षा उपलब्ध कराई थी। विवाद के बाद से उन्होंने अपने वकालत के पेशे और राजनीतिक कार्यक्रमों से पूरी तरह दूरी बना ली थी।

मनरेगा के लिए सुनियोजित इच्छामृत्यु दे रही है मोदी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मनरेगा की सामाजिक लेखा परीक्षा इकाई की फंडिंग में देरी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। जयराम रमेश ने कहा कि यह योजना को चक्रव्यूह में फंसाकर योजनाबद्ध तरीके से इच्छामृत्यु देने के अलावा और कुछ नहीं है। एक्स, पर एक पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा, ग्राम सभा द्वारा सामाजिक ऑडिट जवाबदेही लागू करने, पारदर्शिता बढ़ाने के लिए और मूल रूप से भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का एक अनिवार्य हिस्सा है। वे प्रत्येक राज्य में एक स्वतंत्र सामाजिक ऑडिट है, जिसे केंद्र द्वारा सीधे वित्त पोषित किया जाता है, ताकि इसकी स्वायत्तता को संरक्षित किया जा सके। हाल ही में इस फंडिंग में अत्यधिक देरी हो रही है।"उन्होंने आगे कहा कि परिणामस्वरूप, सामाजिक ऑडिट समय पर नहीं हो पाता है, और सामाजिक ऑडिट प्रक्रिया से समझौता हो जाता है, जिसे बाद में मोदी सरकार द्वारा राज्यों को धन देने से इनकार करने के लिए एक बहाने के रूप में उपयोग किया जाता है, जो बदले में वेतन भुगतान आदि को प्रभावित करता है।" राज्यसभा सांसद ने कहा, "यह और कुछ नहीं, बल्कि मनरेगा को चक्रव्यूह में फंसाकर योजनाबद्ध इच्छामृत्यु है।" रमेश ने एक समाचार रिपोर्ट संलग्न करते हुए कहा कांग्रेस महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना को लेकर सरकार की आलोचना करती रही है।

कोटकपुरा गोलीकांड: सुखबीर बादल, पूर्व डीजीपी समेत पांच आरोपियों को राहत

हाईकोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

चंडीगढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। 2015 के कोटकपूरा गोलीकांड केस में पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल, पूर्व डीजीपी सुमेध सैनी, परमराज उमरानंगल, अमर सिंह चहल और सुखमंदर सिंह की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। अग्रिम जमानत देते समय हाईकोर्ट ने कुछ शर्तें रखी हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता गवाहों, पुलिस अधिकारियों या मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से परिचित किसी अन्य व्यक्ति को पुलिस के सामने ऐसे तथ्यों का खुलासा करने से रोकने के लिए प्रभावित नहीं करेंगे, दबाव नहीं डालेंगे, धमकी नहीं देंगे।

'दुनिया पीएम मोदी के नेतृत्व को देखना चाहती है

9 साल में बदल गया देश', पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में बोले गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 75 साल में देश ने कई क्षेत्रों में उपलब्धी पाई है। 75 साल के इस सफर में देश का लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर देश में एक पार्टी की सरकार जाती है, तो दूसरी पार्टी की सरकार आती भी है। दरअसल, गृह मंत्री शाह 'पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' के 118वें वार्षिक सत्र में 'राइजिंग इंडियाः अमृत काल ऑफ अंप्रेसेंडेंटेड ग्रोथ' पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जरिए किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 9 साल में पीएम मोदी ने देश को बदल दिया है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को देखना और सुनना चाहती है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स को भारत सरकार के जरिए मान्यता प्राप्त संगठन है। ये भारतीय आयातकों को सर्टिफिकेट देने का काम करता है। इसके 118वें वार्षिक सत्र में गृह मंत्री ने हिस्सा लिया।

'नीतीश कुमार को बीजेपी ने बनाया, सीएम पद के लिए रहें एहसानमंद', केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का तंज

पटना, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि सनातन हिंदू धर्म को खत्म करने के लिए छिपा हुआ एजेंडा चलाया जा रहा है। देश इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने कंफ्यूजन पैदा किया हुआ है। उनकी राजनीतिक समाज में कंफ्यूजन पैदा करने वाली है। गिरिराज ने कहा कि ओबीसी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानूनी मान्यता दी है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ये भी साफ कर दिया कि बीजेपी ने नीतीश कुमार के लिए दरवाजे बंद कर दिए हैं। गिरिराज सिंह ने कहा है कि नीतीश कुमार कोई नैतिक ताकत नहीं हैं कि वे बीजेपी पर कुछ भी बोलें। अगर आज नीतीश कुमार हैं, तो वह बीजेपी की वजह से हैं। उन्हें बीजेपी ने ही बनाया है।

अपना अक्ल और शक्ल देखें

ठाकुर का कुआं विवाद पर लालू प्रसाद की आनंद मोहन को दो टूक

पटना, 29 सितंबर (एजेंसियां)। ठाकुर का कुआं' से शुरू हुआ सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अपने राज्यसभा सांसद मनोज झा के बचाव करते दिखे। शुक्रवार सुबह पटना में राबड़ी आवास के पास मीडिया ने उनसे सवाल पूछा कि आनंद मोहन कह रहे हैं कि ठाकुर को लेकर मनोज झा द्वारा पढ़ी गई कविता से राजपूत समाज का अपमान हुआ है। इस पर लालू प्रसाद ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। जिसको जितना अक्ल होगा उतना ही न बोलेगा। वह (आनंद मोहन) अपना अक्ल और शक्ल देखें। वहीं अपनी ही पार्टी के विधायक चेतन आनंद द्वारा मनोज झा के विरोध पर लालू प्रसाद ने कहा कि उसको उतना ही अक्ल है।

लालू ने जो कहा- मनोज झा विद्वान आदमी हैं

वहीं एक दिन पहले ही पटना में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव इस मामले का बचाव करते दिखे थे। गुरुवार शाम को लालू प्रसाद ने कहा कि मनोज झा विद्वान आदमी हैं। सही बात वो बोले हैं। किसी ठाकुर या राजपूत के खिलाफ उन्होंने कुछ नहीं बोला हैं। लालू ने जो कहा- मनोज झा विद्वान आदमी हैं। सही बात को बोलते हैं। कोई राजपूतों के खिलाफ उन्होंने नहीं कहा है। जो सज्जन (आनंद मोहन सिंह) यह रीएक्शन दे रहे हैं, वह अपनी जाति में जातिवाद के लिए प्रसिद्ध आदमी हैं। उनको परहेज करना चाहिए।

आनंद मोहन ने मनोज झा की तुलना फिटकरी से कर दी

पूर्व सांसद आनंद मोहन ने एक बार फिर से गुरुवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी और राज्यसभा सांसद मनोज झा पर निशाना साधा था। उन्होंने मनोज झा की तुलना फिटकरी से कर दी। आनंद मोहन ने कहा कि जिस तरह से फिटकरी का इस्तेमाल शेविंग के बाद किया जाता है। यह कीटाणु नाशक है और एक क्विंटल दूध में एक ढेला इसको डाल दीजिए दूध फट जाएगा। यह जमने ही नहीं देगा। वह फिटकरी 'मिस्टर झा' हैं।

'ठाकुर विवाद' में तेजप्रताप यादव की हुई इंट्री, वीडियो शेयर कर बताया क्षत्रिय-ब्राह्मण कनेक्शन

पटना, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में 'ठाकुर विवाद' थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस विवाद में बिहार सरकार के मंत्री तेजप्रताप यादव की इंट्री हो गई है। तेजप्रताप यादव ने एक पोस्ट के माध्यम से इस विवाद को लेकर परोक्ष रूप से टिप्पणी की है। तेजप्रताप ने एक वीडियो पोस्ट किया है। यह वीडियो महाभारत काल में अर्जुन और ब्राह्मण के बीच हुए संवाद से जुड़ा हुआ है। इस पोस्ट में तेजप्रताप यादव ने लिखा है कि क्षत्रिय ब्राह्मण की रक्षा हेतु अपने प्राण तक न्यौछावर कर देते हैं। इसका उदाहरण वेद, पुराण और हमारा इतिहास गवाह है। उन्होंने आगे लिखा है कि जब भी ब्राह्मण पर कोई संकट आया है, क्षत्रिय सदैव सबसे पहले आगे रहे हैं और आजकल के क्षत्रिय बस जाति के नाम पर दिखावा करते हैं।

एनसीपी विधायक के बारामती एग्रो प्लांट पर हुई कार्रवाई पर बयान देने से बचे शरद पवार

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। एनसीपी विधायक रोहित पवार को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आधी रात को नोटिस दिया है और बारामती एग्रो के दो प्लांट बंद करने का निर्देश दिया है। रोहित पवार समेत एनसीपी नेताओं ने आरोप लगाया है कि यह कार्रवाई बदले की भावना से की गई है। लेकिन एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने इस बारे में विस्तार से बात करने से इनकार कर दिया है। शरद पवार ने कहा, "मैं कार्रवाई के बारे में बात नहीं करूंगा।"

क्या बोले एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार?

आज शरद पवार बारामती के गोविंद बाग स्थित आवास पर कार्यकर्ताओं से बातचीत करने पहुंचे हैं। आज शरद पवार की मौजूदगी में विभिन्न संगठनों की बैठक आयोजित की गई है। इस मौके पर शरद पवार ने मीडिया से बातचीत की। इसमें उनसे रोहित पवार की बारामती एग्रो के बारे में पूछा गया। इसका जवाब देते हुए शरद पवार ने कोई भी टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि वह इस समय बारामती एग्रो प्लांट पर कार्रवाई के बारे में बात नहीं करेंगे।

बारामती एग्रो के दो प्लांट बंद करने का निर्देश

इस बीच, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने विधायक रोहित पवार को आधी रात को नोटिस जारी किया है और उन्हें बारामती एग्रो के दो प्लांट बंद करने का निर्देश दिया है। रोहित पवार को इसके लिए बोर्ड की ओर से 72 घंटे की डेडलाइन भी दी गई है। इस नोटिस में संबंधित परियोजनाओं को बंद करने के निर्देश का जिक्र किया गया है। इस बात की जानकारी खुद रोहित पवार ने ट्वीट कर दी है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके खिलाफ कार्रवाई बदले की भावना से की गई है। उन्होंने कहा, सरकार के खिलाफ स्टैंड लेने के कारण मुझ पर बदले की कार्रवाई की गई है। लेकिन हम डरेंगे नहीं।

यशोधरा राजे चुनाव लड़ेंगी या नहीं, खुद दिया जवाब, ज्योतिरादित्य सिंधिया को यहां से मिल सकता है टिकट

भोपाल, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बीजेपी ने अभी तक अपने 79 उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया है। वहीं प्रदेश में उन बड़े चेहरों की चर्चा हो रही है जिन्हें इन शुरुआती दो सूचियों में जगह नहीं मिली है। इनमें सीएम शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और यशोधरा राजे सिंधिया जैसे कई दिग्गज शामिल हैं। इस बीच खबर आ रही है कि यशोधरा राजे ने इस बार चुनाव लड़ने के इंकार कर दिया है। वहीं खबरें ये भी हैं कि उनकी जगह उनके भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया को चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है। दरअसल, मध्य प्रदेश में तीसरी लिस्ट भी जल्द आ सकती है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक अक्टूबर को भोपाल आ सकते हैं और कई नाम को फाइनल कर सकते हैं,

इसके बाद तीसरी लिस्ट जारी कर दी जाएगी। वहीं इस लिस्ट में ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम भी शामिल हो सकता है। खबरों के मुताबिक यशोधरा राजे सिंधिया स्वास्थ्य कारणों से शिवपुरी से नहीं लड़ना चाहती हैं, इसलिये ज्योतिरादित्य को शिवपुरी से टिकट मिल सकता है। सिंधिया के अलावा सुधीर गुप्ता, वीरेंद्र कुमार और रोडमल नागर को भी बीजेपी अपनी तीसरी लिस्ट में जगह दे सकती है। बता दें कि बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट में तीन केंद्रीय मंत्री समेत सात सांसदों को टिकट दिया है। हालांकि इसमें ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम नहीं है। साथ ही पार्टी ने अभी तक सीएम शिवराज सिंह चौहान को भी टिकट नहीं दिया है, जबकि पिछले चुनाव में पहली ही सूची में बीजेपी ने सीएम शिवराज को टिकट दे दिया था। इसको लेकर कांग्रेस बीजेपी पर लगातार निशाना साध रही है।

हॉकफोर्स को बड़ी सफलता, 14 लाख का इनामी नक्सली ढेर, टाडा दडेकसा दलम का सदस्य था

बालाघाट, 29 सितंबर (एजेंसियां)। दशकों से नक्सली समस्या से जूझ रहे बालाघाट जिले में मध्य प्रदेश पुलिस की हॉकफोर्स को बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार तड़के हॉकफोर्स ने 14 लाख रुपये के इनामी नक्सली 25 वर्षीय कमलु को मार गिराया है। वह टाडा दडेकसा दलम का सक्रिय सदस्य था। यह घटना 29 सितंबर सुबह की है।

तड़के रूपझर थाना अंतर्गत कुंदल-कोद्दापार और सोंगुदा के जंगल में एसडीजी बिरसा हॉकफोर्स की जंगल सर्चिंग के दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। नक्सलियों ने जवानों पर फायर किया। इसके जवाब में हॉकफोर्स ने भी फायरिंग की और नक्सली कमलु को मार गिराया। वह बीजापुर का रहने वाला है। नक्सली कमलु को मार गिराने के बाद वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। आईजी संजय कुमार, एसपी समीर सौरभ और सीईओ हॉकफोर्स ने हालात का जायजा लिया।

'साफ हुई दिल्ली की हवा

प्रदूषण स्तर में आई कमी', मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बताया क्यों कम हुआ

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में दिल्ली में प्रदूषण स्तर में कमी आई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की यह बात कही है। उन्होंने बताया कि कई शहरों के मुकाबले दिल्ली हालत अच्छी है। इलेक्ट्रानिक बसों की वजह से दिल्ली में प्रदूषण में कमी आई है। प्रदूषण के खिलाफ अभियान भी चलाया गया था। दिल्ली में कोई थर्मल प्लांट भी नहीं हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली में पेड़ों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यहां अब जनरेटर नहीं चलते। निर्माणाधीन जगहों पर मानकों के आधार पर काम होता है। दिल्ली में प्रदूषण वाली जगहों पर स्पेशल टीम तैनात की गई है। पटाखों पर इस साल भी बैन रहेगा। सर्दी में वायु प्रदूषण की रोक थाम को लेकर दिल्ली के लिए 15 सूत्रीय विंटर एक्शन को जारी करते हुए अरविंद केजरीवाल ने बताया कि 13 हॉटस्पॉट की गई पहचान। प्रति हॉटस्पॉट के लिए स्पेशल प्लान होगा। इसके लिए 13 टीम का गठन किया गया है। पांच हजार एकड़ खेतों में पराली डिकंपोज का उपयोग किया जाएगा। धूल प्रदूषण के लिए 591 टीमों का गठन किया गया है। सड़कों पर 238 एंटी स्मोग गन तैनात की जाएगी। पीयूसी के लिए 385 टीम का गठन किया गया है। प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार का एक्शन प्लान जारी करते हुए कहा कि राजधानी के प्रदूषण में 30 प्रतिशत की कमी आई है। साल 2014 के मुकाबले 2023 में प्रदूषण के स्तर में 30 प्रतिशत तक की कमी आई है। दिल्ली में पीएम2.5 और पीएम10 दोनों में कमी आई है। सीएम ने कहा कि पहले बसों की कमी थी लोग खुद की गाड़ियों से चलते थे।

निपाह वायरस का इलाज कराने वाले सभी चार लोग हुए ठीक, राज्य स्वास्थ्य मंत्री ने दी जानकारी

कोझिकोट, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केरल में बढ़ते निपाह वायरस के प्रकोप के बीच राज्य स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने एक खुशखबरी दी है। उन्होंने बताया कि कोझिकोट में निपाह वायरस का इलाज करवाने वाले नौ साल का बच्चा समेत सभी चार लोग ठीक हो गए हैं। इस खबर को शेयर करते हुए उन्होंने अपने एक छोटे से बयान में कहा, 'दो बार टेस्ट कराने के बाद वे सभी नेगेटिव पाए गए हैं।' कुछ छह लोग वायरस का शिकार हुए थे, जिसमें से दो की मौत हो गई थी। उन दो में से एक व्यक्ति जिसकी मौत 30 अगस्त को हुई थी, उसमें इंडेक्स केस पाया गया था और उससे ही अन्य लोग संक्रमित हुए थे। राज्य में 16 सितंबर से एक भी निपाह वायरस के मामला सामने नहीं आया , जिसके बाद केरल सरकार ने उत्तरी जिलों में लगाए गए सभी प्रतिबंधों को वापस ले लिया। हालांकि, जिला प्राधिकारी लोगों से इस वायरस के खिलाफ सतर्कता बनाए रखने, सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने का आग्रह कर रहे हैं।

सुरजेवाला दुष्कर्म पीड़िता से मिलने पहुंचे

बोले- सरकार स्कूली छात्रा को भिखारी बताती रही

इंदौर , 29 सितंबर (एजेंसियां)। उज्जैन में हुई नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना से राजनीति भी गर्मा गई है। शुक्रवार को कांग्रेस के मध्य प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला दुष्कर्म पीड़िता से मिलने एमटीएच अस्पताल पहुंचे। बच्ची की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टर ने किसी को भी उससे मिलने नहीं दिया। दुष्कर्म पीड़िता के स्वास्थ्य की जानकारी सुरजेवाला में डॉक्टर से ली। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि उज्जैन की घटना दिल्ली

के निर्भया कांड से भी बड़ी है। आरोपी ने अमानवीय तरीके से अपराध किया।पीड़िता को बचाने के लिए डॉक्टर ने उसका ऑपरेशन किया है उसे ठीक होने में कम से कम 4 हफ्ते लगेंगे। सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने एक बार भी मध्य प्रदेश की दलित बेटी के लिए अपने मुंह से एक शब्द नहीं निकला। सरकार दुष्कर्म पीड़िता बच्चों को उत्तर प्रदेश या बिहार का बताती रही जबकि वह मध्य प्रदेश के सतना में रहती है। वह स्कूली छात्र है जबकि अफसर उसे भिखारी बताते रहे। बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट सतना में दर्ज हो चुकी थी। फिर भी प्रदेश सरकार ट्रैक नहीं कर पाई। इस अपराध की एक वजह पुलिस की अक्षमता भी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वर्ष-28 अंक : 193 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.1 2080 शनिवार, 30 सितंबर-2023**

नारी शक्ति वंदन अधिनियम बना कानून-राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। महिला आरक्षण बिल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं। जिसके बाद अब यह बिल कानून बन गया है। भारत सरकार ने इस संबंध में गजट अधिसूचना जारी की है।

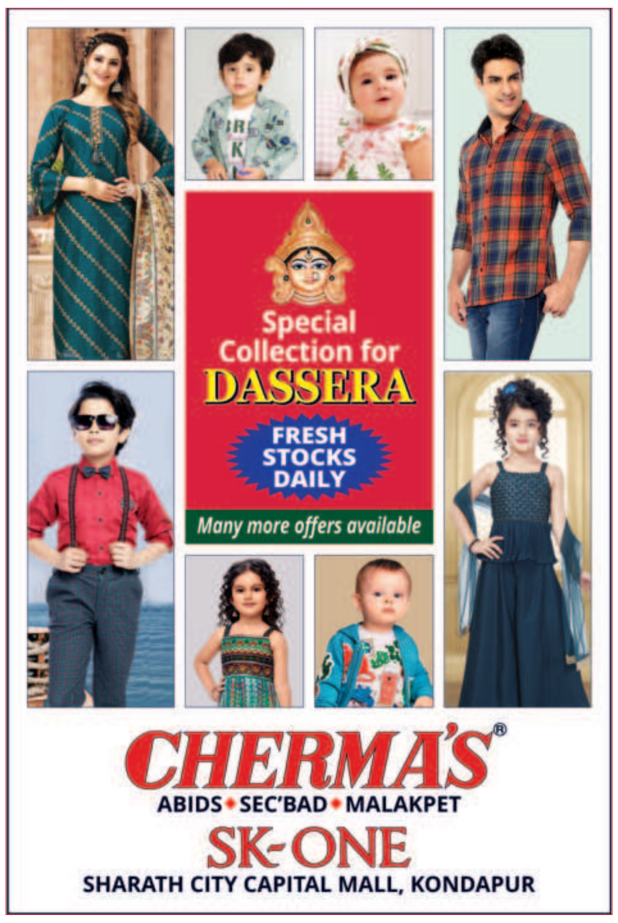

सीवान में दो बाइक के बीच हुई आमने-सामने टक्कर

हादसे में भाई-बहन समेत तीन लोगों की मौत

सीवान, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हुसैनगंज थाना इलाके के सरिया मोड़ के समीप शुक्रवार की सुबह दो बाइक के बीच हुई टक्कर में ममेरे भाई-बहन समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं एक लड़की जख्मी है जिसका इलाज चल रहा है। एक बाइक पर दो लड़की और लड़का जबकि दूसरी बाइक पर एक युवक अकेले था। मृतकों की पहचान धर्मेंद्र शर्मा के 22 वर्षीय पुत्र अनीश शर्मा और धर्मेंद्र शर्मा की भगिनी पूजा कुमारी (20 साल) के रूप में की गई है। वहीं अनीश की अपनी बहन जख्मी है जिसका इलाज चल रहा है। अनीश हुसैनगंज थाना इलाके के दहीपुर गांव का रहने वाला था। इसी क्रम में रास्ते में यह घटना हो गई। दूसरी बाइक पर सवार मृतक की पहचान 20 वर्षीय जीवन साह के रूप में की गई है। ये हुसैनगंज थाना क्षेत्र के सींगही गांव का रहने वाला था। रास्ते में हुई घटनाबताया जाता है कि अनीश बिंदुसार स्थित अपने मामा के घर जा रहा था।

ज्ञानवापी में सर्वे का 56वां दिन: सात दिन में देनी है रिपोर्ट

अब तक क्या-क्या हुआ
ऐसे चला सर्वे

24 जुलाई – सर्वे शुरू, फिर रोका गया।

4 से 14 अगस्त तक – सर्वे हुआ।

15 अगस्त – अवकाश की वजह से सर्वे नहीं हुआ।

16 अगस्त से 6 सितंबर तक –सर्वे जारी रहा।

7 सितंबर – मसाजिद कमेटी ने सर्वे रोका।

8 सितंबर –अदालत ने समयसीमा बढ़ाई।

9 सितंबर से अब तक – सर्वे निर्बाध रूप से जारी।

28 सितंबर – सर्वे रोकने की अर्जी खारिज।

6 अक्तूबर – सर्वे रिपोर्ट अदालत में जमा होगी।

वाराणसी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे का आज 56वां दिन है। शुक्रवार की सुबह एएसआई की टीम ने परिसर में प्रवेश किया। सर्वे रिपोर्ट छह अक्तूबर तक जिला जज डॉ.अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में पेश की जानी है। जिलाधिकारी को साक्ष्य मुहैया कराने है। अब सर्वे के लिए सात दिन बचे हैं। ज्ञानवापी में सर्वे की शुरुआत से अब तक तमाम उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। सर्वे के 50वें दिन यानी बीते 23 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी के दौरे पर थे। उन्होंने पहली बार संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में मातृ शक्ति के बीच मां श्रृंगार गौरी का जिक्र किया था। साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम का पुनरुद्धार कराने वाली अहिल्याबाई होल्कर को नमन किया था।

सर्वे शुरू हुआ, साढ़े पांच घंटे बाद रोका गया

जिला जज की अदालत के आदेश से 24 जुलाई 2023 को एएसआई ने सर्वे शुरू किया था। लगभग साढ़े पांच घंटे बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सर्वे रोक दिया गया। सुप्रीम कोर्ट और फिर हाईकोर्ट के आदेश से सर्वे दोबारा 4 अगस्त से शुरू हुआ।

4 अगस्त से 6 सितंबर तक को व्यवधान नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश से ज्ञानवापी में एएसआई ने सर्वे 4 अगस्त शुरू किया। 15 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश था। इसके बाद जो सर्वे शुरू हुआ, वह 6 सितंबर तक चलता रहा। 4 से 9 अगस्त के बीच चार वादिनी महिलाओं ने हिंदू धर्म से जुड़े कई प्रतीक चिन्ह व अन्य सामग्रियां मिलने का दावा किया गया।

अदालत ने बयानबाजी पर लगाई रोक

हिंदू पक्ष की बढ़ती बयानबाजी पर जिला जज की अदालत ने नाराजगी जताई और 10 अगस्त 2023 को सख्त रुख अख्तियार किया। अदालत ने कहा कि मामले से जुड़े पक्षकार व उनके अधिवक्ता, सरकारी वकील, एएसआई या जिला पुलिस-प्रशासन के अफसर मामले में बयानबाजी नहीं करेंगे। सीलबंद रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत होगी। इस बीच सर्वे को लेकर कोई भ्रामक समाचार प्रकाशित हुआ तो मामले में कानूनी कार्रवाई की जा सकेगी।

विरोध के कारण डेढ़ दिन तक रुका रहा सर्वे

अंजमुन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के विरोध के कारण ज्ञानवापी में डेढ़ दिन तक सर्वे नहीं हुआ। दरअसल, जिला जज की अदालत ने कहा था कि 2 सितंबर तक सर्वे रिपोर्ट पेश की जाए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बीच एएसआई ने समय सीमा बढ़ाने की अर्जी लगाई। 8 सितंबर को सुनवाई होनी थी। इससे पहले ही मसाजिद कमेटी ने विरोध जताया और सर्वे रोक दिया। बाद में अदालत ने सर्वे की समयसीमा बढ़ाकर 6 अक्तूबर कर दी।

सर्वे में मिली सामग्रियां जिलाधिकारी को दें

ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी राखी सिंह की अर्जी पर 14 सितंबर 2023 को जिला जज की अदालत ने आदेश दिया और कहा कि सर्वे के दौरान हिंदू धर्म और पूजा पद्धति से संबंधित जो भी सामग्रियां मिलें, उन्हें एएसआई की टीम जिलाधिकारी को सौंपे। इसकी सूची भी बनाई जाए और उसकी एक-एक प्रति अदालत व डीएम को दी जाए। अदालत जब तलब करेगी, तब जिलाधिकारी सामग्रियां पेश करेंगे।

खतौली के फॉर्मूले को संगठन में नहीं उतार पाए जयंत चौधरी

दलित-गुर्जर को कैसे रखेंगे जाट-मुसलमान के साथ?

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रीय लोकदल ने उत्तर प्रदेश संगठन का ऐलान कर दिया है. प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने एक साल के बाद अपनी टीम का गठन किया है, जिसमें 12 उपाध्यक्ष, 30 महासचिव, 36 सचिव और 31 कार्यकारिणी सदस्य बनाए हैं. जयंत चौधरी ने प्रदेश संगठन के जरिए सियासी समीकरण साधने की कवायद की है. पश्चिम यूपी में जाट-मुस्लिम कॉम्बिनेशन बनाने की कोशिश की है तो पूर्वांचल और सेंट्रल यूपी में कुर्मी-ब्राह्मण को तवज्जो दी है, लेकिन दलित समुदाय के लोगों को प्रदेश टीम में जगह नहीं मिल सकी. उपाध्यक्ष का समीकरण आरएलडी ने 12 प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए हैं, जिसमें पूर्व मंत्री योगराज सिंह, अजित सिंह दौला, हाजी वसीम हैदर, सुरेश गुप्ता, कुंवर नरेंद्र सिंह, संतोष कुमार मिश्रा, नरेंद्र सिंह खजूरी, रामआत्रे विश्वकर्मा, चंद्रबली यादव, बद्री पटेल, कुंवर अय्यूब अली और आदित्य विक्रम सिंह शामिल हैं. 12 उपाध्यक्षों में दो मुस्लिम, दो ठाकुर बनाए हैं तो वैश्य-कुर्मी-ब्राहमण-गुर्जर समुदाय से एक-एक सदस्य बनाए गए हैं जबकि दलित-यादव और अतिपिछड़ा समुदाय से भी एक-एक नेताओं को जगह मिली है.

'अगला प्रधानमंत्री बिहार से हो'

आरजेडी ने खुलकर दिया बयान, कहा- नीतीश कुमार में सारे गुण

पटना, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव का वक्त नजदीक आता जा रहा है वैसे-वैसे बयानबाजी भी तेज होती जा रही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महागठबंधन के नेता पीएम पद के लिए सारे गुण देखते हैं। कई बार नीतीश कुमार के समर्थन में नारा लग चुका है। हालांकि नीतीश कुमार यह कह चुके हैं कि उनकी कोई इच्छा नहीं है। अब शुक्रवार को एक बार फिर आरजेडी नेता ने बयान दिया है कि अगला पीएम बिहार से हो, नीतीश कुमार में पीएम बनने के सारे गुण हैं। नीतीश पीएम बनें आरजेडी यह चाहती है। आरजेडी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि हर बिहारी चाहता है नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें। पहले राष्ट्रपति देश के बिहार से ही बने थे। अब पीएम भी बिहार से बने। यह आरजेडी समेत पूरा बिहार चाहता है। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश शाम फुलवारी शरीफ दरगाह पहुंचे थे। मौलवी ने उनके पीएम बनने की दुआ मांगी थी। इस पर मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है। पूरा बिहार यह चाहता है।

क्या नीतीश कुमार एनडीए में जा रहे?

वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह फिर से पलटी मार सकते हैं। इस पर मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में नहीं जा रहे। डर से बीजेपी अफवाह उड़वा रही है।

मोतिहारी में हुई घटना को देख रही पार्टी

मोतिहारी में आरजेडी के सम्मेलन में कुर्सी चली थी और मारपीट हुई थी। दो नेताओं के समर्थकों के बीच यह झड़प हुई थी। कार्यक्रम के मंच पर आगे बैठने को लेकर विवाद हुआ था जिसके चलते मारपीट की नौबत आ गई। इस पर मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जो हुआ उसकी जांच होगी। किस परिस्थिति में यह नौबत आ गई, यह पार्टी देख रही है। उस हिसाब से निर्णय होगा।

बिजनौर में तेंदुए ने नौ साल के लड़के को बनाया निवाला

बिजनौर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के शाहपुर जमाल गांव में नौ वर्षीय लड़के पर तेंदुए ने हमला कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान नैतिक के रूप में हुई। नैतिकक गुरुवार देर शाम घर से 100 मीटर दूर दुकान से सामान खरीदने जा रहा था। तभी झाड़ियों से निकलकर तेंदुए ने उस पर झपट्टा मारा और जंगल में घसीटकर ले जाने की कोशिश की। नैतिक ने शोर मचाया, इसके बाद ग्रामीण मौक पर पहुंचे और तेंदुए पर लाठियां बरसाईं। तेंदुआ गंभीर रूप से घायल लड़के को छोड़कर भाग गया। परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों ने पहले उस क्षेत्र में जंगली जानवरों के आने की सूचना वन विभाग को दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में तमाम घटनाक्रमों के बावजूद वन विभाग उनकी दुर्दशा से आंखें मूंद रहा है। कोई निवारक कदम नहीं उठाया जा रहा है। बता दें, कि शाहपुर जमाल गांव में तेंदुए के हमले में दूसरी मौत है। इससे पहले 27 अगस्त को 65 वर्षीय महिला गोमती देवी की तेंदुए के हमले में मौत हो गई थी। वन विभाग ने अभी तक घटना के संबंध में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

संभल में मुजफ्फरनगर जैसा कांड, शिक्षिका ने सहपाठियों से छात्र को मरवाए थप्पड़, एफआईआर दर्ज

संभल, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर के एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षिका द्वारा एक छात्र को उसके सहपाठियों से थप्पड़ मरवाने का वीडियो सामने आया था। इस वीडियो के सामने आने के बाद खूब बवाल मचा था। बीते दिनों इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिक्षा के अधिकार के तहत हर छात्र को पढ़ने का अधिकार है और उसके साथ धर्म, जाति या किसी भी आधार पर भेदभाव अस्वीकार्य है। इस मामले पर कोर्ट ने पीड़ित बच्चे की अलग स्कूल में पढ़ाई की व्यवस्था कराने और पीड़ित छात्र को थप्पड़ मारने वाले छात्रों की काउसलिंग कराने का आदेश जारी किया था। कुछ ऐसा ही मामला अब यूपी के संभल जिले में देखने को मिल रहा है। यहां एक निजी स्कूल की समुदाय विशेष की शिक्षिका द्वारा एक छात्र को गैर समुदाय के छात्रों से पिटवाने का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्र का कसूर इतना था कि छात्र शिक्षिका द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब नहीं दे पाया था। पीड़ित छात्र पांचवी कक्षा में पढ़ता है। यह मामला 26 सितंबर का बताया जा रहा है। बता दें कि पुलिस ने पीड़ित छात्र के पिता की शिकायत के आधार पर शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पूरा मामला संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के दुगावर गांव के एक निजी स्कूल का है। यहां सिरोली निवासी 11 वर्षी छात्र कक्षा 5वीं का छात्र है। पिता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनका बेटा 26 सितंबर को स्कूल में पढ़ने गया था। इस दौरान शिक्षिका द्वारा बच्चों से सवाल पूछा गया।

तभी पीड़ित छात्र शिक्षिका के सवालों का जवाब नहीं दे पाया, जिससे शिक्षिका भड़क गई और कक्षा में अन्य समुदाय के छात्रों से पीड़ित छात्र को थप्पड़ से मरवाया। पीड़ित छात्र जब घर पहुंचा तो उसने अपने परिजनों को पूरी बात बताई। इस घटना के बाद पीड़ित छात्र के पिता थाने पहुंचे और शिक्षिका के खिलाफ केस दर्ज कराया। एक्शन लेते हुए पुलिस ने आरोपी शिक्षिका को हिरासत में ले लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

लखनऊ में निर्माणाधीन अपार्टमेंट के बेसमेंट के मलबे में दबकर

एक बच्ची समेत दो लोगों की मौत

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट के बेसमेंट के मलबे में दबने से दो महीने की बच्ची और एक व्यक्ति की मौत हो गयी तथा 14 मजदूर घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। घटना पीजीआई थाना क्षेत्र के कालिंदी पार्क के पास बृहस्पतिवार/शुक्रवार की रात की है जहां एक अपार्टमेंट के बेसमेंट का निर्माण कार्य हो रहा था। अपर पुलिस उपायुक्त (पूर्व) सैयद अली अब्बास ने बताया, "निर्माण स्थल पर काम करने वाले कुछ मजदूर बेसमेंट में अस्थायी झोपड़ियों में रहते थे। बेसमेंट की फर्श ढह जाने से मलबा इन झोपड़ियों पर गिर गया जिससे अंदर सो रहे मजदूर घायल हो गए।" सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया। इस घटना में एक मजदूर मुकादम (30) और दो महीने की बच्ची आयशा की मौत हो गयी। करीब 14 अन्य घायल मजदूरों को अस्पताल ले जाया गया। दमकल विभाग और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम भी मौके पर पहुंच गयी और बचाव कार्य अब भी जारी है।

चिल्ला-चिल्लाकर क्यों रोने लगा लालू यादव का ये 'सिपाही'

कहा- 'जब तक शरीर में खून रहेगा मैं मरते दम तक सेवा करता रहूंगा

मोतिहारी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी माने जाने वाले विनोद श्रीवास्तव मीडिया के सामने चिल्ला-चिल्लाकर रोने लगे। मोतिहारी में आरजेडी का कार्यक्रम था। इसमें जमकर लात-घूसे चले। कल्याणपुर विधायक मनोज यादव ने कुछ कार्यकर्ता की पिटाई कर दी। इतना ही नहीं बल्कि पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और मोतिहारी के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी विनोद श्रीवास्तव को जिले में नहीं आने की धमकी दे दी गई। बवाल के बाद लालू का एक सिपाही रोने लगा। विनोद श्रीवास्तव ने रोते हुए मीडिया से कहा, पूर्वी चंपारण की जनता ने जो प्यार और सम्मान दिया है मैं मरते दम तक सेवा करते रहूंगा। मनोज यादव ने कहा है कि तुमको यहां से भगा देंगे। मंच से उतार देंगे, लेकिन जब तक शरीर में खून रहेगा, साहस रहेगा मैं पूर्वी चंपारण की जनता का सेवा करता रहूंगा।

श्याम रजक के सामने हुई थी पूरी घटना

बापू ऑडिटोरियम में आरजेडी द्वारा जिला स्तरीय अति पिछड़ा जागरूकता का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में मंच पर बैठने और उपाध्यक्ष के सपोर्ट में नारेबाजी को लेकर विवाद शुरू हुआ। यह पूरा घटनाक्रम राजद के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक के सामने हुआ था। विनोद श्रीवास्तव ने कहा कि उनके समर्थन में कुछ लोग नारा लगाने लगे थे। इसी को लेकर यह हंगामा हुआ। बता दें कि आरजेडी के तत्कालीन जिलाध्यक्ष सुरेश यादव को हटाने को लेकर कई बार विवाद झेलना पड़ा था। इसके बाद जिले के कल्याणपुर विधानसभा में एक बार आरजेडी के कार्यक्रम में तेजस्वी यादव आए जहां कल्याणपुर विधायक मनोज यादव को मंच से एलान करते हुए आरजेडी के जिलाध्यक्ष की घोषणा कर दी थी। आरजेडी के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव पूर्वी चंपारण लोकसभा से एक बार चुनाव लड़ चुके हैं। सफलता नहीं मिलने पर पुनः मोतिहारी विधानसभा से भी अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। विनोद श्रीवास्तव मोतिहारी में करीब 12 वर्षों से ज्यादा से राजनीति करते आ रहे हैं।

2024 से पहले सपा-कांग्रेस में रार बढ़ी

अखिलेश यादव के बयान पर अजय राय ने किया पलटवार

लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच छिड़ी जुबानी जंग तेज होती जा रही है। घोसी उपचुनाव के एलान के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की तरफ से सबसे पहले समाजवादी पार्टी को समर्थन का ऐलान किया गया था। जिसका असर भी देखने को मिला। घोसी में सपा को बड़ी जीत हासिल हुई, उपचुनाव में सपा को मिली जीत के बाद अभी तक कांग्रेस या सपा की ओर से एक भी ऐसा बयान नहीं आया जो स्पष्ट संकेत करें कि इंडिया गठबंधन की तरफ से 2024 में यह दोनों पार्टियां बेहतर तालमेल के साथ यूपी के चुनावी रण में होंगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कहा था कि कांग्रेस ने बागेश्वर में हमसे समर्थन नहीं मांगा था, इसलिए हमने वहां अपना उम्मीदवार खड़ा किया था। अब सपा अध्यक्ष के इस बयान पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि, जब इंडिया गठबंधन में सभी दल एक साथ शामिल हैं और 2024 में एक दूसरे के साथ भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं तो पहले समर्थन मांगने और न मांगने का सवाल ही नहीं होता। या तो आप इंडिया गठबंधन में शामिल हैं और नहीं तो आप इस गठबंधन को मानते ही नहीं।

लोकसभा चुनाव से पहले मची रार

अजय राय ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी की तरफ से घोसी चुनाव में सबसे पहले सपा को समर्थन का ऐलान किया गया था और हम इंडिया गठबंधन के सिद्धांतों के आधार पर ही गठबंधन में शामिल सभी दलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर 2024 में चुनाव लड़ेंगे। इसमें किसी को भी कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने इस दौरान भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी को राजस्थान में चुनाव की जिम्मेदारी दिए जाने पर भी बड़ा जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि, यह बीजेपी का दोहरा चरित्र दिखाता है। एक तरफ उन्हें नोटिस जारी किया गया है और दूसरी तरफ उन्हें चुनाव की

जौहर यूनिवर्सिटी में आजम खान ने लगाए थे सरकारी विभागों के 106 करोड़ रुपये, ईडी की एंट्री से बढ़ सकती है टेंशन

रामपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता आजम खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब वे जौहर यूनिवर्सिटी के नए विवाद में घिरते दिख रहे हैं। पहले से जौहर यूनिवर्सिटी पर सरकार के आदेश से अधिक जमीन अधिग्रहण का मामला चल रहा है। इसके निर्माण में अनियमितता और नियमों की अनदेखी के बाद आयकर विभाग की नजर गई। आयकर विभाग की ओर से पिछले दिनों जौहर यूनिवर्सिटी को संचालित करने वाली मौलाना अली जौहर ट्रस्ट से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापे मारे। इस छापेमारी के क्रम में आयकर विभाग के हाथ ऐसे कागजात लगे हैं, जिसमें सरकारी विभागों के पैसे को निजी विश्वविद्यालय के निर्माण में खर्च किए जाने की बात सामने आई है। आयकर की छापेमारी के दौरान कागजात सामने आने के बाद इसकी पुष्टि की गई। जांच के क्रम में छह विभागों के नाम सामने आए हैं, जिनसे करीब 106 करोड़ रुपये के फंड को यूनिवर्सिटी निर्माण के लिए डायवर्ट किया गया। निजी विश्वविद्यालय के निर्माण पर सरकारी राशि के खर्च का कोई प्रावधान नहीं है। माना जा रहा है कि आजम खान ने पिछली सरकार में अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए इस राशि को यूनिवर्सिटी निर्माण मद में ट्रांसफर कराया। दरअसल, यूनिवर्सिटी निर्माण में हुए खर्च की जांच आयकर विभाग की ओर से की जा रही है। यूनिवर्सिटी ट्रस्ट ने जांच के दौरान देश-विदेश से चंदा मिलने की बात कही। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जितना खर्च दिखाया जा रहा था, निर्माण में उससे अधिक खर्च हुआ था। इसके सिरे को लेकर कागजातों को खंगाला गया तो सरकारी विभागों से यूनिवर्सिटी ट्रस्ट को पैसे आने की बात सामने आई। इसके बाद ऐसी चर्चा है कि प्रवर्तन निदेशालय की इस मामले में जल्द एंट्री हो सकती है। ईडी सरकारी राशि के निजी यूनिवर्सिटी निर्माण में डायवर्ट किए जाने के मसले की जांच कर सकती है।

सरकारी विभागों के बजट को किया खर्च

यूपी सरकार में पूर्व मंत्री रहे आजम खान पर अब इस मामले में आरोप लग रहा है। कैबिनेट मंत्री रहते आजम ने नियमों को ताक पर रखकर छह सरकारी विभाग के बजट को यूनिवर्सिटी निर्माण में खर्च कर दिया था। सूत्रों के हवाले से आ रही सूचना के अनुसार, 6 सरकारी विभागों की ओर से यूनिवर्सिटी ट्रस्ट को 106 करोड़ रुपये जारी किए गए। आजम के घर और जौहर यूनिवर्सिटी पर इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी के क्रम में यह मामला सामने आया है। आयकर विभाग को मिले कागजातों के अनुसार, सीएंडडीएस ने जौहर यूनिवर्सिटी को 35 करोड़ 90 लाख रुपये जारी किए थे। वहीं, पीडब्ल्यूडी ने 17 करोड़ 16 लाख रुपये जारी किए। जल निगम की ओर से जौहर यूनिवर्सिटी को 53 करोड़ 56 लाख रुपये जारी किए गए हैं। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण और संस्कृति विभाग ने भी निर्माण के लिए पैसे जारी किए थे। इस प्रकार के खर्च को नियमों के विपरीत माना जा रहा है। ऐसे में ईडी पूरे मामले की जांच कर सकती है।

13 सितंबर को हुई थी छापेमारी

आयकर विभाग की ओर से 13 सितंबर को जौहर यूनिवर्सिटी केस में आजम खान और जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े लोगों के यहां छापा मारा गया था। मनी लॉनड्रिंग का मामला बनता देख इसमें ईडी को शामिल किया जा रहा है। सरकारी खजाने से राशि कैसे एक निजी यूनिवर्सिटी को ट्रांसफर की गई? ईडी इसकी जांच करेगी। वहीं, इस मामले में रामपुर से भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने आजम पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह केवल मनी लॉनड्रिंग का केस नहीं है। यह भ्रष्टाचार का बड़ा मामला है। इस मामले में कार्रवाई होनी चाहिए।

गर्भवती महिला को मां और भाई ने किया आग के हवाले, 70 फीसद शरीर झुलसा

हापुड़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शहर से काफी चौंकाने वाली घटना सामने आयी है। हुआ ये कि 23 वर्षीय गर्भवती महिला को उसकी मां और भाई ने उसपर पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस घटना पर कहा है कि महिला का 70 फीसद शरीर आग में झुलस चुका है। पुलिस ने ये भी बताया कि घटना में शामिल दोनों ही आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना हापुड़ के नवादा खुर्द गांव की है जहां यह वाक्या सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, महिला अभी अविवाहित है लेकिन उसने गांव के ही एक व्यक्ति के साथ संबंध स्थापित कर लिए थे जिसके बाद वो मां बन गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 30 सितंबर, 2023 5

मेरा हैदराबाद

सुविचार
मनुष्य जितना अपने अंदर से करुणा, दयालुता और प्रेम से भरा होगा, वह संसार को भी उसी तरह पायेगा।

अधिकारियों को सीईसी बैठक के लिए विवरण तैयार करने का निर्देश

मुख्य सचिव ने मुख्य चुनाव ऑयुक्त के दौरे को लेकर बैठक की

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों से राज्य में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अधिकारियों की आगामी यात्रा के लिए सभी विवरणों के साथ तैयार रहने को कहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त अन्य ईसी सदस्यों के साथ 3 अक्टूबर से हैदराबाद में होंगे। ईसी सदस्य अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान प्रवर्तन एजेंसियों, जिला कलेक्टरों, एसपी, सीपी और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। शांति कुमारी ने शुक्रवार को यहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और ईसीआई अधिकारियों के तेलंगाना दौरे के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को चुनाव कराने के प्रति राज्य सरकार की तत्परता प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। "चूंकि चुनाव कुछ महीनों में होने हैं, इसलिए चुनाव संबंधी मुद्दों की पूरी जानकारी होनी चाहिए और अधिकारियों को एक समान तरीके से सभी विवरण प्रदान करना चाहिए। मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं का विवरण प्रदान किया जाना चाहिए। विकलांगों को कल्याण विभाग के अधिकारियों को जिला कलेक्टरों के परामर्श से व्हील चेयर खरीदने और मतदान केंद्रों पर रखने के लिए कहा गया। एईआरओ व ईआरओ की रिक्तियों को तुरंत भरा जाना चाहिए। एकीकृत सीमा जांच चौकियों पर विवरण भी चुनाव आयोग के अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। बैठक में सीईओ विकास राज, स्पेशल सीएस एनर्जी सुनील शर्मा, स्पेशल सीएस फाइनेंस रामकृष्ण राव, पीआरएल. सचिव गृह जितेंदर, प्रधान. सचिव राजस्व नवीन मित्तल, सचिव पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया, सचिव जीएडी शेषाद्रि, सचिव शिक्षा वी करुणा, विशेष सचिव महिला एवं बाल कल्याण भारती होलिकेरी, सीआईपीआर अशोक रेड्डी और अन्य अधिकारी शामिल रहे।

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में एनएमडीसी सदैव अग्रणी : मोहंती

एनएमडीसी में मनाया गया राजभाषा पखवाड़ा समारोह

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड, मुख्यालय, हैदराबाद में 14 सितंबर से प्रारंभ हुआ राजभाषा पखवाड़ा-2023 आज 29 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन), एनएमडीसी लिमिटेड ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में वी. सुरेश, निदेशक (वाणिज्य) एवं विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) की भी गरिमामय उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के संदेशों का प्रसारण किया गया। हिंदी पखवाड़े के अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी का शुभकामना संदेश भी प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मंचासीन निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण, अधिकारी एवं श्रमिक संघों के पदाधिकारियों, सभी उपस्थित अधिकारियों तथा कार्मिकों का स्वागत किया तथा हिन्दी पखवाड़े को सफल बनाने के लिए उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। तदुपरांत उन्होंने पिछले एक वर्ष के दौरान सम्पन्न राजभाषा गतिविधियों एवं उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन) ने कहा कि एनएमडीसी राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है और विभिन्न उच्चस्तरीय मंचों पर मिले अनेक पुरस्कार इसकी पुष्टि करते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ाया जाए जिससे कि आने वाले समय में एनएमडीसी अपने व्यवसाय के समान ही राजभाषा के क्षेत्र में भी उच्चतम स्तर पर अपना स्थान सुनिश्चित कर सके। वी. सुरेश, निदेशक (वाणिज्य) ने कहा कि राजभाषा का प्रयोग सरल एवं सुगम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यद्यपि पुरस्कार हमारा उत्साहवर्धन करते हैं परंतु वास्तव में राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए हमें तकनीकी एवं वाणिज्यिक क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना होगा। विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) ने इस अवसर पर उपस्थितों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले अनेक वर्षों से उत्पादन परियोजनाओं में कार्य के अपने अनुभव के दौरान उन्होंने यह देखा है कि एनएमडीसी में हिंदी का प्रयोग प्रशंसनीय रूप से हो रहा है। मुख्यालय भी इस दिशा में निरंतर प्रयासशील है।

उन्होंने राजभाषा विभाग को विभिन्न उच्चस्तरीय पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी।

तदुपरांत राजभाषा पखवाड़ा, 2022 के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक (उत्पादन), निदेशक (वाणिज्य) तथा निदेशक (तकनीकी) ने अपने कर-कमलों से पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर एनएमडीसी की वेबसाइट के हिंदी संस्करण में विशेष सहयोग के लिए श्री एवीएल रामाकृष्णा, उप महाप्रबंधक (कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी) को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। साथ ही, वर्ष के दौरान अपना सर्वाधिक दैनिक कार्यालयीन कामकाज राजभाषा हिंदी में सम्पन्न करने वाले कार्मिकों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम एस. चटर्जी, महाप्रबंधक (कार्मिक) के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन रुद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने किया। डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) ने पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में देवाशीष घोष, प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) तथा सुश्री के. सौम्या अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग किया।

हमेशा भाषा सीखने के प्रति लगन रखें : प्रो. सर्राजू

हिंदी अध्यापकों के लिए 463वें नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन समारोह

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र पर आंध्र प्रदेश राज्य के समाज कल्याण गुरुकुल विद्यालय के हिंदी अध्यापकों के लिए आयोजित 463वाँ नवीकरण पाठ्यक्रम का समापन समारोह क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे के नेतृत्व में आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम में कुल 47 प्रतिभागियों ने नियमित कक्षा में उपस्थित रहकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह के अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद के समकुलपति प्रो. आर.एस. सर्राजु उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथि अध्यापक डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. सी. कामेश्वरी, डॉ. संध्या दास, डॉ. एस.राधा तथा केंद्र के सभी सदस्य एवं हिंदी अध्यापक प्रतिभागी उपस्थित थे। इसके पश्चात हिंदी अध्यापिका पल्लवी, सत्यवती और उनके समूह द्वारा गणेश स्तुति प्रस्तुत की और संस्थान गीत का गायन राजेश और उनके समूह के द्वारा किया गया। समापन समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत कोटा सूर्य प्रकाश राव और उनके समूह ने स्वागत गीत गाकर किया। आंध्र प्रदेश राज्य के समाज कल्याण गुरुकुल विद्यालय के हिंदी अध्यापकों ने मंच पर उपस्थित सभी विद्वतजनों का स्वागत एवं सम्मान किया। आंध्र प्रदेश के समाज कल्याण गुरुकुल पाठशाला के हिंदी अध्यापक त्रिविक्रम राव, चंद्र शेखर राव एवं लक्ष्मी प्रसन्ना, अब्दुल खादर एवं अन्य प्रतिभागियों ने मिलकर हिंदी देशभक्ति गीत एवं स्वरचित कविता तथा पाठ्यक्रम के दौरान किए गए अध्ययन के संबंध में विस्तार से अपने मंतव्य व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि प्रो. आर.एस. सर्राजु ने कहा कि किसी भी भाषा को सीखना हो तो उस भाषा के प्रति लगन होनी चाहिए। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि मैं आंध्र प्रदेश के छोटे से गाँव से आया हूँ। तीन महीने तक मैं बनारस में रहा ताकि मेरे कानों में मात्र हिंदी भाषा सुनाई दे। इस प्रकार मैंने कई हिंदी प्रांतों में रहकर हिंदी भाषा सीखी। आप भी हिंदी सुनते, बोलते एवं लिखते रहिए ताकि आपकी भाषा में सुधार हो। केंद्रीय हिंदी संस्थान के संस्थापक पद्मभूषण डॉ.मोटूरि सत्यनारायण जी ने हिंदी के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। हमें भी हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना पूरा-पूरा सहयोग देना चाहिए, क कहकर सबको आशीर्वचन दिया। समापन सत्र के अध्यक्ष निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने कहा कि आपने इस नवीकरण पाठ्यक्रम में जो कुछ सीखा या पाया है उसे दुगनी गति से अपने छात्रों को देंगे, यह मेरा विश्वास है। अध्यापक जब तक सीखे हुए ज्ञान का कक्षा में क्रियान्वयन नहीं करेगा तब तक वह अध्यापक नहीं होगा। इसलिए उन्होंने अध्यापन में क्रियान्वयन होने की बात पर बल दिया। अध्यापकों के पास कलाओं का समुच्चय ज्ञान होना चाहिए और ज्ञान का प्रयोग अपने अध्यापन कार्य में करना चाहिए। अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वचन देकर उनके भविष्य की कामना की। समापन समारोह डॉ. राजीव कुमार सिंह ने भभ अपने विचार रखे। समाज कल्याण गुरुकुल विद्यालय के हिंदी अध्यापक तिरूवनिशेट्टि शेषु बाबु ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समापन समारोह का सफल संचालन हिंदी अध्यापिका श्री अब्दुल खादर एवं सूर्य प्रकाश राव ने किया।

अवचेतन मन को सकारात्मक सुझाव दें : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में साध्वी श्री डॉक्टर मंगलप्रज्ञा जी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित एवं तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा संयोजित की गई। इस अवसर पर अपना मंगल उद्बोधन प्रदान करते हुए साध्वी श्री डॉ. मंगलप्रज्ञा जी ने कहा मनुष्य इस सृष्टि की सर्वोतम रचना है। समृद्धि की दृष्टि से देव परिषद श्रेष्ठ है, पर उनकी भी वांछा मनुष्य बनने की होती। मनुष्य को सर्वश्रेष्ठ मस्तिष्क के कारण माना गया है। मस्तिष्क और रीड की हड्डी में विशेष शक्ति है। चेतन, अवचेतन और अचेतन ये तीन मस्तिष्क होते हैं। मात्र हम चेतन मस्तिष्क के स्तर पर जी रहे हैं। जैसा बीज बोएंगे, वैसा उत्पादन हो जाएगा। अच्छा-बुरा जैसा डालेंगे वे ही परिणाम आ जाएगा। ध्यान दें अवचेतन मन को नकारात्मक सुझाव न दें। यदि परिवर्तन चाहते हैं तो सकारात्मक सुझाव दें, परिवर्तन होगा। अवचेतन-मन का साक्षात्कार भी किया जा सकता है। व्यक्ति जिंदगी में जैसा पाना चाहता है, जैसा बनना चाहता है ऐसा बन जाता है। अवचेतन मन को जागृत कर क्या नहीं कर सकते"? इस भावपूर्ण गीत को संगान कर महिला मंडल की बहनों ने शिल्पशाला की शुभ शुरुआत की। हैदराबाद की महिला मंडल की अध्यक्षा कविता आच्छा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। तेरापंथ महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्षा एवं वर्तमान उपासिका श्रीमती अंजु बैद ने चेतन, अवचेतन और अचेतन मस्तिष्क के संदर्भ में विचार व्यक्त किया। शिल्पशाला की संयोजिका सरला पी. भूतोंड़िया व नीशा दुगड़ थे। आभार ज्ञापन तेरापंथ महिला मंडल की सहमंत्री प्रेम संचेती ने किया।

चोरों ने नगदी और जेवरात पर किया हाथ साफ

कुमरम भीम आसिफाबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिला मुख्यालय के दसनापुर के राजाया के घर नगदी और जेवरात पर हाथ साफ करके फरार हो गए। 2 दिन पहले राजाया अपने परिवार के साथ वेमुलावाड़ा गए थे। शुक्रवार दोपहर को जब घर लौटा तो इसी क्रम में ताला टूटा देख उनके होश उड़ गये। दरवाजा खोला तो देखा कि अलमारी में कपड़े व सामान बिखरा पड़ा था।पता चला कि चोरी ने 14 तोला सोना, 10 तोला चांदी और 50 हजार रुपये नगदी लूट ले गए। आसिफाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

9 वर्षीय लड़के की हत्या के लिए युवक को मौत की सज़ा सुनाई

महबूबाबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक लड़के के अपहरण और हत्या के सनसनीखेज मामले में, महबूबाबाद जिला न्यायालय ने शुक्रवार को शनिगापुरम गांव के रहने वाले मैकेनिक मंदा सागर को मौत की सजा सुनाई। सागर को उसी गांव के पत्रकार कुसुमा रंजीत रेड्डी के नौ वर्षीय बेटे कुसुमा दीक्षित रेड्डी के अपहरण और हत्या के जघन्य अपराध का दोषी पाया गया था। यह दुखद घटना 18 अक्टूबर, 2022 को घटी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सागर ने युवा दीक्षित, जिसे सनी के नाम से भी जाना जाता है, को कृष्णा कॉलोनी में उसके घर से दूर ले जाकर कुछ तेल के डिब्बे खरीदने के लिए लड़के को अपने साथ चलने के लिए कहा। इसके बाद, सागर बच्चे को महबुबाबाद शहर के पास स्थित दानमैया गुट्टा की एक पहाड़ी पर ले गया। वहां उसने टी-शर्ट से मासूम का गला घोंटकर हत्या कर दी। तभी सागर ने शरीर पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी।

इस अपराध को और भी भयावह बनाने वाली बात यह थी कि सागर का रंजीत रेड्डी परिवार से परिचय था और वह उनकी कथित संपत्ति के बारे में जानता था, जिसका वह फिरौती के लिए शोषण करना चाहता था। रंजीत रेड्डी की शिकायत के बाद पुलिस ने 22 अक्टूबर, 2022 को सागर को गिरफ्तार कर लिया। इस चौंकाने वाले कृत्य के पीछे का मकसद बताते हुए एसपी जी चंद्रमोहन ने कहा कि सागर ने शुरू में दीक्षित का अपहरण करने और उसके परिवार से 45 लाख रुपये की फिरौती मांगने की योजना बनाई थी। हालाँकि, जब उसे पहचाने जाने के खतरे का एहसास हुआ तो उसने बच्चे की जान ले ली। इसके अलावा, जांचकर्ताओं को पता चला कि सागर ने दीक्षित के परिवार को फिरौती के लिए कॉल करने के लिए डिंगटोन सहित विभिन्न संचार ऐप का इस्तेमाल किया था। एसपी ने कहा कि जांच टीम ने ठोस तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए और सजा सुनिश्चित की और सीआई रवि कुमार, सतीश, एसआई अरुण कुमार और वेंकटाचार्य सहित टीम को बधाई दी।

गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान छह लोगों की मौत

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार और शुक्रवार को हैदराबाद में गणेश मूर्ति विसर्जन जुलूस से संबंधित अलग-अलग घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार विसर्जन के लिए मूर्ति ले जा रहे एक चलते ट्रक से गिरने के बाद संजीवैया पार्क के पास एक लड़के की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान किशन बाग इलाके के रहने वाले प्रणीत कुमार के रूप में हुई। एक अन्य घटना में, बशीरबाग फ्लाईओवर के पास एक चार वर्षीय लड़के की अपने पिता द्वारा चलाए जा रहे दोपहिया वाहन से गिरने और ट्रेलर के पहिये के नीचे आने से मौत हो गई। यह घटना तब घटी जब बेल्लमपल्ली निवासी उसके माता-पिता मूर्ति विसर्जन के लिए हुसैन सागर जा रहे थे। तीसरी घटना में, चेर्लापटेलगुडा के स्नेहनाथ (14) की इब्राहिमपटनम मंडल के पोचारम में गणेश मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली से कुचल जाने के बाद मौत हो गई। चौथी घटना में, शंकरपल्ली के नरसिम्हुलु (50) मूर्ति विसर्जन में भाग लेने के दौरान दुर्घटनावश झील में डूब गए। शुक्रवार को उसका शव बरामद किया गया। गुरुवार की रात, न्यू बोवेनपल्ली के दो युवकों की पहचान नंदू कुमार (24) और ध्रुव कुमार (22) के रूप में हुई। ये दोनों विसर्जन जुलूस देखने के लिए हुसैन सागर जा रहे थे। इसी दौरान सिकंदराबाद में महाकाली मंदिर रोड के पास उनकी बाइक को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज किए गए और जांच की जा रही है।

आंप्र हाईकोर्ट का सीआईडी को लोकेश को 4 अक्टूबर तक गिरफ्तार न करने का निर्देश

अमरावती, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने सीआईडी को कौशल विकास और एपी फाइबरनेट घोटाले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के महासचिव नारा लोकेश को 4 अक्टूबर तक गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय ने टीडीपी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के बेटे लोकेश की याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित किया, जो पहले से ही कौशल विकास घोटाले में न्यायिक हिरासत में हैं और दोनों मामलों में अग्रिम जमानत की मांग कर रहे हैं। अदालत ने दोपहर के भोजन के बाद याचिकाओं पर सुनवाई की और बाद में इसे 4 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दिया। इसने एपी फाइबरनेट मामले में लोकेश की अग्रिम जमानत याचिका पर भी सुनवाई स्थगित कर दी।

राजस्थान व हरियाणा समाज के सशक्त संगठन आप और हम के अध्यक्ष बनने पर धर्मीचंद कुमावत का स्वागत करते हुए माली समाज के अध्यक्ष सुरेश कुमार माली, भँवरलाल आलोदिया, रामकिशोर भड़लीवाल, शंकरलाल माननीय, सुखराज घोड़ावड, सुरेश कुमार बोड़ावड।

IN THE COURT OF THE
HON'BLE I SENIOR CIVIL
JUDGE, CITY CIVIL COURT,
AT: HYDERABAD
S.O.P. No. 88 OF 2023
Between:
1) Waheeda Batool and another
...Petitioner/s
A N D
1. The Bank Manager,
ICICI BANK, and another
...Respondent/s
To,
1. The Bank Manager,
ICICI BANK, Mehdipatnam Branch,
Hyderabad.
2. ALL CONCERNED
The Respondents No. 1 and 2, are hereby informed, that the above named Petitioners have filed the above case for Grant of Succession Certificate claiming that they are the legal heirs and successors of Late Zawar Ali Khan who died intestate, the same has been posted to 18-10-2023, before the above said Court. If any person has got any objection whatsoever in respect of the same may approach the above Court on 18-10-2023 at 10.30 A.M., failing which the same shall be decided as per law.
(BY ORDER OF THE COURT)
Sd/- ALI FARAZ FAROOQUI,
Advocate,
Off: 3B(A),Yeturu Towers,
H.No. 6-2-47, A.C.Guards, Hyderabad.
Cell: 9246174880

मयनामपल्ली हनुमंत राव और उनके बेटे कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक मयनामपल्ली हनुमंत राव अपने बेटे और पूर्व विधायक के साथ गुरुवार को यहां पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए। राव और उनके बेटे के अलावा, पूर्व बीआरएस विधायक वेमुला वीरेशम भी कांग्रेस में शामिल हुए। खड़गे ने यहां अपने आवास, 10 राजाजी मार्ग पर तेलंगाना कांग्रेस इकाई के प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में उन्हें शामिल किया। कांग्रेस दक्षिणी राज्य में सत्ता में आने के लिए आक्रामक रूप से प्रचार कर रही है, जहां 2014 में अस्तित्व में आने के बाद से बीआरएस का शासन है।

अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय में मना हिन्दी दिवस

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का आयोजन हाइब्रिड मोड के माध्यम से किया गया। आरम्भ में प्रकोष्ठ के हिंदी अधिकारी प्रो. श्यामराव राठोड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए इस आयोजन के संकल्प और विवरण को प्रस्तुत किया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, अकादमिक प्रो. टी. सैमसन उपस्थित रहे। जिन्होंने कुलपति की शुभकामनाओं को सबके साथ साझा किया। अपने वक्तव्य में प्रो. सैमसन ने कहा कि हिंदी अंग्रेजी का स्थान लेने के लिए तत्पर है, खासकर बात जब मानविकी विषयों की हो। उन्होंने कहा कि हिंदी भिन्न-भिन्न भाषायी परिवेशों से आने वालों के बीच एक भाषायी पुल का काम कर रही है। विशेष अतिथि एवं वक्ता के रूप में आभासी माध्यम से हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के भारतीय एवं तिब्बती संस्कृति और इतिहास अध्ययन विभाग में रीडर और सीनियर रिसर्च एसोसिएट के रूप में अपनी सेवाएं दे रहें डॉ. राम प्रसाद भट्ट जुड़े। उन्होंने हिंदी भाषा का वैश्विक परिदृश्य विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी। डॉ भट्ट ने अपने वक्तव्य में हिंदी के उज्ज्वल भविष्य की चर्चा करते हुए बताया कि आज भारतीयता के अध्ययन के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी और संस्कृत पर बहुत जोर दिया जा रहा है। यूरोपीय हवाई अड्डों में हिंदी निर्देश पट्टिकाओं का प्रयोग दर्शाता है कि हिंदी अपनी वैश्विक पहुँच को बढ़ा रहा है। बहुत से विदेशी पत्रकार हिंदी सीखने के लिए आगे आ रहे हैं।

दूसरे सत्र में विशेष अतिथि और वक्ता के रूप में मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एसबीआई के पद से स्वैच्छिक सेवा निवृत्त लेकर असहाय बालिकाओं की शिक्षा में अपना योगदान दे रही श्रीमती जयश्री अय्यंगार शामिल रहीं। हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकेतर वर्ग के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि के कर कमलों द्वारा विजेताओं को पुरस्कार राशि, स्मृति चिह्न, प्रमाण-पत्र, एवं मेडल प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। प्रतियोगिताओं में निर्णयकर्ता के रुप में डॉ. अनुपमा एवं डॉ. राकेश शर्मा ने सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रो. श्यामराव राठोड़ के संरक्षण में डॉ. प्रोमिला, डॉ प्रियदर्शिनी और डॉ. मालोबिका ने किया। हिंदी दिवस समारोह का संचालन डॉ. मालोबिका एवं पी.एच.डी शोधार्थी पंकज कुमार ने किया तथा पी.एच.डी शोधार्थी अंजना जोशी टोप्पो ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 30 सितंबर- 2023

महिलाओं की हालत जस की तस

महाकाल की नगरी उज्जैन में एक नाबालिग बच्ची से खून से लथपथ हालत में सड़कों पर भटकती रही और उसकी सहायता को कोई सामने नहीं आया। उक्त लडकी मानव समाज के ही कुछ भेडियों द्वारा बलात्कार की शिकार हुई थी। झकझोर देने वाली इस घटना ने निर्भया मामले की याद ताजा कर दी। इस वीभत्स हादसे ने सिद्ध कर दिया कि आज भी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान का मामला जस का तस है, कोई बदलाव नहीं आया है। कुछ बहशी दरिंदों ने बारह साल की नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार कर उसे अर्धनग्न अवस्था में सड़क पर तडपते हुए छोड़ दिया। वह अपने तन को ढंकने की कोशिश करती हुई मदद के लिए रात के अंधेरे में आठ किलोमीटर तक उज्जैन के गली-मोहल्लों में भटकती रही। आखिरकार खून ज्यादा बह जाने के कारण बेहोश होकर गिर गई। उसके आंतरिक अंगों को गहरी चोट पहुंचाई गई थी। डाक्टरों ने इलाज कर उसे बचा तो लिया है, लेकिन अभी उसकी हालत स्थिर है। सबसे बडी बात यह कि जिस मासूम के साथ यह घटना घटी है वह उस शहर की भाषा तक नहीं जानती। ऐसे में अपना दर्द किसी से साझा करे भी तो कैसे? पीड़ित बच्ची दूसरे राज्य की बताई जा रही है। वह यहां कैसे पहुंची, यह भी जांच का विषय है। कहीं मामला बाल तस्करी या बच्चा चोरी से जुड़ा तो नहीं है। इसकी पडताल करने के लिए सरकार ने विशेष जांच दल का गठन किया है। घटना सोमवार तड़के तीन से पांच बजे के बीच की है। दो आटो में उसके साथ ज्यादती होने के सबूत मिले हैं। पुलिस ने तीन चालकों को गिरफ्तार किया है। अब उन पर क्या कार्रवाई होगी यह तो भविष्य तय करेगा। सवाल तो यह है कि क्या उन सवालों के जवाब मिल पाएंगे, जो निर्भया कांड के समय उभरे थे और फिर बड़े-बड़े वादों की चादर में ढक दिए गए। उस समय जिस तरह से जनसमर्थन मिला था तब लगा था कि समाज के मुंह पर कालिख पोतने वाली यह आखिरी घटना होगी, लेकिन उसके बाद दिल्ली, कठुआ, पटना समेत कई जगहों पर बच्चियों के साथ कितनी ही घटनाएं हो गईं। वह सिलसिला आज भी थमा नहीं है। समाज में यह प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। आंकड़े डराने वाले हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की रपट के मुताबिक कई कड़े कानून बनने के बावजूद पिछले दस वर्षों में महिलाओं के साथ अपराधों में 87 फीसद की वृद्धि हुई है। निर्भया कांड के बाद दुष्कर्म की घटनाएं रोकने के लिए पाक्सो कानून बना। नाबालिगों के संरक्षण का यह सबसे बड़ा हथियार माना गया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 181 और 182 में बदलाव हुआ और किशोर न्याय विधेयक पास किया गया। इसके तहत सोलह साल या उससे अधिक उम्र के किशोर को जघन्य अपराध करने पर वयस्क मानकर मुकदमा चलेगा। बलात्कार से जुड़े नियमों को कडा किया गया और दुष्कर्म के दोषी के लिए फांसी की सजा जोड़ी गई। महिलाओं, विशेषकर बच्चियों के साथ बढ़ते अपराध से ऐसा लगता है कि ये सारे नियम तब तक नाकाफी और बेमानी हैं, जब तक समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना जागृत नहीं होगी। लोगों में कानून का खौफ पैदा नहीं होगा तथा समाज में नैतिकता और जिम्मेदारी का पक्ष मजबूत नहीं होगा। सरकार को इस तरफ गंभीरता से विचार करना होगा कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामले में भारत अब भी विश्व के सबसे खतरनाक देशों की सूची में क्यों है। यहां हर बीस मिनट में एक महिला बलात्कार की शिकार क्यों हो रही है। हैरानी की बात है कि इतनी देर तक पीड़ित बच्ची गली-मुहल्लों की सड़कों पर घूमती रही और उसकी मदद के लिए पुलिस कैसे नहीं आई।

खाद्य बर्बादी पर जल्द नियंत्रण बेहद आवश्यक

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पृथ्वी पर प्रत्येक सजीव को जीवित रहने के लिए आवश्यक ऊर्जा भोजन द्वारा प्राप्त होती है, बिना भोजन के ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह सकते, परन्तु सभी जीवो में केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो अपनी जरूरत पूरी होते ही भोजन को महत्वहीन समझकर व्यर्थ कर देता है। मनुष्य के पास खाद्य सामग्री के रूप में स्वाद अनुसार चयन के लिए विविध व्यंजन का विकल्प है, जिसका वह अपने हिसाब से उपभोग करता है। दुनिया में भारत ऐसा देश है, जहां खाद्य बर्बादी और भूख दोनों बड़ी मात्रा में मौजूद है। हमारे यहां सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम अनाज का मोल केवल पैसे से लगाते हैं, जो संपन्न लोग है, वे अपने पसंद अनुरूप भोजन पर ज्यादा खर्च करते हैं, तो दूसरी तरफ कुपोषितों को पौष्टिक खाना तो दूर, भर पेट अन्न तक नहीं मिलता। भूख सबकी साधारण एक जैसी होती है, फिर भी अनाज का इतना ज्यादा अपव्यय बेहद दुखद है। धरती पर भोजन का दर्जा भगवान के समतुल्य मानकर दुनिया के हर धर्म में विशेष सन्मान दिया है। भोजन का पहला भोग ईश्वर को लगाते हैं, फिर हम भोजन ग्रहण करते है। किसान फसल बुआई से पहले और फसल कटाई पर ईश्वर और प्रकृति को धन्यवाद स्वरूप त्यौहार मनाते है। हमारे समाज में अन्नदान को सर्वोपरि माना गया है। जीवन देनेवाले भोजन को हम जरूरत के बाद अगर कचरे में फेंक देते हैं तो हमारे लिए यह बहुत ही शर्मनाक बात हैं, भोजन प्रकृति द्वारा मनुष्य की कड़ी मेहनत से प्राप्त होता है, इसका मोल उसकी कीमत से परे समझना बहुत जरूरी है। पहले अभिभावक अनाज के हर एक दाने का मोल समझें, फिर अपने बच्चों को भी इसकी अहमियत समझाएं। अनाज को उगाने से लेकर हमारी थाली तक पहुंचाने में अनेक लोगों का संघर्ष जुड़ा होता है, किसान अनाज को उगाने के लिए दिन-रात खेत में मेहनत करता है, अनेक बार प्राकृतिक आपदा और आर्थिक संकट से किसान जूझता है, इतनी मेहनत के बावजूद भी बहुत बार उनके अनाज को मंडी में योग्य दाम नहीं मिलता। मंडियों में संग्रहण हेतु गोदामों के कमी के चलते अनाज खुले में रखने को मजबूर होते है, बारिश और खराब मौसम से ऐसा अनाज भीगकर सड़ता है। गोदाम के उचित रखरखाव की कमी के कारण हर साल सैकड़ों टन अनाज चूहे खा जाते है, संघर्ष करते हुए अनेक किसान हताश होकर आत्महत्या करते हैं, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र में किसानों की आत्महत्याएं ज्यादा दर्ज होती है। हाल ही में संभागीय आयुक्त विभाग की जारी रिपोर्ट अनुसार, मराठवाड़ा क्षेत्र में 1 जनवरी 2023 से 31 अगस्त 2023 के बीच 685 किसानों ने आत्महत्या की है, जो हमारे आधुनिक एवं उन्नत कहलाने वाले समाज के लिए बेहद शर्मनाक और चिंताजनक बात है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण अनुसार, भारत देश में खाने से पहले ही एक-तिहाई अनाज बर्बाद हो जाता है। यूएनईपी खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2021 बताती है कि, भारत में घरेलू भोजन की बर्बादी हर दिन 137 ग्राम खाना, सालाना प्रति व्यक्ति लगभग 50 किलोग्राम है। खाद्य और कृषि संगठन के अनुमानित आंकड़े अनुसार, भारत में 40% खाना बर्बाद हो जाता है जो एक साल में 92,000 करोड़ रुपये के बराबर होता है, 30 प्रतिशत सब्जियां और फल कोल्ड स्टोरेज की कमी के कारण समाप्त हो जाते है। जब हम भोजन बर्बाद करते हैं, तो हम उसे उगाने, फसल काटने, परिवहन करने और पैकेज करने में लगने वाली सारी ऊर्जा, पानी, श्रम, प्रयास, निवेश और बहुमूल्य संसाधनों को भी बर्बाद कर देते हैं। सीमित संसाधनों का अनावश्यक विनाश होता है, जिससे ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन बढ़ता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2021, दर्शाती हैं कि, 61% खाद्य अपशिष्ट घरों से, 26% खाद्य सेवा से और 13% खुदरा से आता है। दुनिया भर में किसी भी अन्य देश की तुलना में चीन और भारत हर साल अनुमानित 92 मिलियन और 69 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक घरेलू खाद्य अपशिष्ट पैदा करते हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने खुलासा किया था कि पांच वर्षों के दौरान (2016 - 2020) केंद्रीय अन्न भंडार में 25,000 मीट्रिक टन से अधिक खाद्यान्न बर्बाद हो गया। लोकसभा में अपने लिखित जवाब में यह भी बताया था कि मार्च 2020 से दिसंबर 2021 के बीच लगभग 3,500 मीट्रिक टन अनाज बर्बाद हो गया। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 में भारत 121 देशों में से 107वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति, 2022 रिपोर्ट के अनुसार, 224.3 मिलियन लोग या भारत की 16 प्रतिशत आबादी अल्पपोषित है, जिनमें से 53 प्रतिशत कुपोषित हैं। सभी के लिए पर्याप्त भोजन होने के बावजूद दुनिया में, 690 मिलियन लोग भूखे सोते हैं, जिनमें भारत के 189.2 मिलियन लोग शामिल हैं। 2019-20 में भारत में 69 प्रतिशत बच्चों की मौत का कारण कुपोषण है। कुछ दिन पहले मैंने देश के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के भोजनगृह में भोजन करने के लिए भेट दी, वहां विद्यार्थियों के साथ मैं भोजन कर रहा था, भोजन होने के बाद मैं अपनी थाली उठाकर जब आगे बढ़ा तो मैं सामने का नजारा देखकर स्तब्ध रह गया, अनेक विद्यार्थियों ने थाली भरकर भोजन तो लिया लेकिन स्वाद पसंद ना आने के कारण या किसी अन्य कारण से उन्होंने अपनी थालिया वैसी ही अन्न से भरी हुई छोड़ दी थी, जब मैंने वहां के कर्मचारियों से बात की तो पता चला कि ऐसा नजारा रोज देखने को मिलता है, जो बहुत ही दुखद है। देश के कोने-कोने से विद्यार्थी पढ़ते आते हैं, सबकी अपनी पसंद और अलग-अलग व्यंजन, स्वाद होता है, परंतु थाली में भोजन लेकर रोज-रोज उसे ऐसा बर्बाद करना कौन-सी शिक्षा हमें सिखाती है? अनाज की असली कीमत केवल एक मेहनतकश इंसान ही समझ सकता है, जिसने भूख की तकलीफ को समझा है, जिया है, वर्ना आज तो कहने को बड़ी-बड़ी बातें सभी करते हैं लेकिन दूसरे तरफ वही लोग घर, समारोह में खाद्य बर्बादी करते नजर आते हैं। भारतीय समारोह में तो खाद्य बर्बादी जगजाहिर है, आखिर कब सुधरेंगे हम? खाना मुफ्त का हो या खरीदा हुआ, हमें अपनी भूख के हिसाब से ही थाली में थोड़ा-थोड़ा भोजन लेना चाहिए, जरूरत के अनुसार ही उपभोग होना चाहिए। खाद्य बर्बादी को अगर अपराध मानकर जिम्मेदार व्यक्ति से भारी जुर्माना वसूला जाएं तो शायद देश में एक महीने के अंदर ही खाद्य बर्बादी पूरी तरह से नियंत्रित हो जाएगी और देश में अरबों रुपयों की बचत होकर अधिक मात्रा में विकास हो सकता है, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी, भुखमरी कम होकर समृद्धता बढ़ेगी। समाज के सभी वर्गों को भरपेट अनाज मिलेगा, बीमारियां, महंगाई कम होंगी, देश आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय रूप से संतुलित होगा। घर, ऑफिस, होटल, रेस्टारेंट, कार्यक्रम, सामूहिक समारोह, संस्थान, भोजनालय, ढाबे, कैफ़े दुकान, मॉल, गोदाम, कोल्ड-स्टोरेज अर्थात हर वो जगह जहां खाद्य सामग्री हो, चाहे निजी हो या सरकारी विभाग, खाद्य बर्बादी पर जिम्मेदार व्यक्ति पर दंड वसूला जाए तो हम जल्द सुधर जायेंगे। लोग जागरूक होकर भोजन सिमित मात्रा में पकाएंगे, समारोह में लोग खाना चखने के बाद स्वाद पसंद आने पर ही सिमित मात्रा में खाना थाली में परोसेंगे, इससे कुपोषण खत्म होने में मदद, उत्तम स्वास्थ्य, चटोरेपन पर लगाम लगेगी। किसी कारणवश फिर भी अन्न बच जाने पर खाना सार्वजानिक फ़ूड स्टाल को भेट किया जाएं।

स्त्री पुरुष असमानता और महात्मा गांधी

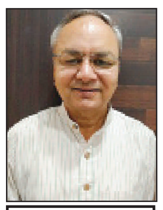

अरुण कुमार डनायक

स्त्री पुरुष में असमानता को लेकर गांधीजी के चिंतन में भारत की 85% आबादी का ख्याल था। 1918 में मुंबई में आयजित भगिनी समाज की बैठक में दिया गया उनका उद्बोधन इन्हीं चिंताओं को व्यक्त करता है । गांधीजी चाहते थे कि स्त्रियाँ अपने कार्यों में पुरुषों की सहायता अवश्य लें, लेकिन स्त्री जाति की उन्नति के लिए स्वयं प्रयास करें। भारतीय समाज में स्त्रियों की अवनति का एक प्रमुख कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विषयों में पुरुष प्रधान व्यवस्था रही है । स्मृति ग्रंथों में भी स्त्री का स्थान वर्ण व्यवस्था के अंतिम पायदान पर बैठे समुदाय के समान रखा गया है । गांधी जी इस असमानता का एक कारण बाल विवाह तथा विधवाओं खासकर बाल विधवाओं पर लगे प्रतिबन्ध को मानते थे। वे स्मृतियों में वर्णित नियंत्रणों के अलावा दुरावस्था में जीवन यापन को विवश स्त्रियों में जागृति लाने देश की सभ्रांत महिलाओं का आह्वान करने से पीछे नहीं हटे और उन्होंने स्मृतियों में स्त्रियों के सम्बन्ध वर्णित ऐसे आख्यानों का कडा विरोध करते हुए उन्हें ब्रह्म वाक्य मानने से इनकार कर दिया। गांधीजी ने भारत में धर्म की बागडोर के सुरक्षित रहने में स्त्रियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि नारी अपनी धार्मिक निष्ठा में पुरुषों से कहीं बढ़ चढ़कर रही है । गांधीजी के अनुसार स्त्रियाँ पुरुषों की अपेक्षा अधिक विनम्र व दयालु होती हैं तथा वे मूक एवं गंभीर सहिष्णुता की प्रतीक रही हैं। लेकिन हिन्दू धर्मग्रंथों ने स्त्रियों पर अनेक आक्षेप किये जिसके कारण उनकी दुर्दशा हुई और वे पुरुषों के समान अधिकारों से वंचित कर दी गई। गांधीजी के अनुसार " जब तक स्त्रियाँ दबी रहेंगी या उन्हें पुरुषों से कम अधिकार मिलेंगे तब तक भारत का सच्चा उद्धार नहीं हो सकता है।" गांधीजी ने स्त्रियों को त्याग की मूर्ति माना और उनसे अपेक्षा की कि जैसा त्याग वे कुटुंब के लिए करती हैं वैसा ही त्याग देश के लिए करें। गांधीजी मानते थे कि स्त्री पुरुष की सहचारिणी है , उसकी मानसिक शक्ति पुरुष के समान ही है और उसे पुरुष की छोटी से छोटी प्रवृत्ति में भाग लेने का समान अधिकार है। वे पुरुष वर्ग को प्राप्त स्वतंत्रता से स्त्रियों को वंचित रखने के पक्ष में नहीं थे। साथ ही साथ वे स्त्री और पुरुष का दर्जा तो बराबरी का मानते थे । पर दोनों एक हैं इसके बजाय वे दोनों की जोड़ी अपूर्व है, दोनों एक दूसरे के पूरक है और दोनों का काम एक दूसरे के बिना चल नहीं सकता है, ऐसा मानते थे। इस धारणा के समर्थन में उनका तर्क था कि आदिकाल से ही स्त्रियाँ सूत कातने और पुरुष बुनने का काम मिल जुलकर करते थे। गांधीजी का मानना था कि स्त्री अपने क्षेत्र में सर्वोपरि है और इसी कारण वे गृह व्यवस्था व अल्पायु बालकों की शिक्षा में स्त्रियों के वर्चस्व के हिमायती थे। गांधीजी और महिला अधिकारों के वर्तमान समर्थकों के बीच एक बड़ा मतभेद इन बिन्दुओं को लेकर है। गांधीजी के विचार स्त्रियों की शिक्षा को लेकर स्पष्ट थे। "विद्या के बिना मनुष्य का जीवन पशुवत है, विद्या के अभाव में स्त्रियाँ शुद्ध आत्मज्ञान से वंचित रह जाती हैं । पढने लिखने से बुद्धि विकसित व तीव्र होती है और परोपकार करने की क्षमता बढ़ जाती है।" इसीलिये पुरुषों ने स्त्रियों के शिक्षा संबंधी स्वाभाविक मानवीय अधिकार छीन लिए और इस कारण उनमें जागृति का अभाव है। गांधीजी के अनुसार स्त्रियों का कार्यक्षेत्र गृह व्यवस्था है और उन्हें नौकरियाँ खोजने या व्यापार करने की आवश्यकता नहीं है, इस मान्यता के चलते वे स्त्रियों को अंग्रेज़ी भाषा सिखाने के पक्षधर भी नहीं थे। हालांकि 1931 में उन्होंने कहा की "मैं चाहता हूँ कि सभी पदों, व्यवसायों और रोजगारों के दरवाजे स्त्रियों के लिए खुल जाएँ अन्यथा सच्ची समानता नहीं आ सकती।" यद्दपि वे उन्हें पुरुषों की भाँति शिक्षा ग्रहण कराने के समर्थक थे तथापि गांधीजी स्त्रियों को पुरुषों के जैसी शिक्षा देने की जगह आंतरिक प्रवृत्ति विकसित करने वाली शिक्षा देने के पक्षधर थे । यंग इंडिया में वर्ष 1929 को लिखे एक लेख में गांधीजी ने कहा की जैसे-जैसे स्त्री जाति को शिक्षा द्वारा अपनी शक्ति का भान होता जाएगा वैसे-वैसे उसके साथ आज जो असमान व्यवहार किया जाता है उसका वह स्वभावतः उग्र विरोध करेगी। गांधीजी ने स्त्रियों के विरुद्ध अत्याचारों में विरासत संबंधी कानूनों की असमानता को कारण नहीं माना। वे स्त्रियों को सम्पत्ति में अधिकार के प्रबल समर्थक नहीं थे वरन चाहते थे कि सम्पत्ति को लेकर स्त्रियाँ अपनी अमर्यादित आकांक्षाओं तथा सम्पत्ति संग्रह की वृत्ति पर अंकुश लगाएं। इन विचारों के पीछे गांधीजी की मान्यता थी कि ऐसा करने से जायदाद का अनावश्यक विभाजन बचेगा। आधुनिक विचारकों की दृष्टि गांधीजी के यह विचार दकियानूसी हैं। स्त्रियों को मताधिकार मिले और वे भी पुरुषों के साथ धारा सभाओं में बैठे , ऐसे क्रांतिकारी विचार तो गांधीजी ने मई 1920 में नवजीवन में लिखे एक लेख के माध्यम से व्यक्त कर दिए थे। लेकिन वे महिलाओं को ऐसे अधिकारों को दिए जाने पर प्रश्नचिंह लगाने से भी नहीं चूके। इसी आलेख में उन्होंने लिखा कि " जो महिलायें अपने सामान्य अधिकारों को नहीं समझती अथवा समझते हुए भी अपने अधिकारों को प्राप्त करने की शक्ति नहीं रखती। वे मताधिकार लेकर क्या करेंगी?" गांधीजी की प्राथमिकता में स्त्रियों को मताधिकार दिलाने एवं उन्हें धारासभाओं में भेजने की अपेक्षा पुरुषों की ओर से जाने अनजाने में उनपर किये जाने वाले अत्याचारों से मुक्ति दिला भारत के गौरव व सम्मान को पुर्नस्थापित करना था। गांधीजी का स्वतंत्रता आन्दोलन एक सरकार को हटाकर दूसरी सरकार को प्रतिस्थापित करने तक सीमित नहीं था। वे तो रामराज लाना चाहते थे। इस आन्दोलन से स्त्रियों को विमुख कैसे रखा जा सकता था । स्त्रियों में उत्साह को जागृत होता देख गांधीजी ने उनके जेल जाने को लेकर भी अपने सकारात्मक विचार जनवरी 1922 में ही व्यक्त करते हुए कहा कि "स्त्रियाँ जेल जाने हेतु अपना नाम दर्ज कराकर जेल जाने की आदत डालेंगी तो इससे पुरुषों के जेल जाने का मार्ग सुगम हो जाएगा।" गांधीजी ने ऐसी महिलाओं की प्रसंशा भी की जिनके पति जेल गए। राष्ट्रीय मुस्लिम विश्वविद्यालय के मुख्य व्यवस्थापक ख्वाजा साहब जब गिरफ्तार हो गये तो उनकी पत्नी खुर्शीद बेगम ने गांधीजी को लिखा "आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मेरे पति को सरकार ने गिरफ्तार कर लिया है अब विश्वविद्यालय को मैं चलाऊँगी।"

आगे आगे देखिये होता है क्या?

राज सक्सेना

बिहार में महागठबंधन की नाव पर सवार होकर सरकार चला रहे बिहार के सीएम नीतीश कुमार, क्या तेजस्वी यादव को कभी सीएम बनने भी देंगे या नहीं? यह चर्चा अब बिहार के राजनीतिक गलियारे में आम होने लगी है। वस्तुतः नीतीश कुमार के इन दिनों कुछ कृत्य ऐसे रहे हैं जिससे लगता है कि अगर उनके मन मुताबिक सब नहीं हुआ तो वे एक बार फिर पाला बदल कर एनडीए में आसकते हैं। महिला आरक्षण बिल पर बिना शर्त सरकार को समर्थन देना, टी-20 राष्ट्रपति के डिनर के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से हंस-हंस कर बातें करना, किस ओर इशारा करता है?। इसके अतिरिक्त बिहार में विधानसभा चुनाव समय से पहले कराने की बात कह कर नीतीश ने किसी बड़े खेल का संकेत भी दे दिया है। आश्चर्य यह कि बिहार में समय पूर्व चुनाव को लेकर जो बात नीतीश कुमार ने तीन महीने पहले कही थी, यही बात अब गृह मंत्री अमित शाह भी दोहराने लगे हैं। अगर यह किसी बड़े बदलाव का संकेत नहीं है तो क्या है?। नीतीश कुमार के बारे में आम धारणा है कि वे कब किस पाले में चले जाएंगे, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। नीतीश इस समय छह दलों के महागठबंधन की सरकार चला रहे हैं। जनता दल से अलग होने के बाद पहली बार नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ बिहार में एनडीए की सरकार बनाई थी। बीजेपी ने जब गुजरात के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी को पीएम बनाने का फैसला लिया तो नीतीश ने भाजपा का साथ छोड़ दिया था। किसी तरह उनकी सरकार तो बची रही और 2014 में उन्होंने एनडीए के खिलाफ अकेले अपनी ताकत आजमाई जिसमें उन्हें सिर्फ दो सीटों पर मिली कामयाबी से ही उन्हें संतोष करना पड़ा था।नीतीश कुमार के महागठबंधन के साथ जाने की घोषणा के बाद जेडीयू के सीनियर लीडर रहे उपेंद्र कुशवाहा ने विद्रोह कर दिया था। उन्होंने विरोधस्वरूप जेडीयू छोड़ अपनी अलग पार्टी राष्ट्रीय लोक जनता दल बना ली और एनडीए के साथ चले गये। नीतीश पर दोषारोपण के बाद पूर्व सीएम और एचएएम के संरक्षक जीतन राम मांझी ने भी महागठबंधन का साथ छोड़ दिया। उनके बेटे संतोष सुमन ने मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया। वे भी एनडीए के साथ हैं। लोक जनशक्ति पार्टी-आर के नेता चिराग पासवान की नीतीश से दुश्मनी तो जगजाहिर है। नीतीश स्वयं कहते हैं कि 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान के कारण जेडीयू को तीन दर्जन सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। नीतीश की एनडीए में वापसी से ऐसे लोगों के सामने मुश्किल स्थिति पैदा हो जाएगी। राजनैतिक गलियारों में यह चर्चा है कि महागठबंधन सरकार बनाते समय नीतीश ने आरजेडी से गुप्त समझौता किया था। जिसके अनुसार वे राष्ट्रीय राजनीति में जाएंगे और बिहार की गद्दी तेजस्वी यादव संभालेंगे। इसी को आधार बना कर नीतीश के बड़े सहयोगी उपेंद्र कुशवाहा ने जेडीयू से किनारा किया था। आरजेडी ने नीतीश को आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्षी एकता का काम सौंपा। नीतीश ने इसे मनोयोग से पूरा किया और पटना में 15 विपक्षी दलों को जुटा कर अपना टास्क पूरा कर दिखाया। आरजेडी को सन्तुष्ट रखने के लिए नीतीश ने यहां तक घोषणा कर दी कि 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा मगर नीतीश पर आरजेडी का दबाव बढ़ता रहा कि वे तेजस्वी यादव के लिए जितनी जल्दी हो, कुर्सी खाली कर दें। नीतीश पर कुर्सी छोड़ने का दबाव बनाने के काम में सबसे आगे रहे आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के पुत्र विधायक सुधाकर सिंह।

वे लगातार नीतीश सरकार के कामकाज पर सवाल उठाकर उन्हें परेशान करते रहे। नीतीश की आलोचना के लिए उन्होंने ऐसे-ऐसे शब्दों का प्रयोग किया, जो उनकी तिलमिलाहट के लिए पर्याप्त थे। जब नीतीश ने उन पर कार्रवाई की जवाबदेही आरजेडी पर छोड़ दी तो आरजेडी ने सुधाकर सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। जवाब भी सुधाकर सिंह ने पार्टी को दिया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश की। जवाब की औपचारिकता के बाद पार्टी की ओर से इस बाबत कोई बयान ही नहीं आया। सुधाकर सिंह के बाद सुनील कुमार सिंह कभी खुल कर तो कभी इशारों में सोशल मीडिया पर नीतीश के खिलाफ अभियान चलाते रहे। इससे नीतीश विचलित और परेशान तो होते रहे होंगे, लेकिन कुर्सी पर बने रहने की लालसा ने उन्हें रोका हुआ है। नीतीश कुमार के मन में शायद यह बात रही होगी कि उन्होंने प्रधानमंत्री की दावेदारी भले छोड़ दी है लेकिन हो सकता है कि अवसर आने पर कोई सम्भावना बन जाए। विपक्षी एकता के लिए वे दर-दर भागते-दौड़ते रहे। लोगों को जुटा भी लिया। लेकिन बाद में विपक्षी दलों की हुई बैठकों में नीतीश कुमार को किनारे करने की कवायद खुद कांग्रेस ने ही शुरू कर दी। बेंगलुरु और मुंबई की बैठकों में तो उन्हें तवज्जो तक नहीं मिली।

पानी के लिए लड़ रहे तमिलनाडु और कर्नाटक

अशोक भाटिया

कावेरी नदी के जल बंटवारे का मुद्दा लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। तमिलनाडु और कर्नाटक में लोग पानी के लिए धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कावेरी जल विवाद के चलते मंगलवार को बेंगलुरु में बंद रहा। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने आज 29 सितंबर से पूरे राज्य में बंद करने का आह्वान किया है जिसकों वहां के मुख्य विरोधी दल भाजपा व जे डी एस भी समर्थन किया है।

दरअसल दोनों राज्यों के बीच यह जंग लगभग 140 साल पुरानी है। मामला निचली अदालतों से लेकर देश की उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा लेकिन विवाद खत्म नहीं हो सका। कावेरी नदी कर्नाटक के कोडागू जिले से निकलती है और तमिलनाडु व पुडुचेरी से होती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी नदी की लंबाई तकरीबन 750 किलोमीटर है। ये नदी कुशालनगर, मैसूर, श्रीरंगापटना, त्रिरुचिरापल्ली, तंजावुर और मइलादुथुरई जैसे शहरों से गुजरती हुई तमिलनाडु से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी बेसिन का कुल जलसंभरण (वाटरशेड) 81,155 वर्ग किलोमीटर है जिनमें से कर्नाटक में नदी का जल संभरण क्षेत्र सबसे ज्यादा लगभग 34,273 वर्ग किलोमीटर है।

केरल में कुल जल संभरण क्षेत्र 2,866 वर्ग किलोमीटर है। तमिलनाडु और पांडिचेरी में शेष 44,016 वर्ग किलोमीटर जल संभरण क्षेत्र है। जब कावेरी तमिलनाडु की ओर आती है तो यहां नदी की मुख्यधारा में मेटुर बांध बनाया गया है। कावेरी के साथ कबिनी और मेटूर बांध के संगम के बीच केन्द्रीय जल आयोग ने मुख्य कावेरी नदी पर दो जीएंडडी स्थलों यानी कोलेगल और बिलीगुंडलू की स्थापना की है। बिलीगुंडुलू जीएंडडी स्थल मेटूर बांध के तहत लगभग 60 किलोमीटर है जहां कावेरी नदी कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ सीमा बनाती है।

कावेरी जल बंटवारा विवाद लंबे समय से कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच एक भावनात्मक मुद्दा बना हुआ है। यह विवाद सबसे पहले 1881 में शुरू हुआ था, जब तत्कालीन मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) ने कावेरी नदी पर बांध बनाने का फैसला किया लेकिन मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) इस पर आपत्ति जताई। सालों तक ऐसे ही विवाद चलता रहा। फिर 1924 में ब्रिटिशर्स की मदद से एक समझौता हुआ। समझौते के तहत कर्नाटक को कावेरी नदी का 177 टीएमसी और तमिलनाडु को 556 टीएमसी पानी मिला। टीएमसी यानी, हजार मिलियन क्यूबिक फीट। इसके बाद भी विवाद पूरी तरह नहीं सुलझ सका।

आजादी के बाद 1972 में केंद्र सरकार ने एक कमेटी बनाई। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कावेरी नदी के पानी के चारों दावेदारों (तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी) के बीच 1976 में एक समझौता हुआ लेकिन इस समझौते का पालन नहीं हुआ और विवाद चलता रहा। 90 के दशक में विवाद बढ़ता चला गया। तो 2 जून 1990 को कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल का गठन किया गया। कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल के 2007 में दिए गए फैसले से पहले कर्नाटक 465 टीएमसी पानी मांग रहा था जबकि तमिलनाडु को 562 टीएमसी चाहिए था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि कर्नाटक को सालाना 270 टीएमसी और तमिलनाडु को 419 टीएमसी पानी मिलेगा। केरल को 30 टीएमसी और पुडुचेरी को 7 टीएमसी पानी देने को कहा गया। जल शक्ति मंत्रालय के जलसंसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के मुताबिक, किसी विशेष महीने के संदर्भ में चार बराबर किस्तों में चार सप्ताहों में पानी छोड़ा जाना होता है।

मुंह वाला मंत्री !

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कमाल हो गया। जनता ने पहली बार एक ऐसे मंत्री को देखा जो मुँह से बोलता था। चुनाव जीतने के बाद हाथ, पैर, आँख, नाक से बोलने वाले मंत्री अक्सर मुँह का इस्तेमाल सिर्फ रैलियों में करते हैं। किंतु इस मंत्री ने मुँह का इस्तेमाल कर अपने दल के साथ-साथ जनता को भी आश्चर्यचकित कर दिया। मीडिया ने भू-बकासुर, धनखाऊ और जनता की समस्याओं के प्रति चुप्पी साधने वाले इस कुंभकर्णी मंत्री के बारे में लाख कार्यक्रम चलाए, लेकिन यह मंत्री अंगद पैर की भांति सत्ता पर अड़ा रहा। मीडिया और जनता लाख चिल्लाते रहे लेकिन वह भीष्म प्रतिज्ञा की तरह चुप रहकर शांतचित्त बना रहा।पहले तो किसी को विश्वास नहीं हुआ कि भोजन के सिवाय सब कुछ डकारने वाले इस मंत्री का मुँह कैसे खुल गया!! दलाध्यक्ष ने कहा कि असंख्य गूँगे-बहरे मंत्रियों को संभाला जा सकता है, लेकिन एक अदद मुँह वाले मंत्रा को संभालना सबसे मुश्किल काम है। अक्सर बोलने वाला मंत्री गूँगे-बहरों के बीच कैंसर बनकर उन्हें भी यह रोग लगा देता है। इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, सिवाय दूर रहने के। सत्ता अक्सर लूटने में इतनी लिप्त रहती है कि उसे जनकल्याण भी एक बीमारी सी लगती है। अचानक से मुँह खोलने वाले मंत्री जी ने पिछले दो दशक से लूटपाट का ऐसा कीर्तिमान बनाया कि सभी नवजात मंत्रियों के लिए वह आराध्य लूटपुरुष बन गया। पिछले दिनों वह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के बहाने कठपुतली का तमाशा देख बैठा। उसने देखा कि बन्दर और मदारी के तमाशे में बन्दर मदारी को नचा रहा था। उसे अपनी याद हो आई। वह जनता को नचाने में सिद्धहस्त था। नेता जी के पास हमेशा नए नए आइडिया तैयार रहते थे। नई सरकार बनने पर उसने पानी-पूरी की तर्ज पर घोटाला-पूरी का स्टाल लगवाया था । कांट्रेक्टरों को उनके कार्यक्रमों का शिद्दत से इंतजार रहता था । उसने वादा कर रखा था कि अबकी जमीन पर भवन बनाए बिना जेबों में रुपयों का भवन बनायेगा । वादे के मुताबिक उसने कांट्रेक्टरों की जेबों में इतने रुपए भवन बना दिए कि दूसरे मंत्रियों को उनका पत्ता काटने के लिए कमर कसनी पड़ी। मंत्रियों के दल ने लोहे को लोहा और रुपए को रुपया काटने वाले फार्मुले की तर्ज पर मंत्री जी को पद से हटवा दिया। मंत्रियों के वाट्सएप ग्रुप में खबर आई कि आज शाम को सब लोग मीटिंग हॉल में मंत्री को मुँह खोलते हुए लाइव देख सकते हैं। मंत्रीगण चौंक गए । मैसेज के जवाब में कई जिज्ञासाएं आईं । मंत्रीगण पूछ रहे थे "मुँह खोलना क्या होता है !?' 'खोलने पर प्रभाव कैसा होता है ?' यह भी जानना चाहते थे कि इससे बचने के उपाय क्या हैं ? पिछली बार एक मंत्री डकार लेने के लिए मुँह खोला था कि मीडिया ने उसे राई का पहाड़ बनाकर सरकार गिरा दी थी। इसलिए इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए । पहले से ही सबको बता देना चाहिए कि वे कितना बड़ा मुँह खोलेंगे, कैसे खोलेंगे और क्यों खोलेंगे? मंत्रियों ने पूछा मुँह खोलने पर जीभ दिखाई देगी कि नहीं।

पितृ पक्ष में श्राद्ध की तिथियां और महत्व

पितृ पक्ष या श्राद्ध की शुरुआत इस बार 29 सितंबर से हो चुकी है तथा इसका समापन 14 अक्टूबर सर्व पितृ अमावस्या के दिन होगा। सर्व पितृ अमावस्या को महालया अमावस्या, पितृ अमावस्या एवं पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है तथा यही पितृ पक्ष का अंतिम दिन भी होता है। वही सनातन धर्म में श्राद्ध पक्ष का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। पितृ पक्ष में पूर्वजों को याद करके दान धर्म करने की परंपरा है। ब्रह्म पुराण के अनुसार, मनुष्य को पूर्वजों की पूजा करनी चाहिए तथा उनका तर्पण करना चाहिए। पितरों का ऋण श्राद्ध के माध्यम से चुकाया जा सकता है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितृगण प्रसन्न रहते हैं। पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण या पिंडदान किया जाता है। पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के मुताबिक श्राद्ध किया जाता है। यदि किसी मृत व्यक्ति की तिथि ज्ञात न हो तो ऐसी स्थिति में अमावस्या तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है।

पितृ पक्ष में रोजाना करें ये उपाय-

गाय को भोजन कराएं

सनातन धर्म में गाय को मां माना जाता है। पितृ पक्ष में प्रतिदिन गाय को भोजन अवश्य कराएं। गाय को भोजन कराना शुभ माना जाता है। गाय को भोजन करवाने से पितृ दोषों से भी मुक्ति प्राप्त हो जाती है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

इन बातों का रखें ध्यान-

पितृ पक्ष में सात्विक भोजन करें। इन दिनों में मांस-मदिरा का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

पितृपक्ष में कर्मकांड करने वाले व्यक्ति को बाल और नाखून काटने की मनाही होती है इसके अतिरिक्त उसे दाढ़ी भी नहीं कटवानी चाहिए।

श्राद्ध विधिः-किसी सुयोग्य विद्वान ब्राह्मण के माध्यम से ही श्राद्ध कर्म (पिंड दान, तर्पण) करवाना चाहिए।

श्राद्ध कर्म में पूरी श्रद्धा से ब्राह्मणों को तो दान दिया ही जाता है साथ ही अगर किसी गरीब, जरूरतमंद की सहायता भी आप कर सकें तो बहुत पुण्य प्राप्त होता है। इसके साथ-साथ गाय, कुत्ते, कौवे आदि **पशु**-पक्षियों के लिए भी भोजन का एक अंश अवश्य डालना चाहिए।

यदि संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। अगर यह संभव न हो तो घर पर भी इसे किया जा सकता है। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन ब्राह्मणों को भोज करवाना चाहिए। भोजन के बाद दान दक्षिणा देकर भी उन्हें संतुष्ट करें।

श्राद्ध पूजा दोपहर के वक़्त आरम्भ करनी चाहिए। योग्य ब्राह्मण की सहायता से मंत्रोच्चारण करें और पूजा के पश्चात जल से तर्पण करें। इसके बाद जो भोग लगाया जा रहा है उसमें से गाय, कुत्ते, कौवे आदि का हिस्सा अलग कर देना चाहिए। इन्हें भोजन डालते वक़्त अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए। मन ही मन उनसे श्राद्ध ग्रहण करने का निवेदन करना चाहिए।

श्राद्ध पूजा की सामग्रीः

रोली, सिंदूर, छोटी सुपारी , रक्षा सूत्र, चावल, जनेऊ, कपूर, हल्दी, देसी घी, माचिस, शहद, काला तिल, तुलसी पत्ता , पान का पत्ता, जौ, हवन सामग्री, गुड़ , मिट्टी का दीया , रुई बत्ती, अगरबत्ती, दही, जौ का आटा, गंगाजल, खजूर, केला, सफेद फूल, उड़द, गाय का दूध, घी, खीर, स्वांक के चावल, मूंग, गन्ना।

पितृ पक्ष में श्राद्ध की तिथियां

प्रतिपदा श्राद्ध - 30 सितंबर 2023
द्वितीया श्राद्ध - 1 अक्टूबर 2023
तृतीया श्राद्ध - 2 अक्टूबर 2023
चतुर्थी श्राद्ध - 3 अक्टूबर 2023
पंचमी श्राद्ध - 4 अक्टूबर 2023
षष्ठी श्राद्ध - 5 अक्टूबर 2023
सप्तमी श्राद्ध - 6 अक्टूबर 2023
अष्टमी श्राद्ध- 7 अक्टूबर 2023
नवमी श्राद्ध - 8 अक्टूबर 2023
दशमी श्राद्ध - 9 अक्टूबर 2023
एकादशी श्राद्ध - 10 अक्टूबर 2023
द्वादशी श्राद्ध- 11 अक्टूबर 2023
त्रयोदशी श्राद्ध - 12 अक्टूबर 2023
चतुर्दशी श्राद्ध- 13 अक्टूबर 2023
अमावस्या श्राद्ध- 14 अक्टूबर 2023

5 चीजें भूलकर भी किसी से बिना पैसों के न लें

रोजमर्रा की जिंदगी में कई चीजें हम अपनी जान पहचान के लोगों से लेते हैं। इनमें रिश्तेदार, दोस्त आदि शामिल हैं। अनजाने में ही कई बार हम ऐसी चीजें घर ले आते हैं जो हमारे लिए बड़ी परेशानी का सबब बन सकती हैं। ये बात जानकर आप चौंक सकते हैं।

दरअसल, वास्तु शास्त्र के मुताबिक कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें दान में या फिर बिना पैसे दिए अगर किसी से ले लिया जाए तो इसकी वजह से घर की सुख-समृद्धि जा सकती है और ये चीजें आपको कुछ ही वक्त में कंगाल भी बना सकती हैं।

इन चीजों का नकारात्मक असर बड़ी परेशानियां पैदा कर सकता है। आखिर ऐसी कौन सी चीजें हैं जिन्हें बिना पैसे चुकाए नहीं लेना चाहिए, इसके बारे में हमें बता रहे हैं भोपाल में रहने वाले ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

दही- दही जमाने के लिए कई बार हम अपने पड़ोसी से थोड़ा सा दही उधार ले आते हैं और उसी से घर में दही जमाते हैं। परंतु ऐसा करने से घर में तनाव और अशांति का माहौल पैदा हो सकता है, वास्तु शास्त्र के अनुसार, दही भी एक ऐसा पदार्थ है जिसे किसी से बिना पैसों के लेना या देना नहीं चाहिए। अक्सर इससे पैसों की बर्बादी शुरू हो जाती है। इसलिए भूलकर भी किसी को बिना पैसों के दही ना तो लेना चाहिए नहीं देना चाहिए

नमक- कई बार घर में नमक खत्म हो जाता है, ऐसे में इसके लिए हम पड़ोसियों का रूख कर लेते हैं। लेकिन ऐसा करना बड़ा संकट ला सकता है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि यदि आपके घर में नमक खत्म हो जाए तो भूल कर भी इसे बिना पैसे के किसी को ना तो देना चाहिए और ना ही किसी से लेना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र में शनि देव के साथ नमक का संबंध बताया गया है। अगर नमक दान किया जाता है तो इससे शनि देव नाराज हो सकते हैं। बिना पैसे के नमक का लेनदेन करना रोग और दोष को बुलावा देता है। ऐसा करने से आप कर्ज में भी डूब सकते हैं।

माचिस- माचिस किसी से बिना पैसे के ना तो लेना चाहिए और ना ही देना चाहिए। क्योंकि माचिस का संबंध सीधे तौर पर अग्नि से माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से घर के लोगों में गुस्सा और विवाद बढ़ सकता है। घर की शांति भंग हो सकती है। इसके अलावा अन्य तरह की परेशानियां भी आ सकती हैं।

काला तिल- बिना पैसों के ना तो किसी को काला तिल देना चाहिए और ना ही किसी से लेना चाहिए। वास्तु शास्त्र में उल्लेखित है कि ऐसा करना जीवन में संकट ला सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार काले तिल का संबंध राहु केतु के साथ-साथ शनि ग्रह से भी माना गया है। बिना पैसे के काला तिल लेने या देने से जीवन में अनावश्यक खर्चों को झेलना पड़ता है, ऐसा शनिवार के दिन तो कतई नहीं करना चाहिए।

रुमाल- किसी व्यक्ति से बिना पैसों के रुमाल न तो लेना चाहिए ना ही देना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से घर में लड़ाई झगड़े बढ़ सकते हैं और जीवन में अनेक तरह की परेशानियां आने लगती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार रुमाल किसी को उपहार में भी नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से उस रिश्ते में दूरियां बढ़ सकती हैं।

पितृपक्ष में भूलकर भी न करें इन 5 चीजों का दान

पितृपक्ष में दान करना श्रेष्ठ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में दान करने से व्यक्ति को 100 गुना फल प्राप्त होता है। लेकिन, पितृपक्ष में कुछ चीजों का दान करने की मनाही भी है। भूलकर भी पितृपक्ष में इन चीजों का दान नहीं करना चाहिए। वरना पितृदोष से कभी भी मुक्ति नहीं मिलेगी। पितृपक्ष में दान का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में जो व्यक्ति दान आदि के कार्य करता है उसको उसका 100 गुना फल प्राप्त होता है। साथ ही आपके पितरों की आत्मा को शांति मिलती हैं। लेकिन, पितृपक्ष में दान आदि के कार्य करते हुए कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आइए जानते हैं पितृपक्ष में किन चीजों का दान भूलकर भी नहीं करना चाहिए क्योंकि, इन चीजों का दान करने से आपको पितर आपसे नाराज हो सकते हैं और आपको पितृदोष का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में इन 5 चीजों का दान भूलकर भी न करें।

पितृ पक्ष में तेल का दान न करें

पितृ पक्ष में तेल का दान नहीं करना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में तेल का दान करने से आपके पितर आपसे नाराज हो सकते हैं। खासकर के सरसों के तेल का दान तो भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

पितृ पक्ष में पुराने कपड़े न करें दान

पितृ पक्ष में यदि आप कपड़े दान करना चाहते हैं तो याद रखें की दान में सिर्फ नए कपड़े ही दें। अपने पुराने और बेकार कपड़े किसी को भी दान में नहीं दें।साथ ही जूते चप्पल भी दान न करें। क्योंकि, इस तरह का दान करने से व्यक्ति पर राहु दोष और पितृदोष लगता है। जिससे आपकी तरक्की में बाधा पैदा हो सकती है।

पितृ पक्ष में बेकार और जूठा भोजन का न करें दान

पितृ पक्ष में अन्न का दान करना बहुत ही शुभ माना गया है। साथ ही शास्त्रों में भी कहा गया है कि अन्न दान महा दान होता है। पितृ पक्ष में यदि आप भोजन का दान करना ही चाहते हैं तो अच्छे भोजन का दान करें और किसी को भी अपना जूठा भोजन तो बिल्कुल भी न दें। पितृ पक्ष में अच्छा और शुद्ध भोजन किसी को करवाने से पितर खुश होते हैं।

पितृपक्ष में लोहे के बर्तन न करें दान

पितृपक्ष में कई लोग बर्तन का दान करते हैं लेकिन, इस बात का ख्याल रखें की आप लोहे के बर्तन का दान न करें। लोहे के बर्तन का दान करने से पितर आपसे नाराज हो सकते हैं और आप पर पितृदोष लग सकता है। इसलिए स्टील के बर्तन का ही दान करें।

पितृपक्ष में काले कपड़ों का दान न करें

पितृपक्ष के दौरान व्यक्ति को काले रंग के कपड़े किसी को भी दान नहीं देने चाहिए। पितृपक्ष में सफेद रंग के कपड़े व्यक्ति को दान में देने चाहिए। सफेद रंग के कपड़े दान करने से हमारे पूर्वज हमसे खुश होते हैं।

पितृपक्ष में इन शुभ मुहूर्त में करें खरीदारी पितर भी खुश होकर देंगे आशीर्वाद

पितृपक्ष में कोई भी नई वस्तु नहीं खरीदनी चाहिए। ऐसा दरअसल इसलिए कहा गया है कि पितृपक्ष की 16 दिन की अवधि पितरों का शांत मन से स्मरण करने का वक्त होता है। इन 16 दिनों में भौतिक सुविधाओं से दूर रहकर सिर्फ पितरों का नमन करना चाहिए। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि पितृपक्ष के बावजूद भी कुछ चीजों की खरीदारी करनी पड़ जाती है। इसलिए हम आपको बता रहे हैं उन शुभ मुहूर्तों के बारे में जिनमें आप पितृपक्ष में नई वस्तुएं खरीद सकते हैं। इससे आप नाराज नहीं बल्कि प्रसन्न होंगे और आपको सदैव सुखी और संपन्न रहने का आशीर्वाद देंगे। आइए जानते हैं कौन से हैं वे शुभ मुहूर्त जिनमें आप बिना किसी रोकटोक के कर सकते हैं खरीदारी।

पितृपक्ष के दौरान 8 अक्टूबर को रविपुष्य योग बन रहा है। पुष्य योग जब रविवार को बनता है तो इसे रविपुष्य योग कहा जाता है। ज्योतिष में रविपुष्य योग को बहुत ही शुभ माना जाता है और इस दिन कोई भी वस्तु खरीदकर लाने से उसमें कई गुना वृद्धि होती है। रविपुष्य योग में सोने-चांदी के आभूषण खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। इसलिए यदि पितृपक्ष के दौरान आपको सोने-चांदी की खरीद करनी है तो 8 अक्टूबर को बिना किसी रोकटोक के कर सकते हैं। आपके पूर्वज यह देखकर प्रसन्न होंगे और आपको उनका आशीर्वाद मिलेगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग, 1,3,4,8 अक्टूबर

पितृपक्ष में 1,3,4 और 8 अक्टूबर को सर्वार्थ सिद्धि योग जैसा शुभ योग बन रहा है। अगर आप कोई नई वस्तु खरीदना चाहते हैं या फिर कोई भी नया काम आरंभ करना चाहते हैं तो इन 4 दिनों में कर सकते हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग का संबंध मां लक्ष्मी से होता है और मान्यता के अनुसार इस दिन जो भी कार्य किया जाता है उसके पूर्ण सद्धि प्राप्त होता है। वह कार्य सफल होता है। इसलिए इन 4 दिनों में आप बिना संकोच किए शॉपिंग कर सकते हैं।

रवियोग, 4 अक्टूबर

पितृपक्ष की 16 दिन की अवधि में 4 अक्टूबर को रवि योग जैसा शुभ संयोग बना है। भगवान सूर्य की कृपा से इस शुभ योग में जो भी कार्य किया जाता है उससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। इसलिए रवि योग में आप पितृपक्ष के बावजूद भी दिल खोलकर खरीदारी कर सकते हैं। इस शुभ में खरीदी गई वस्तुओं में अक्षय वृद्धि होती है और आपको सूर्य देवता के साथ ही पितरों का शुभाशीष मिलता है।

इंदिरा एकादशी, 10 अक्टूबर

पितृपक्ष में पड़ने वाली एकादशी को इंदिरा एकादशी कहा जाता है और यह तिथि धार्मिक दृष्टि से बहुत शुभ मानी जाती है। इंदिरा एकादशी का संबंध भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी से होता है। इसलिए इस दिन किए जाने वाले शुभ कार्यों में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद शामिल होता है। आप जो भी वस्तु पितृपक्ष के दौरान खरीदना चाहते हैं उसे 10 अक्टूबर इंदिरा एकादशी के दिन खरीद सकते हैं।

वास्तुशास्त्र प्रकृति के नियमों पर आधारित विज्ञान

वास्तु के अनुसार बने भवन में रहता है तो उसके ग्रह निर्बल होने पर भी उसका जीवन सामान्य ढंग से शांतिपूर्वक चलता रहता है।

यदि आपको घर के बाहर रहने पर शांति तथा घर में घुसते ही अशांति महसूस हो तो समझ लेना चाहिए कि आपके घर में वास्तु दोष है।

वास्तु दोष के कारण घर में दरिद्रता, रोग, कलह व अशांति का वातावरण बराबर बना रहता है।

हमेशा मुख्य प्रवेश द्वार पर शुभ मांगलिक प्रतीक चिन्ह (जैसे त्रिषक्ति चिन्ह) लगाना चाहिए, इनमें मुसीबतों को बाहर रोके रखने की अद्भुत शक्ति होती है।

नए मकान में गृह प्रवेश पूर्ण शास्त्रोक्त (शास्त्र के अनुसार) विधि से शुभ मास में, शुभ मुहूर्त का चयन करके सामूहिक भोज के साथ किया जाए तो वह मकान सौभाग्य का दाता बन जाता है।

मंगल यंत्र की विधिवत पूजन के बाद भवन के दक्षिण दिशा में गाढ़ने से वास्तु दोष दबा रहता है।

मंगल यंत्र केवल तिकोने आकार का तांबे की प्लेट में उभरे अक्षरों से निर्मित होना ही विशेष फलप्रद होता है।

कारखाने के मुख्य द्वार के दोनों तरफ शुभ चिन्ह जैसे स्वास्तिक, ॐ लगाने से उन्नति, तरक्की होती है तथा व्यवसाय में नया आर्डर सरलता से मिलता है।

शयन कक्ष में पूजा घर कभी नहीं बनाना चाहिए, शयन कक्ष में देवी-देवताओं का चित्र लगाना दोष पूर्ण होता है।

जिस घर में असली दक्षिणावर्त शंख, पारद शिवलिंग, दक्षिणमुखी गणेश प्रतिमा, प्राण प्रतिष्ठत श्री यंत्र आदि है वहां पर सुख-शांति का वास होता है।

जिस घर में काली चीटियां समूहबद्ध होकर घूमती हो, वहां सुख-ऐश्वर्य में वृद्धि होती है।

परन्तु यदि लाल चीटियां इस प्रकार से घूमें तो यह किसी बड़े नुकसान अथवा कष्ट आने का संकेत हो सकता है।

पृथ्वी तत्व की वृद्धि के लिये नंगे पांव घास पर रोज चलना चाहिए, ऐसा करने से शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा जिससे आपका शरीर सुन्दर व मन स्वस्थ और सबल बनेगा। घर में शांति, आर्थिक उन्नति एवं सम्पन्नता के लिए रोज सुबह शाम गुगुल की धूप अवश्य जलाना चाहिए।

घर में कहीं भी झाड़ू को खड़ी करके नहीं रखना चाहिए। इसी प्रकार उसे न तो ऐसी जगह रखना चाहिए जहां उसे पैर लगे या उसे लांघा जाता हो।

झाड़ू का अपमान करने से बरकत समाप्त हो जाती है तथा धनागमन के स्रोतों में कमी आती है।

प्रतिदिन सुबह घर में झाड़ू अवश्य लगानी चाहिए। संध्या के वक्त, जब दोनों समय मिलते है घर में झाड़ू पोंछा इत्यादि कार्य नहीं करना चाहिए।

भवन में कुल द्वारों की संख्या सम होनी चाहए जैसे 2, 4, 6, 8 लेकिन 10 अथवा ऐसी संख्या जिसमें शून्य आता हो, 10, 19, 20, 28 इत्यादि की संख्या में द्वार नहीं होने चाहिए।

भवन में उत्तर तथा पूर्व का अधिक से अधिक भाग खुला छोड़ना धन समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

आर्थिक सम्पन्नता के लिए रसोईघर का पर्याप्त चौड़ा होना आवश्यक है।

श्राद्ध के दौरान करें तुलसी का ये उपाय, मिलेगा लाभ

पितृ पक्ष या श्राद्ध की शुरुआत इस बार 29 सितंबर से शुरु हो चकी है इसका समापन 14 अक्टूबर सर्व पितृ अमावस्या के दिन होगा। सर्व पितृ अमावस्या को महालया अमावस्या, पितृ अमावस्या एवं पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है तथा यही पितृ पक्ष का अंतिम दिन भी होता है।

इसके साथ ही पितृ पक्ष में तुलसी से जुड़े उपाय करना बेहद अच्छा माना जाता है। बस, ये ध्यान रखें कि एकादशी तथा रविवार के दिन ये उपाय भूलकर न करें। पितृ पक्ष के चलते तुलसी के गमले के पास एक कटोरी रख दे। यह कार्य घर का कोई भी सदस्य कर सकता है। तत्पश्चात, एक हथेली में गंगाजल लें तथा इसे आहिस्ता-आहिस्ता कटोरी में छोड़ दें। इसके चलते 5-7 बार पितरों का नाम लेना चाहिए। कटोरी में गंगाजल छोड़ने के बाद इस पानी को घर के हर कोने में छिड़का जा सकता है तथा फिर यह जल तुलसी में भी डाला जा सकता है।

कहा जाता है गंगाजल को घर में छिड़कने से सारी नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है। बस तुलसी के पौधे में रविवार एवं एकादशी के दिन पानी नहीं दिया जाता है। पितृ पक्ष में किया गया यह उपाय बहुत कारगर होता है। इसको करने से पिंडदान और दान करने जितना फल मिलता है। पितृ पक्ष में तुलसी में प्रतिदिन जल चढ़ाकर उसके बाद शाम को दीपक लगाना चाहिए तथा **देवी त्वं निर्मिता पूर्वमर्चितासि मुनीश्वरैः,नमो नमस्ते तुलसी पापं हर हरिप्रिये।। मंत्र का जाप करें।**

विवेक अग्निहोत्री पर लीगल एक्शन लेने के मूड में थरूर डायरेक्टर के बयान को बताया चीप पब्लिसिटी स्टंट

गुरुवार को रिलीज हुई फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विवेक ने कहा था कि कोरोना काल में कॉन्स्टिट्यूशनल पोस्ट पर बैठे गई लोगों ने विदेशी वैक्सीन का प्रमोशन करने के लिए रिश्वत ली थी। अब सुनने में आया है कि कांग्रेस एमपी शशि थरूर उनके खिलाफ लीगल एडवाइस लेने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी थरूर ने एक ट्वीट शेयर कर दी। उन्होंने विवेक के इस कमेंट को चीप पब्लिसिटी स्टंट बताया।

ट्वीट कर बोले- इस मामले पर लीगल एडवाइस ले रहा हूं

गुरुवार को शशि ने एक ट्वीट शेयर कर लिखा, 'यह यकीनन ही चीप पब्लिसिटी स्टंट है, पर चिंता करने वाली बात यह है कि एक ही झूठ को अगर बार-बार बोला जाए तो लोग उस पर यकीन करने लगते हैं। मैं इस मामले पर लीगल एडवाइस ले रहा हूं।'

जानिए, क्या है पूरा मामला?

इससे पहले एक इंटरव्यू में अग्निहोत्री ने कहा था कि लोग अगर फिल्म 'जवान' को प्रमोट करने के लिए पैसे ले रहे हैं तो इसमें गलत क्या है? यह बिजनेस का एक हिस्सा है। पर अगर हमारे चुने हुए प्रतिनिधि ही देश हित के विरोध में जाने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए रिश्वत लेंगे तो वो गलत होगा। इस दौरान जब इंटरव्यूअर ने डायरेक्टर से पूछा कि वो किसकी तरफ इशारा कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री भी हमारे चुने हुए प्रतिनिधि हैं और शशि थरूर भी।

विवेक ने और भी लगाए आरोप

विवेक यहीं नहीं रुके। उन्होंने और भी आरोप लगाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो रिश्वत लेने का आरोप लगा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि वो सिर्फ सच बोल रहे हैं। विवेक ने यह भी कहा कि उन्हें फिल्म में से कई चीजें हटाने के लिए भी फोर्स किया गया था। विवेक की फिल्म द वैक्सीन वॉर में नाना पाटेकर, अनुपम खेर और पल्लवी जोशी जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं।

नाक की सर्जरी से बिगड़ा था प्रियंका चोपड़ा का चेहरा

अनिल शर्मा बोले- वो रोते हुए मुझसे मिलने आई थीं, उन्हें कई फिल्मों से निकाला गया था

फिल्म 'गदर 2' के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने प्रियंका चोपड़ा के करियर पर बात की है। प्रियंका ने उनकी फिल्म 'द हीरोः लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई' में काम किया था। 2003 में रिलीज हुई ये फिल्म प्रियंका की पहली बॉलीवुड फिल्म थी। अनिल शर्मा ने एक इंटरव्यू में बताया कि प्रियंका फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने की कगार पर थीं क्योंकि उस दौरान उन्हें कई फिल्मों से निकाला जा चुका था। इसकी वजह प्रियंका चोपड़ा की प्लास्टिक सर्जरी थी। दरअसल, इस फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपनी नाक की सर्जरी करवा ली थी जिससे उनका करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो सकता था।

नाक की सर्जरी से बिगड़ा चेहरा

अनिल शर्मा ने बॉलीवुड ठिकाना से बातचीत में कहा, मैं आपको बताता हूं कि क्या हुआ था। प्रियंका के साथ एक बहुत बड़ी ट्रैजडी हुई थी। वो बेहतरीन दिखती थीं, मैं उन्हें फिल्म में साइन कर चुका था। मेरी वाइफ ने खुद एक मंदिर के बाहर उन्हें साइनिंग अमाउंट दिया था। फिर मैं फिल्म गदर की रिलीज के बाद अमेरिका और यूरोप चला गया। जब दो महीने बाद वापस लौटा तो देखा कि प्रियंका ने अपनी नाक की सर्जरी करवा ली है क्योंकि वो जूलिया रॉबर्ट्स की तरह दिखना चाहती थीं। मैंने अखबारों में यही पढ़ा। मैंने मन ही मन सोचा कि प्रियंका को ऐसा करने की क्या जरूरत थी, वो तो ऐसे ही सुंदर दिखती थीं।

प्रियंका का चेहरा देखकर दंग रह गया-अनिल शर्मा

अनिल शर्मा आगे बोले, कुछ दिनों बाद एक प्रोड्यूसर ने मुझे प्रियंका की सर्जरी के बाद वाली फोटो दिखाई। मैं बिल्कुल नहीं पहचान पाया और उससे पूछा-ये कौन सी हीरोइन है? उसने बताया-प्रियंका। मैं दंग रह गया। उनका चेहरा एकदम काला पड़ चुका था, मैंने सोचा प्रियंका ने अपने साथ ये क्या किया? अगले दिन मैंने प्रियंका को मिलने बुलाया। वो अपनी मम्मी के साथ मुझसे मिलने आईं। प्रियंका और उनकी मां रो रही थीं। उन्होंने मुझे ऑपरेशन के बारे में बताया जिससे प्रियंका की नाक पर निशान पड़ गया था। वो निशान आज भी है। प्रियंका ने बताया कि उन्हें ठीक होने में कुछ महीने लगेंगे जिसकी वजह से उन्हें कई प्रोजेक्ट्स से निकाल दिया गया है। अनिल शर्मा बोले-मैंने प्रियंका से पूछा-तुमने ऐसा क्यों किया? प्रियंका बोलीं कि उन्हें साइनस की दिक्कत थी जो उनके बर्दाश्त के बाहर हो चुकी थी। प्रियंका सर्जरी बिगड़ने से इतनी परेशान हो गई थीं कि उन्होंने वापस बरेली जाने का मन बना लिया था।

अनिल शर्मा ने दिया प्रियंका का साथ

अनिल शर्मा ने मुश्किल वक्त में प्रियंका का साथ दिया। उन्होंने एक वेटरन मेकअप आर्टिस्ट को कॉल किया जो कि यशराज फिल्म्स में काम करता था। उस मेकअप

आर्टिस्ट ने माधुरी दीक्षित और श्रीदेवी के साथ काम किया था। अनिल शर्मा बोले-जब वो आए तो मैंने उनसे प्रियंका को मिलवाते हुए कहा, दादा ये लड़की है, इसका क्या कर सकते हैं? उन्होंने कहा-मैं कुछ करता हूं। तीन दिन बाद हमने प्रियंका का स्क्रीन टेस्ट लिया। उन्हें एक शॉर्ट विग लगाई। जब स्क्रीन टेस्ट हो गया तो हमने कई लोगों को इसे दिखाया जिसमें सनी देओल भी शामिल थे। सबने स्क्रीन टेस्ट देखकर कहा कि प्रियंका बेहद खूबसूरत हैं। फिर मैंने प्रियंका के साथ फिल्म 'द हीरोः स्टोरी ऑफ स्पाई' की शूटिंग की।अनिल शर्मा ने प्रियंका की तारीफ करते हुए कहा कि वो उनकी जर्नी की बहुत इज्जत करते हैं। हाल ही में 'गदर 2' की सक्सेस के बाद प्रियंका ने अनिल शर्मा को सोशल मीडिया पर बधाई भी दी थी।

'सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन चेयरमैन कभी ऑफिस नहीं आते'

पहलाज निहलानी बोले- सीईओ भी भ्रष्टाचार में लिप्त; सरकार एक्शन को तैयार, अधिकारी को मुंबई भेजा

तमिल एक्टर विशाल ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन मुंबई के अफसरों पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया। उनके इस स्टेटमेंट से इंडस्ट्री में हर कोई स्तब्ध है। सेंसर बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पहलाज निहलानी ने कहा कि आज के वक्त में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन में बड़े पैमाने पर करप्शन हो रहा है। यह सब बोर्ड के सीईओ रविंद्र भाकर के संज्ञान में हो रहा है। पहलाज ने कहा कि सेंसर बोर्ड के वर्तमान चेयरमैन प्रसून जोशी कभी ऑफिस नहीं जाते। वो घर पर फाइलें मंगाकर चेक करते हैं।

पूरा मामला तमिल एक्टर विशाल की फिल्म मार्क एंटनी से संबंधित है। उनका आरोप है कि इसी फिल्म के हिंदी वर्जन को सेंसर से पास करवाने के लिए उन्हें मुंबई में बैठे अधिकारियों को 6.5 लाख रुपए की रिश्वत देनी पड़ी। हमने इस संबंध में ज्यादा और सटीक जानकारी लेने के लिए सेंसर बोर्ड के पूर्व चेयरमैन सहित, दो प्रोड्यूसर्स-डायरेक्टर से भी बात की है। हमने सेंसर बोर्ड के चेयरमैन प्रसून जोशी, सीईओ रविंद्र भाकर और मुंबई सेंसर बोर्ड के रीजनल ऑफिसर महेश पाटिल से इस संबंध में सफाई लेनी चाही, लेकिन अब तक उनका जवाब नहीं आया है।

अब इस मामले में सरकार भी पूरी तरह एक्शन में आ गई है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने केस की जांच के लिए अपने एक अधिकारी को मुंबई भेजा है।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन चुकी है- पहलाज निहलानी

सेंसर बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पहलाज निहलानी ने दैनिक भास्कर से एक्सक्लूसिवली कहा, 'प्रसून जोशी और रविंद्र भाकर के नाक के नीचे सब हो रहा है। इसकी जांच के लिए एक एंटी करप्शन कमेटी बनाई जानी चाहिए।

ऊपर से लेकर नीचे तक हर कोई बिका हुआ है। ऐसे एक नहीं बहुत सारे मामले हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन चुकी है। अधिकारियों को पैसे लेने की आदत हो गई है। वे सोचते हैं कि फिल्मस्टार्स इतने पैसे कमाते हैं, अगर थोड़ा बहुत उन्हें मिल गया तो क्या हो गया। वो जानते हैं कि बिना उनके सिग्नेचर से कोई भी फिल्म रिलीज नहीं होगी।'

विशाल जैसे बड़े एक्टर के साथ ऐसा हुआ, छोटे प्रोड्यूसर्स की क्या हालत होगी

निहलानी ने आगे कहा, 'एक और कन्नड़ फिल्म के साथ ऐसा हो चुका है। मैंने इसके बारे में सीईओ रविंद्र भाकर को रिपोर्ट भी किया था।

हालांकि अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया है। सरकार को इस मामले में तुरंत दखल देना चाहिए और पूरी बॉडी बदलनी चाहिए। विशाल एक बड़े एक्टर हैं, जब उनके साथ खुलेआम ऐसा हो रहा है तो छोटे प्रोड्यूसर्स की क्या हालत होती होगी।'

प्रसून जोशी को इस्तीफा देना चाहिए

पहलाज निहलानी ने कहा, 'जब घर का बड़ा ही घर पर नहीं होगा तो ऐसी बातें तो सामने आएंगी ही। प्रसून जोशी कभी ऑफिस नहीं आते। इसकी वजह से बोर्ड के अधिकारी निरंकुश हो गए हैं। प्रसून जोशी इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं। उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। ये लोग प्रोड्यूसर्स का शोषण करते हैं। मैंने इस ऑफिस में पानी भी अपने पैसे से पिया है। मुझ पर अगर प्रेशर होता था तो मैं सीधे रिजाइन देने को तैयार हो

जाता था। मैं अपने ऑफिस में किसी बाहरी का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करता था।'

सूचना प्रसारण मंत्रालय ने कहा- दोषियों को सजा मिलेगी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने मामले को संज्ञान में लिया है। मंत्रालय की तरफ से कहा गया, 'भ्रष्टाचार के मामले में सरकार की पॉलिसी स्पष्ट है। इसमें दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई होगी। इस केस की जांच के लिए एक आला अधिकारी को मुंबई भेज दिया गया है। अगर आप भी सेंसर बोर्ड की वजह से प्रताड़ित हुए हैं या जिस किसी के साथ ऐसी घटनाएं हुई हैं, वो हमें सूचित कर सकता है।' इसके अलावा इंडियन फिल्म एंड टीवी डायरेक्टर्स एसोसिएशन ने भी इस मामले की सीबीआई जांच करने की मांग की है।

फिल्म पास कराने में घर-द्वार सब बिक गया- प्रोड्यूसर अतुल पांडे

एक और प्रोड्यूसर अतुल पांडे का कहना है कि सेंसर बोर्ड के अधिकारियों ने उनके साथ भी बहुत गलत किया। उनके दो करोड़ रुपए डूब गए। अतुल ने कहा, 'मैंने एक फिल्म मनी देवो भवः बनाई थी। सेंसर बोर्ड वाले मेरी इस फिल्म को A सर्टिफिकेट दे रहे थे। बल्कि उस फिल्म में ऐसा कुछ नहीं था कि जिसके तौर पर उसे A सर्टिफिकेट दिया जाए। 2013 में मेरी फिल्म बन गई थी, लेकिन उसे सर्टिफिकेट मिलने में दो साल लग गए। इन दो सालों में मेरा सब कुछ बिक गया। मेरे हाथ में सिर्फ 15 हजार रुपए बचे थे। फिल्म बनाने में दो करोड़ रुपए लगे थे, उसका ब्याज बढ़कर 6.5 करोड़ हो गया था।'

अतुल ने आगे कहा, 'सेंसर बोर्ड के अंदर दलालों का दबदबा है। बोर्ड के पास जो भी फिल्में पहुंचती हैं, उन्हें तुरंत पता चल जाता है। वे प्रोड्यूसर्स को कॉन्टैक्ट करने लगते हैं। वे पैसा लेकर गंदी फिल्मों को पास करा देते हैं, बेचारे छोटे प्रोड्यूसर्स की फिल्में रह जाती हैं। बिना दलालों के वहां एक भी फिल्म पास नहीं हो सकती है।'

सेंसर बोर्ड का रवैया सही नहीं- डायरेक्टर अमित राय

हमने कुछ महीने पहले अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी-2 और सेंसर बोर्ड के बीच भी विवाद देखा। बोर्ड ने कई हफ्तों तक फिल्म को अपने पास लटकाए रखा। बाद में इसे कई कट्स के साथ ए सर्टिफिकेट देकर पास किया।

यह फिल्म चूंकि सेक्स एजुकेशन जैसे सेंसिटिव मुद्दे पर बेस्ड थी, इसलिए मेकर्स चाहते थे कि 13 से 18 साल वाले बच्चे भी इसे देखें। हालांकि, ए सर्टिफिकेट मिलने से ऐसा संभव नहीं हो पाया। फिल्म के डायरेक्टर अमित राय काफी नाखुश थे। हमने उनसे भी संपर्क साधने की कोशिश की। हम यह जानना चाहते थे कि उनके और सेंसर बोर्ड के बीच क्या बातचीत हुई थी।

अमित ने कहा, 'सेंसर बोर्ड के व्यवहार से मैं काफी दुखी हूं, इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि भ्रष्टाचार जैसे मामले में मैं कुछ नहीं कह सकता। हां, यह जरूर है कि मैंने दूसरों की गलतियों का खामियाजा भुगता है। पिछली कुछ फिल्में आईं जिस पर काफी विवाद हो गया था। सेंसर बोर्ड ने उसकी वजह से हमारी फिल्म पर कैंची चला दी। वो डरे हुए थे कि कहीं पब्लिक उनके कपड़े न फाड़ दे।'

सेंसर बोर्ड से लड़ने में हमारा ही नुकसान

अमित ने आगे कहा, 'सेंसर बोर्ड में शोषण तो होता है। वो अगर कहेंगे कि हम आपकी फिल्म को पास नहीं करेंगे या काट-छांट कर देंगे तो आप क्या कर लेंगे। हम उनसे लड़ तो नहीं सकते। कोर्ट जाने में हमारा ही नुकसान है। अगर भ्रष्टाचार जैसे मामले आ रहे हैं तो ऊपर बैठे लोगों को जरूर इस बारे में विचार करना चाहिए। भ्रष्टाचार के मामले आना काफी दुखद है।'

अब पूरा मामला समझिए

विशाल ने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के मुंबई ऑफिस में बैठे अफसरों ने उनकी लेटेस्ट फिल्म 'मार्क एंटनी' के हिंदी वर्जन का सेंसर सर्टिफिकेट पास करने के लिए 6.5 लाख रुपए रिश्वत की मांग की।

विशाल ने कहा कि उनके पास इसके अलावा कोई और ऑप्शन नहीं था, क्योंकि इस फिल्म पर काफी कुछ दांव पर लगा है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी फिल्म मार्क एंटनी के हिंदी वर्जन के लिए दो ट्रांजैक्शन में 6.5 लाख रुपए देने पड़े। इसमें से 3 लाख रुपए मैंने फिल्म की स्क्रीनिंग और साढ़े 3 लाख रुपए सर्टिफिकेट के लिए दिए।'

शाहरुख ने विराट कोहली को कहा दामाद : बोले-मैं हमेशा उनकी सलामती की दुआ करता हूं, वर्ल्ड कप के लिए 'ऑल द बेस्ट'

शाहरुख खान ने 27 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर आस्क मी सेशन किया। इस दौरान उन्होंने फैन के एक सवाल के जवाब में विराट कोहली को अपना दामाद कह दिया।

एक फैन ने शाहरुख से पूछा, सर जवान स्टाइल में विराट कोहली के बारे में कुछ कहिए। शाहरुख ने कहा, मुझे विराट कोहली बेहद पसंद हैं। मैं हमेशा उनकी सलामती की दुआ करता हूं। भाई दामाद जैसा है हमारा।

एक और फैन ने शाहरुख से कहा, सर वर्ल्ड कप के लिए ऑल द बेस्ट बोल दो। शाहरुख ने लिखा, इंडिया...इंडिया...ऑल द बेस्ट टीम...वर्ल्ड कप बेहतरीन हो।

विराट की पत्नी अनुष्का ने शाहरुख के अपोजिट फिल्म 'रब दे बना दी जोड़ी' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वो शाहरुख के साथ 'जब हैरी मेट सेजल' और 'जीरो' जैसी फिल्मों में भी दिखी हैं।

फैंस के सवालों के दिए फनी जवाब

इस आस्क मी सेशन में शाहरुख ने और भी सवालों के दिलचस्प जवाब दिए। एक फैन ने उनसे पूछा, डंकी की रिलीज डेट फिक्स है न? SRK ने लिखा, डंकी फिक्स्ड ही है। और क्या करूं, माथे पर गुदवा लूं!

एक फैन ने लिखा, सर 1000 करोड़ में 10 जीरो होते हैं। शाहरुख बोले, यार जीरो-जीरो याद मत दिलाओ अभी। दरअसल, 2018 में रिलीज हुई फिल्म जीरो फ्लॉप साबित हुई थी जिसके पांच साल बाद फिल्म पठान से 2023 में शाहरुख ने कमबैक किया था। इसके बाद जवान भी ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

शाहरुख से एक फैन ने गुजारिश करते हुए लिखा, सर मुझे मेरी GF से शादी करनी है, उनके घर आप मेर रिश्ता लेकर जाओगे प्लीज।शाहरुख ने मजेदार जवाब देते हुए लिखा, भाई तेरी मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। मैं गया तो पत्ता साफ।

1000 करोड़ के पार पहुंची जवान

7 सितंबर को शाहरुख स्टारर जवान ने 1004 करोड़ रु. का ग्लोबल कलेक्शन कर लिया है। फेस्टिव सीजन को और भुनाने के लिए मेकर्स ने फिल्म के एक टिकट पर दूसरा टिकट फ्री कर दिया है। इस साल शाहरुख की दूसरी फिल्म 1000 करोड़ के क्लब में पहुंची है। अब शाहरुख क्रिसमस के मौके पर 22 दिसंबर को फिल्म डंकी में नजर आएंगे। इसके डायरेक्टर राजकुमार हिरानी हैं। फिल्म में शाहरुख के अपोजिट तापसी पन्नू दिखेंगी।

'डंकी' तकरीबन 100 करोड़ और 'सालार' लगभग 250-300 करोड़ की लागत में बनाई गई है।

सालार से क्लैश होगी डंकी

22 दिसंबर,2023 को ही प्रभास स्टारर फिल्म सालार रिलीज होगी। एक्सपर्ट्स की मानें तो एक साथ 2 बड़ी फिल्मों को रिलीज करके प्रोड्यूसर्स सही नहीं कर रहे हैं। क्लैश होने की वजह से करोड़ों का नुकसान तो होगा ही साथ ही फैंस के बीच लड़ाई-झगड़े का माहौल भी बन सकता है।

मॉर्फ्ड तस्वीरों के कारण बना था जान्हवी कपूर का मजाक

जान्हवी बोलीं- 10 साल की थी, जब एडल्ट साइट पर अपनी फोटो देखी थी

जान्हवी कपूर ने हाल ही में बताया कि जब वह 10 साल की थीं, तब उन्होंने पहली बार अपनी मॉर्फ्ड तस्वीर देखी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी वह फोटो पैपराजी ने क्लिक की थी। हालांकि, बाद में किसी ने उस फोटो के साथ छेड़खानी कर उसे बदल दिया। जान्हवी ने बताया उन्होंने उस फोटो को याहू के होमपेज पर देखा था। एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी ने बताया कि पहली बार अश्लील वेब साइट्स पर अपनी मॉर्फ्ड फोटोज देखकर उन्हें झटका लगा था। इस फोटो को लेकर स्कूल में उनका बहुत मजाक भी बनाया गया था। जान्हवी ने कहा- 'कैमरा हमेशा मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है। हमारे बचपन में जब भी हम बाहर जाते थे, लोग बिना हमारी परमिशन के हमारी फोटोज लेने लगते थे। मैं 10 साल की थी, जब पहली बार मेरी एक फोटो वायरल हो गई थी। मैं जब अपने स्कूल के लैब में पहुंची, तो देखा कि मेरे क्लासमेट की कंप्यूटर स्क्रीन पर मेरी पैपराजी फोटोज दिख रही थीं।'

उन फोटोज ने पॉपुलर नहीं बनाया, बल्कि मेरा मजाक बनाः जान्हवी

जान्हवी ने बताया कि वह फोटोज बहुत ही अजीब थीं। बिना मेकअप वाली तस्वीरों के साथ यह अनाउंसमेंट की गई थी कि जान्हवी को फिल्म इंडस्ट्री में लॉन्च किया जा रहा है। एक्ट्रेस ने कहा- 'उन फोटोज ने मुझे पॉपुलर तो नहीं बनाया, लेकिन स्कूल में सभी बच्चों ने मेरा मजाक जरूर बनाया। समय के साथ उन्होंने मुझे नापसंद करना शुरू कर दिया। मुझे तब समझ नहीं आता था कि यह मेरे साथ क्या हो रहा है। मेरे दोस्त मुझे अलग नजरिए से देखते थे।

मॉर्फ्ड तस्वीरों पर जान्हवी ने जताई चिंता

उन्होंने कहा- 'आज की टेक्नोलॉजी और एआई के दौर में तस्वीरों के साथ छेड़खानी और बढ़ गई है। जब लोग इन मॉर्फ्ड तस्वीरों को देखते हैं, तो उन्हें सच मान लेते हैं। इस बात को लेकर मुझे बहुत चिंता होती है। जान्हवी ने आगे कहा- 'मुझे बहुत कम उम्र से ही बहुत सारे लोगों के ताने और उनकी बातें सुननी पड़ी। जब मैं बहुत छोटी उम्र में ही अपनी मर्जी से फिल्म इंडस्ट्री में आई तो लोगों ने इस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा- 'मेरे टीचर्स ने भी आगे चलकर मेरे प्रति अपना रवैया बदल दिया। मेरे आस-पास ऐसे कई लोग थे, जिन्होंने कहा कि मुझे काम करने की जरूरत नहीं है क्योंकि मैं एक फेमस एक्ट्रेस की बेटी हूं। इस कारण मुझे अक्सर बहुत से ताने सुनने पड़ते थे। हालांकि, उस उम्र में मुझे इन बातों की समझ नहीं थी।'

बीजेपी का ममता बनर्जी पर करारा वार

पश्चिम बंगाल में महिला के साथ क्रूरता की घटना पर उठाए सवाल

कोलकाता, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बीते दिन पश्चिम बंगाल उत्तरी 24 परगना जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई। जिसमें एक अज्ञात महिला का आंशिक रूप से जला हुआ शव बरामद हुआ। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना को लेकर बीजेपी आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला किया है। उन्होंने राज्य में महिला के खिलाफ इस तरह की क्रूरता पर ममता बनर्जी के चुप्पी साधने पर भी सवाल किया है।

पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था को लेकर ममता बनर्जी को घेरा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर घटना का वीडियो शेयर करते हुए अमित मालवीय ने लिखा, यह पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति है। उत्तर 24-परगना में भारत-बांग्लादेश सीमा के करीब एक बगीचे से खून से लथपथ एक युवती का बंधा हुआ शव मिला, उसका गला कटा हुआ था और उसका चेहरा इतना जला हुआ था कि उसे पहचाना नहीं जा सका। लेकिन ममता बनर्जी इस पर एक शब्द भी नहीं बोलेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर महिला तस्करी में शामिल टीएमसी द्वारा संरक्षित अपराधी इस घटना के पीछे हों तो यह आश्चर्य की बात नहीं होगी। लेकिन तब इसे दुखद मौत कहकर चुपचाप दफना दिया जाएगा।

राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन पर भी हमला

इस खौफनाक घटना के लेकर बीजेपी के अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोला। उन्होंने अपने ट्वीट में सवाल किया कि क्या राजनीतिक रूप से जरूरी पड़ने पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले राहुल गांधी पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रहने के लिए ममता बनर्जी की आलोचना करेंगे या फिर इंडिया गठबंधन की मजबूरी आड़े आएगी? घटना का रूह कंपा देने वाला वीडियो आया सामने अमित मालवीय ने अपने इस पोस्ट में अज्ञात महिला का जले हुए अवस्था में वीडियों भी शेयर किया है। जिसमें उसके हाथ घुटनों के पीछे बंधे हुए हैं। महिला का चेहरा कपड़े से ढका हुआ लग रहा था और जले हुए कपड़े से धुआं निकल रहा था। उसका चेहरा इतना जला हुआ था कि उसे पहचाना नहीं जा सका। यह वीडियो परेशान करने वाला है। इसलिए हम आपको वीडियो नहीं दिखा रहे हैं।

विवाहिता के साथ पति ने किया अप्राकृतिक यौन शोषण, ससुरालियों ने पीटा

जींद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जींद में विवाहित के साथ ससुराल के लोगों ने मारपीट की तो पति ने उसके साथ अप्राकृतिक यौन शोषण किया। इससे महिला को शारीरिक और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति समेत ससुराल के 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में जींद के एक गाव की महिला ने बताया कि उसकी शादी आठ माह पहले जींद के ही साथ लगते गांव निवासी प्रशांत के साथ हुई थी। शादी में हैसियत से बढक़र दान दहेज दिया गया था। शादी के कुछ दिन बाद ही उसके ससुराल के लोग उसे दहेज के लिए तंग करने लगे। उसकी सास चंद्रकांता, ससुर फूल सिंह, ननद मीनू, ज्योति, सोनिया, देवर अजय, दिल्ली निवासी रिश्तेदार विरेंद्र, रोहित, राममेहर आदि ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया

असम में नाबालिग की हत्या कर शव के साथ तीन लोगों ने किया दुष्कर्म, मास्टरमाइंड रेलवे कर्मचारी गिरफ्तार

करीमगंज, 29 सितंबर (एजेंसियां)। असम के करीमगंज जिले में हत्या करने के बाद शव के साथ जघन्य कृत्य करने का मामला सामने आया है। असम पुलिस ने गुरुवार को करीमगंज में एक नाबालिग लड़की की गला घोंटकर हत्या करने और फिर शव के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों में से एक रेलवे कर्मचारी है। नाबालिग का शव 9 सितंबर को करीमगंज टाउन बाईपास के पास मिला था। उसी दिन नाबालिग की हत्या कर दी गई थी। करीमगंज जिले के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने कहा, यह घटना 9 सितंबर को रात करीब 11 बजे हुई। तीनों आरोपी जबरदस्ती नाबालिग पीड़िता के घर में घुस गए और उसकी हत्या कर दी। बाद में उसके शरीर के साथ उन्होंने यौन संबंध बनाए। पार्थ प्रतिम दास ने कहा, 9 सितंबर को मेडल पार्ट-1 से घटना की सूचना मिली थी, जहां एक नाबालिग लड़की का शव उसके घर के अंदर पाया गया। घटना के वक्त उसके माता-पिता घर पर नहीं थे। नाबालिग के शव का सिलचर मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम किया गया। इसके आधार पर पुलिस ने धारा 376 (ए) के तहत एक केस दर्ज किया है। इसके साथ ही आरोपियों के ऊपर आईपीसी, पॉक्सो एक्ट लगाया गया है। जांच के दौरान, पुलिस को मृत लड़की की नोटबुक में एक मोबाइल नंबर मिला है। नोटबुक ने मिली जानकारी के मुताबिक बिप्लब पॉल, शुभ्रा मालाकार और राहुल दास नाम के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान राहुल दास ने खुलासा किया कि उसने पीड़ित लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की थी। राहुल इस नापाक इरादे में सफल नहीं हो सका क्योंकि लड़की ने इसका विरोध किया था। करीमगंज जिले के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने कहा, गिरफ्तार किए गए तीन लोगों ने 9 सितंबर को लड़की के घर के अंदर जाने की साजिश रची और उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की।

25 करोड़ की सबसे बड़ी चोरी के मामले में छत्तीसगढ़ से दो को पकड़ा

25 किलो सोना बरामद

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस ने शातिर चोर लोकेश श्रीवास और उसके साथी शिवा चंद्रवंशी को 25 किलो सोने के साथ पकड़ा है। पुलिस को लोकेश श्रीवास के पास से 25 किलो सोना के अलावा नगदी और अन्य जेवरात भी बरामद हुए हैं। दुर्ग पुलिस ने लोकेश को कोहका से हिरासत में लिया है। आरोपी लोकेश ने पूछताछ में बताया कि वह दिल्ली के जंगपुरा इलाके में ज्वेलरी शोरूम में करीब 20 घंटे तक रहा था। बताया जाता है कि चोरी का यह संपूर्ण माल दिल्ली में हुई चोरी का है। लोकेश की बिलासपुर एवं राजनांदगांव पुलिस को भी तलाश थी। इसके पूर्व भी लोकेश श्रीवास को दुर्ग पुलिस ने आकाशगंगा में पारख ज्वेलर्स में हुई चोरी के मामले में शत प्रतिशत माल के साथ गिरफ्तार करने में सफलता पाई थी। फिलहाल दुर्ग पुलिस लोकेश श्रीवास से अन्य मामले की पूछताछ कर रही है। आरोपी लोकेश ने वर्ष 2021 में दुर्ग छत्तीसगढ़ से 40 किलो सोना चुराया था।

इस मामले में मध्य प्रदेश पुलिस लोकेश व उसके साथी की तलाश कर रही थी। मध्य प्रदेश पुलिस ने लोकेश के साथी को गिरफ्तार कर लिया था और उसके साथी ने बताया था कि लोकेश दिल्ली में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देने गया है। इसके बाद मध्य प्रदेश पुलिस ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी थी। आरोपी लोकेश व उसका साथी आंध्र प्रदेश में भी चोरी की बड़ी वारदात करके कर आए थे। आंध्र प्रदेश पुलिस मध्य प्रदेश पहुंची थी। इसके बाद इन दोनों के बारे में खुलासा हुआ था।

'मुझे रोक सको, तो रोक लो'

ईडी के नोटिस पर अभिषेक बनर्जी ने दे दी बड़ी चुनौती,क्या है मामला

कोलकाता, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य के चर्चित शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हालिया नोटिस पर इस बात के संकेत दिए हैं कि वह पूछताछ में शामिल नहीं होंगे. एक दिन पहले गुरुवार (28 सितंबर) ईडी ने उन्हें नोटिस भेज कर कोलकाता के सीजीओ कांप्लेक्स स्थित केंद्रीय एजेंसी के क्षेत्रीय मुख्यालय में पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा था. इस पर शुक्रवार (29 सितंबर) को अभिषेक ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पहले (ट्विटर) पर एक महत्वपूर्ण पोस्ट किया. उन्होंने लिखा, पश्चिम बंगाल के जायज अधिकारों से वंचित करने की लड़ाई किसी भी बाधा के बावजूद जारी रहेगी. धरती पर ऐसी कोई ताकत नहीं है जो राज्य के लोगों और उनके मौलिक अधिकारों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता की लड़ाई का रुख मोड़ सके. मैं 2 और 3 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन में शामिल रहूंगा. अगर रोक सकते हो तो रोक लो.

ईडी ने भेजा है नोटिस

अभिषेक राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद हैं. एक दिन पहले गुरुवार को ईडी की नोटिस को शाम के समय खुद ही अभिषेक ने एक्स पर डाला था और कहा था कि इसके पहले जब इंडिया गठबंधन की बैठक होनी थी तब ईडी ने नोटिस दिया था. अब जब दिल्ली में पार्टी का विरोध प्रदर्शन होना है तब उसी दिन मुझे सीजीओ कंपलेक्स में पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है. यह बताता है कि वे (बीजेपी) किस तरह से डरे हुए हैं.

3 अक्टूबर पर क्यों है तकरार?

न उस दिन पश्चिम बंगाल सरकार को फंड जारी करने के लिए केंद्र सरकार की अनिच्छा के खिलाफ जंतर-मंतर पर टीएमसी के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व अभिषेक करने वाले हैं. इसके लिए वह नई दिल्ली में रहेंगे. ईडी ने अभिषेक बनर्जी को एक कॉर्पोरेट इकाई (लिप्स एंड बाउंड्स कंपनी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में तलब किया है, जिसका नाम स्कूल नौकरी मामले की जांच के संबंध में सामने आया है.

इसके पहले इस महीने (सितंबर) की 13 तारीख को दिल्ली में 'इंडिया' गठबंधन की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक के दिन भी ईडी ने अभिषेक को तलब किया था. इस बारे में उन्होंने गुरुवार को लिखा, "इस महीने की शुरुआत में ईडी ने मुझे दिल्ली में इंडिया की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक के दिन बुलाया था. मैंने सम्मन का सम्मान किया से उपस्थित हुआ अब, आज एक बार फिर उन्होंने मुझे उस दिन उनके सामने उपस्थित होने के लिए एक और समन भेजा है जब पश्चिम बंगाल के बकाए के लिए 3 अक्टूबर को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन होना है.

दिल्ली में केंद्र के खिलाफ बड़े प्रदर्शन की तैयारी

आपको बता दें कि 2 अक्टूबर से दिल्ली के जंतर मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस का व्यापक विरोध प्रदर्शन होना है. इसमें शामिल होने के लिए बंगाल से हजारों मनरेगा मजदूर जाएंगे, जिनके फंड का भुगतान नहीं किया गया है. इसके लिए पार्टी ने विशेष ट्रेन बुक की है. दिल्ली में 3 अक्टूबर को तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर इस मामले पर पत्र भी सौंपने वाला है. दावा है कि मनरेगा के क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार की वजह से केंद्र ने फंड रोक रखा है. इसके खिलाफ विरोध कार्यक्रम की घोषणा 21 जुलाई शहीद दिवस के मंच से अभिषेक बनर्जी ने की थी.

मराठी होने की वजह से पंकजा मुंडे को मुंबई में नहीं मिला घर

बीजेपी नेता ने किया बड़ा दावा

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुकीं पंकजा मुंडे ने दावा किया है कि मराठी होने की वजह से मुंबई में उन्हें भी घर नहीं मिला था। मुंडे ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा करते हुए दावा किया है कि सरकारी घर छोड़ने के बाद जब वह मुंबई में घर तलाश रही थीं तब उन्हें भी इसी तरह भेदभाव का सामना करना पड़ा था। बीजेपी नेता ने कहा कि मराठी होने की वजह से कई जगहों पर उन्हें घर नहीं मिला। बता दें कि हाल ही में खबर आई थी कि एक महिला को मराठी होने की वजह से किराए पर घर देने से इनकार कर दिया गया था। पंकजा मुंडे ने इंस्टाग्राम पर कहा, 'सोशल मीडिया पर एक मराठी महिला को मैंने सुना कि उसे घर नहीं मिल रहा है। उस महिला को रोते देखते हुए मुझे बहुत पीड़ा हुई क्योंकि यही अनुभव मुझे भी आया था जब मैं अपना सरकारी घर छोड़ा था। तब कई जगहों पर मैंने घर तलाशा लेकिन मुझे घर नहीं दिया गया। कहा गया कि हम मराठी लोगों को घर नहीं देते हैं। मुंबई जैसे शहर में सभी भाषाओं के लोग रहते हैं, यही मुंबई का सौंदर्य है। लेकिन किसी को घर न मिलाना, मेरे जैसे व्यक्ति के साथ इस तरह का व्यवहार होना या बेहद दुखद है। देश के किसी भी राज्य में दूसरे राज्य के लोगों को, दूसरी जाति के लोगों को घर देने में आखिर परमिशन क्यों चाहिए?' बता दें कि तृप्ति देवरुखकर नाम की एक मराठी महिला अपने पति के साथ एक सोसाइटी में घर देखने गई थी। उन्हें मूलुंड स्थित शिवसदन नाम की इमारत में घर किराए पर लेना था, लेकिन सोसाइटी के सेक्रेटरी ने उनसे कहा कि यहां मराठी लोगों को घर नहीं दिया जाता। महिला के मुताबिक, बुजुर्ग द्वारा ऐसी बात कहने पर वह वहां से निकलने लगी लेकिन वह शख्स पीछे से आकर उनपर चिल्लाने लगा और गालियां देने लगा।

यह सिर्फ 37 दलों का गठबंधन नहीं'

शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट का भाजपा पर हमला; उज्जैन कांड पर भी घेरा

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला। उसने कहा कि वह सिर्फ 37 दलों का गठबंधन नहीं है। तीन और संस्थान भाजपा की सेवा में लग गई हैं। इसके अलावा उज्जैन कांड को लेकर भी सरकार को घेरा।

उन्होंने कहा कि इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

दरअसल, उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी पत्रकारों के सवाल का जबाव दे रही थी। पत्रकारों ने पूछा था कि सीबीआई द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के निर्माण और नवीनीकरण में कथित अनियमितताओं की प्रारंभिक जांच दर्ज करने पर उनका क्या कहना है?

भाजपा के चुनावी टूल

इस पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि इनका सिर्फ 37 दलों का गठबंधन नहीं है, इनके साथ तीन और संस्थान हैं। ईडी, सीबीआई और आईटी कुछ महत्वपूर्ण स्वतंत्र एजेंसियां थीं, जो आज भाजपा की सेवा में लग गई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के चुनावी टूलकिट में ये तीन एजेंसियां हैं। अगर विपक्ष का कोई नेता अपनी आवाज उठाता है, तो वह उसे बेबुनियाद आरोप में फंसा देते हैं। शिवसेना सांसद ने कहा कि यह लोग विपक्ष के नेता पर कुछ भी आरोप लगा देते हैं, जो सिद्ध भी नहीं हो सकते। आरोप लगाने के बाद कानूनी प्रक्रिया शुरू कर देते हैं। यह कुछ नही है। पहले ईडी फिर सीबीआई। यह बस चुनावी टूल हैं। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट तौर पर कहती हूं कि अगले साल जब हमारी सरकार आएगी तब हम दोबारा इन एजेंसियों को स्वतंत्र करेंगे।

इंसानियत हो रही खत्म

उन्होंने उज्जैन में नाबालिग के दुष्कर्म पर कहा कि यह मामला सिर्फ दुष्कर्म का नहीं है। यह मामला जिस तरह से इंसानियत खत्म हो रही है लोगों में वो दिखाता है। 12 साल की बच्ची दो घंटे तक मदद मांगती, लेकिन कोई आगे मदद नहीं करता है। उन्होंने कहा कि कुछ मंदिर के पुजारी बच्ची की मदद करते है। यह दिखाता है कि हम इतने असंवेदनशील और अमानवीय हो गए हैं कि हम एक छोटी लड़की की मदद के लिए आगे नहीं आ रहे हैं, जिसके साथ क्रूर अपराध हुआ है। उन्होंने कहा कि मामला फास्टट्रैक कोर्ट में जाना चाहिए। आरोपियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

दिल्ली की युवती प्रेमी के साथ कर रही थी देह व्यापार, अमीर बनने के चक्कर में ऐसे शुरू किया काला धंधा

हरिद्वार, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मानव तस्करी निरोधक दस्ता (एएचटीयू) और ज्वालापुर पुलिस टीम ने देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़ किया। दिल्ली की युवती और दिल्ली के ही दो युवकों को गिरफ्तार कर कब्जे से बैग, आपत्तिजनक वस्तु और 4200 रुपये की नकदी, दो मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने होटलों और अन्य स्थानों पर संदिग्ध गतिविधियां होने की शिकायतें मिलने पर मानव तस्करी निरोधक दस्ता व पुलिस टीम को चेकिंग के निर्देश दिए थे।

गुजरात पुलिस को बड़ी कामयाबी, कच्छ में 800 करोड़ रुपए की 80 किलो कोकीन पकड़ी

अहमदाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस को ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। एक अधिकारी ने बताया है कि पुलिस ने गुरुवार (28 सितंबर) को गुजरात के कच्छ जिले में गांधीधाम के पास एक नदी के किनारे छिपाकर रखी गई लगभग 800 करोड़ रुपये की 80 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। अधिकारियों के अनुसार, अवैध मादक पदार्थ 80 पैकेजों में पाया गया, प्रत्येक का वजन एक किलोग्राम था। कच्छ-पूर्व डिवीजन के पुलिस अधीक्षक, सागर बागमार के अनुसार, संभवतः तस्करों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए इसे छोड़ दिया था, क्योंकि पुलिस पहले से ही क्षेत्र में सक्रिय थी। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने गुरुवार को कहा था कि, आज गांधीधाम पुलिस ने 80 किलोग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 800 करोड़ रुपये है। मैंने इस सफलता के लिए डीजीपी और गांधीधाम पुलिस को बधाई दी है। एसपी बागमार के अनुसार, कोकीन के पैकेट गांधीधाम शहर के पास मीठी रोहर बस्ती से गुजरने वाली एक धारा के किनारे पर छोड़े गए पाए गए थे। उन्होंने आगे कहा कि, 'ड्रग खेप की डिलीवरी के बारे में एक गुप्त सूचना के आधार पर, हम पहले से ही इस क्षेत्र में सक्रिय थे। हमारे तलाशी अभियान के दौरान, हमने खाड़ी के तट से कोकीन के 80 पैकेट बरामद किए, जिनमें से प्रत्येक का वजन 1 किलोग्राम था और इसकी कीमत 800 करोड़ रुपये थी। यह संभव है कि तस्करों ने पकड़े जाने के डर से मादक पदार्थ को यहां फेंक दिया होगा।' बता दें कि, पिछले दो वर्षों से, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और अन्य एजेंसियों ने पाकिस्तान के करीब जखाऊ तट से नियमित अंतराल पर हेरोइन और कोकीन ले जाने वाले पैकेज बरामद किए हैं। अतीत में, जांच से पता चला कि तस्करों द्वारा पकड़े जाने से बचने के लिए पानी में फेंके जाने के बाद ऐसे पार्सल बहकर किनारे आ जाते थे। बागमार के अनुसार, गुरुवार को गांधीधाम के पास एक जलधारा में जो पैकेज मिले, उनका पहले खोजे गए पैकेज से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा कि, 'ये पैकेट अपेक्षाकृत ताज़ा हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इन्हें हाल ही में पैक किया गया है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि वे उस खेप का हिस्सा हैं जिसे हम हाल ही में एक गुप्त सूचना मिलने के बाद ट्रैक कर रहे थे।'

बालासोर जैसा रेल हादसा होने से बचा! 1 किमी तक गलत ट्रेक पर चलती रही कालिंदी एक्सप्रेस

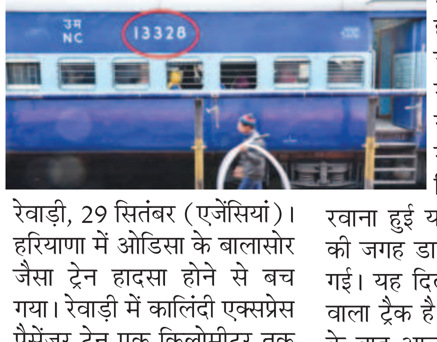

रेवाड़ी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में ओडिसा के बालासोर जैसा ट्रेन हादसा होने से बच गया। रेवाड़ी में कालिंदी एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन एक किलोमीटर तक गलत ट्रैक पर चलती रही। इसका पता तब चला, जब उसी ट्रैक पर विपरीत साइड से दूसरी ट्रेन आने का वक्त होने लगा। इसके बाद तुरंत गलती को पकड़ते हुए ट्रेन को रोका गया और फिर उसे प्लेटफॉर्म पर वापस लाया गया। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया। जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह का यह मामला है। रेवाड़ी से दिल्ली के लिए रवाना हुई यह पैसेंजर ट्रेन अप की जगह डाउन लाइन पर चली गई। यह दिल्ली की तरफ जाने वाला ट्रैक है। मामले की सूचना के बाद आला अधिकारी पहुंचे। इस पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। हालांकि, रेलवे के किसी भी अधिकारी की तरफ से इस पर कुछ नहीं कहा गया। रेवाड़ी से दिल्ली के बीच चलने वाली कालिंदी पैसेंजर ट्रेन बुधवार सुबह 11:35 बजे रेवाड़ी से दिल्ली की तरफ रवाना हुई थी। इस दौरान ट्रेन सिग्नल ब्रैक करने के बाद अप लाइन की बजाय डाउन लाइन पर चली गई। पाइंट नं। 278 से आगे निकल जाने के बाद लोको पायलट को ट्रेन के गलत ट्रैक पर जाने का आभास हुआ तो उसने ट्रेन रोक ली। इसके बाद ट्रैक को कन्फर्म करने के बाद उसने ट्रेन को वापस प्लेटफॉर्म पर पहुंचाया। जिस ट्रैक पर ट्रेन चली गई थी। बताया जा रहा है कि उसी समय ट्रैक पर दिल्ली की तरफ से कुछ देर बाद ट्रेन आने वाली थी। हालांकि इससे पहले ही ट्रेन को वापस प्लेटफार्म पर लाया जा चुका था। जिससे बड़ा हादसा होने से बचाव हो गया।

जम्मू, लद्दाख के लोग कर रहे हैं सीमाओं पर कब्जे, लेफ्टिनेंट गवर्नर से की बातचीत

शिमला, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिह सुक्खू ने कहा कि पिछले कई वर्षों से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोग हिमाचल की सीमाओं में प्रवेश कर कब्जे रहे हैं। इस बारे में जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा और लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर बीडी मिश्रा से अमृतसर में बातचीत की गई है। सर्वे ऑफ इंडिया की मैपिंग होगी। दोनों ही लेफ्टिनेंट गवर्नर से इस तरह घटनाएं रोकने की बात की गई है। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राज्य सचिवालय में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार को कहा गया है कि विशेष राहत पैकेज नहीं देना है तो आपदा राहत के नियमों के हिसाब से जो 1500 से 2000 करोड़ हिमाचल के बनते हैं, इस बजट को तो दे दीजिए। इस बात को भी गौर से सुना गया है। जल्दी ही कोई न कोई राहत मिलेगी। बीबीएमबी के एरियर के बारे में भी बात हुई है। उन्होंने कहा कि बीबीएमबी में हिमाचल प्रदेश भी पंजाब और हरियाणा की तरह स्थायी सदस्य होना चाहिए। नशे के बारे में सभी राज्य चिंतित हैं और सख्ती से निपटेंगे।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक बोलीं- भाजपा की उल्टी गिनती शुरू

भोपाल, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। ये कहना है कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक का। रागिनी ने आज भोपाल में पीसीसी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए एमपी की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं दूसरी तरफ यह सरकार हाथ पर हाथ रख कर बैठी है। रागिनी नायक ने बताया कि राहुल गांधी प्रदेश सरकार में सामने कई मुद्दे उठायेंगे। चाहे मंदसौर किसान गोली कांड हो या फिर एमपी में बढ़ती बेरोजगारी। इसके साथ ही राहुल गांधी प्रदेश में हुए यूनिफार्म घोटाला, पटवारी घोटाला, व्यापम घोटाला, महिला अत्याचार समेत कई मामलों पर सरकार को घेरेंगे। अब सरकार को जवाब देना होगा। अब बीजेपी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। नायक ने आगे कहा कि उज्जैन कांड के बाद एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। उज्जैन के बाद अब कटनी में आदिवासी युवती की लाश मिली। बताया जा रहा है कि युवती का बलात्कार कर हत्या की गई है। तीन दिन पहले घर से निकली थी युवती पर वापस घर नहीं पहुंची। कुछ दिन पहले ही उसकी सगाई हुई थी, उसकी शादी होने वाली थी। आदिवासियों और महिलाओं का जीवन एमपी में अंधेरे में है। महिलाओं को अब सड़कों पर निकलने में डर लगता है। कांग्रेस महिलाओं की लड़ाई सड़कों पर लड़ेगी। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महिला भागीदारी से जुड़े सवाल पर रागिनी नायक ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में महिलाओं की भागेदारी बढ़ेगी। कैबिनेट में मंत्री पद के साथ टिकट में भी महिलाओं की भागेदारी अच्छे अनुपात में होगी।

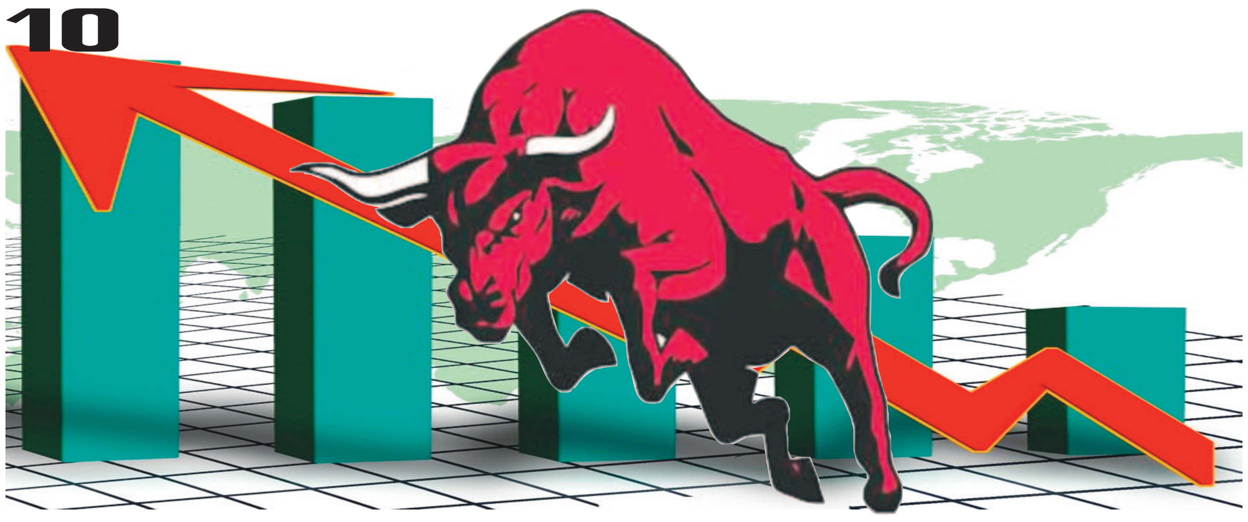

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी बोले- उत्तरी अमेरिका में बढ़े 40-50% दाम, भारत में 5% की आई कमी

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। उत्तरी अमेरिका में इसकी कीमत में 40 से 50 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी देखने को मिली, जबकि भारत में पांच फीसदी तक की गिरावट आई है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक कदमों की वजह हो पाया है। पुरी ने कहा कि कि इस समय तेल की बढ़ी कीमतें न केवल रिकवरी को खतरे में डाल रही हैं, बल्कि वास्तव में अन्य गंभीर समस्याओं में योगदान दे रही हैं। पुरी ने कहा, 'मुझे उम्मीद है तेल की कीमतों पर लगाम लगेगी। ऐसा क्यों है कि पश्चिम बंगाल जैसे गैर-भाजपा शासित राज्य में भाजपा शासित राज्यों की तुलना में पेट्रोल की कीमत 11.80 रुपये ज्यादा है।' पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 118वें वार्षिक सत्र 'राइजिंग इंडियाः अभूतपूर्व विकास का अमृत काल' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'कृषि क्षेत्र को देखिए... हमने देखा है कि भारत को शुद्ध खाद्य आयातक के रूप में पेश किया जाता था। आज, हम दुनिया का 40 फीसदी चावल निर्यात करते हैं। हम एक मामूली खिलाड़ी से एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। ऐसा कुछ समझदारी भरे नीतिगत बदलावों की वजह से हुआ है।' पराली जलाने के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'पहले वे (आम आदमी पार्टी) पड़ोसी राज्य सरकारों को दोष देते थे लेकिन अब पंजाब में उनकी सरकार है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने तरीके से मदद कर रहे हैं। हम पराली से एथनॉल बना रहे हैं।'कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा की ड्रग्स मामले में गिरफ्तारी पर पुरी ने कहा, 'यह आप और कांग्रेस की मोहब्बत की दुकान है। पंजाब में इंडिया गठबंधन टूट रहा है।'

एयर इंडिया ने गिफ्ट सिटी के माध्यम से पूरा किया पहले ए350 विमान का अधिग्रहण

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। एयर इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि उसने गिफ्ट सिटी के माध्यम से पहले ए350-900 विमान का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। यह अधिग्रहण वित्तीय पट्टा लेनदेन के माध्यम से एएचएसबीसी के साथ किया गया है। गिफ्ट सिटी के माध्यम से पहला चौड़ी बॉडी वाले विमान का पट्टा है। एयर इंडिया ने एक बयान जारी कर बताया कि लेनदेन एयर इंडिया की अनुषंगी कंपनी एआई फ्लीट सर्विसेज लिमिटेड के द्वारा किया गया। एयर इंडिया के 470 विमानों की सौदे का यह पहला वित्तीय लेनदेन भी है।

गिफ्ट सिटी में विमान पट्टे के व्यवसाय की शुरुआत

टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली कंपनी एयर इंडिया को उम्मीद है कि सौदे के तहत पहला ए350-900 विमान इस साल के अंत तक भारत पहुंच सकता है। एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल एंड ट्रांसफोर्मेशन अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि यह ऐतिहासिक लेनदेन, गिफ्ट सिटी से हमारे विमान पट्टे के व्यवसाय की शुरुआत है। एआई फ्लीट सर्विसेज लिमिटेड, एयर इंडिया की पहली कंपनी है जो चौड़ी बॉडी वाले विमानों का वित्तपोषण कर रही है। इससे हमें भविष्य में हमारे और हमारे सहयोगियों के लिए विमान वित्तपोषण रणनीति बनाने में मदद मिलेगी।

सौदे को लेकर क्या बोले अधिकारी

वहीं देश के पहले अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण यानी कि गिफ्ट सिटी के कार्यकारी निदेशक दीपेश शाह ने कहा कि यह विमानों के पट्टे और वित्तपोषण के लिए अन्य शेयरधारकों के साथ मिलकर एक रेगुलेटरी विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया द्वारा विमानों के वित्तपोषण और पट्टे के लिए गिफ्ट सिटी में एक वित्तीय कंपनी की स्थापना करना, गिफ्ट सिटी को विमानों के पट्टे और वित्तपोषण के लिए, दुनिया भर में महत्वपूर्ण जगह बनाने में अहम साबित होगा। बता दें कि एयर इंडिया ने छह ए350-900 विमानों का ऑर्डर दिया है, जिनमें से पांच की डिलीवरी मार्च 2024 तक होनी है।

इसके अलावा कंपनी ने 470 नए विमानों का भी ऑर्डर दिया है, जिनमें 34 ए350-1000, 20 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर, 10 बोइंग 777एक्सएस, 140 ए320 नियोज, 70 ए321 नियोज और 190 बोइंग 737मैक्स विमान शामिल हैं। एयर इंडिया ने जून में ही एयरबस और बोइंग से इन विमानों की खरीद के खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। फिलहाल एयर इंडिया के पास 116 विमान हैं, जिनमें 49 चौड़ी बॉडी वाले विमान हैं।

बेरोजगारी: देश में 25 से कम उम्र के 42 फीसदी स्नातक बेरोजगार

क्लर्क की परीक्षा दे रहे एमबीए और इंजीनियर

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। इसमें छिपी हुई बेरोजगारी की स्थिति तो और भी ज्यादा चिंताजनक है। दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल पर अपनी बातचीत के दौरान कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देखा था कि बड़ी संख्या में शिक्षित युवा, जिनमें इंजीनियरिंग डिग्री वाले भी शामिल हैं, औपचारिक रोजगार पाने में असमर्थ हैं। वे मजबूरी में कुली जैसा अनिश्चित और अनौपचारिक रोजगार कर रहे हैं। संसद सदस्य और कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने अपने एक बयान में कहा है कि अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2021-22 में 25 साल से कम उम्र के 42 फीसदी ग्रेजुएट बेरोजगार थे। जनवरी 2023 में, 8,000 उम्मीदवारों ने गुजरात विश्वविद्यालय में क्लर्क के 92 पदों के लिए आवेदन किया। इनमें एमएससी और एमटेक वाले भी शामिल थे। जून 2023 में महाराष्ट्र में क्लर्क के 4,600 पदों के लिए 10.5 लाख लोगों ने आवेदन किया। इनमें एमबीए, इंजीनियर और पीएचडी होल्डर्स भी शामिल थे।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की जॉब में 31 फीसदी की गिरावट

जयराम रमेश के अनुसार, औपचारिक क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने में मोदी सरकार की घोर विफलता के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के 2021-22 के आंकड़ों से पता चलता है कि औपचारिक क्षेत्र में रोजगार, 2019-20 की तुलना में 5.3 फीसदी कम है। इसके अलावा 2019-20 से 2021-22 तक औपचारिक क्षेत्र में रोजगार देने वालों की संख्या में भी 10.5 फीसदी की भारी गिरावट आई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी के आंकड़ों के मुताबिक, 2016-17 और मार्च 2023 के बीच मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की नौकरियों में 31 फीसदी की गिरावट आई है। जनवरी-मार्च 2023 के नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में भी 50 फीसदी से कम श्रमिक वेतनभोगी हैं। नवीनतम अखिल भारतीय पीएलएफएस डाटा, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल है, बहुत चिंताजनक है। इसके मुताबिक 2021-22 में केवल 21 फीसदी श्रमिकों के पास ही औपचारिक नौकरियां थी, जो अभी भी 23 फीसदी की महामारी-पूर्व अवधि से कम है। इसके बजाय, स्व-रोजगार और अनौपचारिक रोजगार में वृद्धि हुई है।

आर्थिक संकट के कारण निजी क्षेत्र में नौकरियां कम

जयराम रमेश के मुताबिक, ये आंकड़े बताते हैं कि मोदी सरकार की विनाशकारी आर्थिक नीतियों और बिना किसी प्लानिंग के किए गए लॉकडाउन ने वास्तव में शिक्षित युवाओं के लिए औपचारिक रोजगार के अवसरों को कम कर दिया है। आर्थिक संकट के कारण निजी क्षेत्र में नौकरियां कम हो रही हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं को बहुत कम संख्या में मौजूद सरकारी पदों के लिए प्रतिस्पर्धा करने को मजबूर होना पड़ रहा है। मोदी सरकार में सार्वजनिक क्षेत्र के सिकुड़ने के कारण यह स्थिति और भी बदतर होती जा रही है। अगस्त 2022 तक केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 9.8 लाख पद खाली थे। सीएमआईई के डाटा से पता चलता है कि 2015-16 और 2022-23 के बीच सरकारी नौकरियों में 20 फीसदी की कमी आई है।

बिना इनकम प्रूफ के भी मिल सकता है क्रेडिट कार्ड

केवल फॉलो करें ये आसान टिप्स

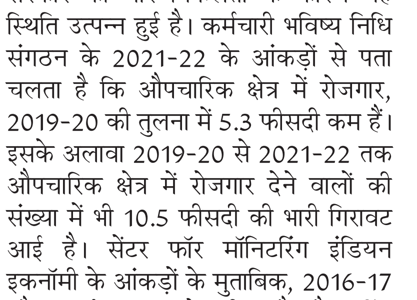

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। आजकल के समय में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है क्योंकि बैंक और वित्तीय संस्थान इन कार्ड्स पर ग्राहकों को कई तरह की सुविधाएं देती है। वैसे तो आजकल बैंक और फाइनेंशियल संस्थानों ग्राहकों को आसानी से क्रेडिट कार्ड दे देते है, लेकिन इसके इनकम प्रूफ की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या बिना इनकम प्रूफ के क्रेडिट कार्ड प्राप्त किया जा सकता है? कई बार बिजनेस करने वाले या छात्रों को भी क्रेडिट कार्ड की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे में इनकम प्रूफ न होने के कारण क्रेडिट कार्ड मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता सकता है। अगर आप भी बिना इनकम प्रूफ के क्रेडिट कार्ड प्राप्त करना चाहते हैं तो हमारे द्वारा ट्रिक्स को फॉलो कर सकते हैं। जानते हैं इस बारे में।

बिना इनकम प्रूफ के भी इस तरह प्राप्त कर सकते हैं क्रेडिट कार्ड-

1 बैंक खाता होना है जरूरी

बैंक बाजार वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने के लिए आपके पास एक बैंक खाता होना आवश्यक है। बैंक खाता किसी भी व्यक्ति की वित्तीय पहचान होता है। अगर आप किसी भी संस्थान में क्रेडिट कार्ड का एप्लीकेशन देते हैं तो उसमें बैंक खाते की जानकारी दर्ज करना आवश्यक है।

2 पति या पत्नी की इनकम करें दर्ज

अगर आपके पास इनकम प्रूफ नहीं है, लेकिन आप क्रेडिट कार्ड प्राप्त करना चाहते हैं तो आप अपनी पति या पत्नी के इनकम प्रूफ को भी क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके क्रेडिट कार्ड के मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

3 एफडी पर मिल सकता है क्रेडिट कार्ड

बैंक बाजार पर दी गई जानकारी के मुताबिक कई बैंक और वित्तीय संस्थान आसानी से एफडी पर क्रेडिट कार्ड जारी कर देते हैं। इस तरह के कार्ड को सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड कहते हैं। इस कार्ड की लिमिट आमतौर पर एफडी राशि की 75 से 80 फीसदी तक हो सकती है। इस तरह के क्रेडिट कार्ड को प्राप्त करने के लिए आपको किसी तरह के इनकम प्रूफ की जरूरत नहीं पड़ती है।

4 एक क्रेडिट कार्ड के बदले पाए दूसरा क्रेडिट कार्ड

अगर आप इनकम प्रूफ के बिना क्रेडिट कार्ड प्राप्त करना चाहते हैं तो आप इसके लिए अपने पहले क्रेडिट कार्ड का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

चांदी खरीदने वालों की जेब होगी ढीली

एक दिन में ही 1200 रुपये तक उछल गए दाम, जानें सोने का हाल

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भी सोना और चांदी दोनों ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के दाम तो लगातार चढ़ ही रहे हैं लेकिन चांदी ने आज खरीदारों को बड़ा झटका दे दिया है। एक दिन में ही 1200 रुपये का उछाल चांदी के रेट में देखा जा रहा है और ये 72,000 रुपये के करीब आ गई है। चांदी का सिक्का या गहने खरीदने के लिए आपको जेब ज्यादा हल्की करनी होगी।

सोने के दाम क्या हैं?

शुरुआती दौर में सोना आज 57,382 के स्तर पर खुला था। इसके बाद इसकी कीमत में और उछाल दर्ज किया गया है और दोपहर 1 बजे कल के मुकाबले 282 रुपये यानी 0.49 फीसदी की तेजी के साथ 57,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं गुरुवार की बात करें तो गोल्ड 57,128 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सोने के साथ चांदी के दाम बेतहाशा उछले- 1200 रुपये की तेजी दर्ज

शुक्रवार को सोने के अलावा चांदी में भी जबरदस्त उछाल दर्ज किया जा रहा है। इसके बाद इसकी कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है और यह दोपहर 1 बजे तक कल के मुकाबले 1. 70 फीसदी यानी 1200 रुपये तक महंगी होकर 71,800 रुपये तक पहुंच गई है। वहीं गुरुवार को चांदी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 70,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई थी। शुरुआती दौर में चांदी 71,149 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर खुली थी।

इन 10 बड़े शहरों में क्या है गोल्ड-सिल्वर के आज के रेट-

दिल्ली- 24 कैरेट सोना 58,680 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 24 कैरेट गोल्ड 59,450 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई- 24 कैरेट गोल्ड 58,800 रुपये, सिल्वर 77,500 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 24 कैरेट गोल्ड 58,530 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम लखनऊ- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम पटना- 24 कैरेट गोल्ड 58,580 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम गुरुग्राम- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम नोएडा- 24 कैरेट सोना 58,680 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम गाजियाबाद- 24 कैरेट गोल्ड 58,680 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम पुणे- 24 कैरेट गोल्ड 58,530 रुपये, सिल्वर 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चमका सोना

घरेलू बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमत में जबरदस्त बढ़त दर्ज की जा रही है। सोना आज 0.1 फीसदी की तेजी के साथ 1,866.19 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं अमेरिका में सोना कल के मुकाबले 0. 3 फीसदी महंगा होकर 1,883. 30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। सोने के अलावा चांदी की चमक भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी है और यह 1 फीसदी महंगी होकर 22. 83 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है।

एनएसई पर कुल रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स का आंकड़ा 8 करोड़ के पार हुआ, सिर्फ 8 महीने में जुड़े 1 करोड़ निवेशक

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। देश में शेयर बाजार में निवेश करने वाले की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और इसको साबित करने वाला एक और आंकड़ा आ गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर पिछले आठ महीने में नए निवेशकों का रजिस्ट्रेशन एक करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गया है। इसके साथ ही एनएसई पर कुल निवेशकों की संख्या आठ करोड़ से ज्यादा हो गई है।

कैपिटल मार्केट में अच्छे मूमेंटम से मिला बढ़ावा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक उसके रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स की संख्या में इजाफे के पीछे एक बड़ी वजह ये है कि कैपिटल मार्केट में अच्छा मूमेंटम बना हुआ है। एनएसई ने अहम बात कही है कि एक्सचेंज के पास कुल रजिस्टर्ड क्लाइंट कोड्स ने 14.9 करोड़ का आंकड़ा छू लिया है, ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि क्लाइंट कोड एक से ज्यादा ट्रेडिंग सदस्यों के लिए होते हैं।

आठ महीनों के दौरान जुड़े 1 करोड़ नए निवेशक

स्टॉक एक्सचेंज ने एक रिलीज में कहा है कि 8 करोड़ यूनीक पैन इंवेस्टर्स भारत में लगभग 5 करोड़ यूनीक परिवारों के बराबर है। ये एनएसई के नेशनवाइड नेटवर्क के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार में सीधे निवेश करने वाले लगभग 17 फीसदी परिवार हैं। इसके अलावा खास बात ये है कि पिछले 8 महीनों के दौरान एनएसई के प्लेटफॉर्म पर एक करोड़ नए इंवेस्टर्स रजिस्टर हुए हैं।

फार्मा, बैंकिंग स्टॉक्स की खरीदारी के चलते शानदार तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मिडकैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स भी भागे

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। गुरूवार को भारी गिरावट के बाद शुक्रवार 29 सितंबर कोअक्टूबर सीरिज का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए शानदार रहा है. बैंकिंग, फार्मा और एफएमसीजी स्टॉक्स समेत मिड कैप शेयरों में खरीदारी के चलते भारतीय बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ है.

आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 320 अंकों के उछाल के 65828 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 115 अंकों के उछाल के साथ 19,638 पर क्लोज हुआ है. आज के ट्रेड में फार्मा, एफएमसीजी, बैंकिंग, ऑटो, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में तेजी के चलते दोनों ही इंडेक्स भी तेजी के साथ बंद हुआ है. आज के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 शेयर तेजी के साथ और 6 गिरकर बंद हुआ. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 39 शेयर तेजी के साथ और 11 गिरावट के साथ बंद हुए. शेयर बाजार में तेजी की बदौलत बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 319.08 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है. जबकि पिछले सत्र में मार्केट कैप 316.92 लाख करोड़ रुपये रहा था.

आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 2.16 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है. आज के कारोबार में हिडांल्को 5.53 फीसदी, एनटीपीसी 3.59 फीसदी, हीरो मोटोकॉर्प 2.94 फीसदी, डॉ रेड्डी लैब्स 2.91 फीसदी, डिविज लैब्स 2.73 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.62 फीसदी, ओएनजीसी 2.35 फीसदी, अपोलो हॉस्पिटल 2.34 फीसदी, सन फार्मा 2.33 फीसदी और सिप्ला 1.90 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ. वहीं अडानी एंटरप्राइज 2.48 फीसदी, एलटीआईमाइंडट्री 1.05 फीसदी, एचसीएल टेक 0.57 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.54 फीसदी, पावर ग्रिड 0.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	05-17 बजे
चंद्र-	मीन में	कन्या..	07-24 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-32 बजे
बुध-	सिंह पें	वृश्चिक.	11-46 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-53 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-43 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-21 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-53 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-42 बजे
		वृष--	22-01 बजे
		मिथुन..	00-55 बजे
		कर्क...	03-07 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 06-09
सूर्यअस्त- 18-02
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - 12 -21 तक उपरान्त द्वितीया
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , शनिवार 30 September
नक्षत्र - रेवती - 21-07 -तक उपरान्त अश्विनी
योग - ध्रुव - 16 - 26 - तक उप व्याघात
करण- कौलव - 12 -21 - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - द्वितीया का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:07 से 10:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:09 - 07:37	अशुभ	लाभ.	18:02 - 19:35	शुभ
शुभ.	07:37 - 09:07	शुभ	उत्पात	19:35 - 21:06	अशुभ
रोग	09:07 - 10:36	अशुभ	शुभ	21:06 - 22:36	शुभ
उत्पात	10:36 - 12:06	अशुभ	अमृत	22:36 - 00:06	शुभ
चंचल	12:06 - 13:36	शुभ	चंचल	00:06 - 01:36	शुभ
लाभ	13:36 - 15:06	शुभ	रोग	01:36 - 03:07	अशुभ
अमृत	15:06 - 16:35	शुभ	काल.	03:07 - 04:37	अशुभ
काल.	16:35 - 18:02	अशुभ	लाभ	04:37 - 06:09	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अगर आप ज्यादा तनाव महसूस करते हैं- बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताएं। उनका गर्म आलिंगन/आलिंगन या यहां तक कि एक मासूम मुस्कान आपको अपने संकटों से उठा लेगी। यह एक और उच्च ऊर्जा वाला दिन है और अप्रत्याशित लाभ की उम्मीद है। अपने सामाजिक जीवन की उपेक्षा न करे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके लिए सरासर खुशी और आनंद - जैसा कि आप जीवन का पूरा आनंद लेने के लिए तैयार हैं। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आप वित्त पर चर्चा कर सकते हैं और अपने भविष्य के लिए अपने धन की योजना बना सकते हैं। यदि आप उनकी राय को नज़रअंदाज़ करेंगे तो आपके साथी धैर्य खो देंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आध्यात्मिक के साथ-साथ शारीरिक लाभ के लिए भी ध्यान और योग फायदेमंद साबित होगा। धन की आमद पूरे दिन बनी रहेगी, लेकिन दिन के अंत में आप महसूस कर सकते हैं कि बहुत अधिक खर्चा हो गया है। जीवन और कार्य के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक प्रकाशमान और पूर्णतावादी बनें।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज अतीत के ग़लत फ़ैसले हताशा और मानसिक उथल-पुथल की ओर ले जाएंगे- आप फंसे रह सकते हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आगे क्या करना है-दूसरों की मदद लें। पैसों के निवेश और बचत को लेकर आज आपको अपने परिजनों से बात करने की जरूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार साबित होगी।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज ख़ुद पर ज़्यादा ज़ोर न डालें- आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम नज़र आ रही है और आपको ज़रूर आराम की ज़रूरत है। जिन लोगों ने कर्ज लिया था, उन्हें आज चुकाने में परेशानी हो सकती है। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना देंगे- लेकिन आप अपनी भावनाओं को उन लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में सक्षम होंगे।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
रिलैक्स होने के लिए कुछ समय करीबी दोस्तों के साथ बिताएं। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसों की बचत शुरू कर देनी होगी। दोस्त आपके दिन को खुशनुमा बना देंगे क्योंकि वे शाम के लिए कुछ रोमांचक योजना बनाए। दिन उत्तम है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
हर किसी की मदद करने की आपकी इच्छा आपको थका देगी और थका देगी। हालांकि आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन आपको ध्यान रखना होगा कि फिजूलखर्ची या अनावश्यक चीजों पर खर्च न करें। परिवार के सदस्यों के साथ सामाजिक मेल मिलाप सभी का मूड अच्छा रखेगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका उदार स्वभाव आज कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आज आपको यह बात समझ में आएगी कि कई बार निवेश करना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि आपके द्वारा किया गया कोई पुराना निवेश लाभदायक रिटर्न देने वाला होता है। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का फ़ायदा न उठाने दें।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
अपने बुलंद हौसले के बावजूद आप किसी ऐसे व्यक्ति की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं हो सका। जो लोग शैक्षणिक या व्यावसायिक कारणों से घर से दूर रह रहे हैं, वे दोस्तों के साथ किसी पार्टी में पैसा ख़र्च करेंगे। यह हावी होने या ऐसी चीजें करने का दिन नहीं है जो कुछ परेशानी शुरू कर सकती हैं।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
पारिवारिक समस्याओं को अपनी पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पोषण करने वाले जोड़े के रूप में पुनः पुष्टि करने के लिए कुछ समय व्यतीत करें। आपके बच्चे भी घर में खुशी और शांति सद्भाव के स्पंदनों को महसूस करेंगे। यह आपको एक दूसरे के साथ बातचीत में अधिक सहजता और स्वतंत्रता देगा।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
भावनाओं का पारा चढ़ेगा- आपका बर्ताव आस-पास के लोगों को भ्रमित करेगा- आप तत्काल परिणाम की तलाश में हैं, इसलिए निराशा आपको जकड़ सकती है। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन कोशिश करें कि इसे हाथ से फिसलने न दें। आने वाले मेहमान आपकी शाम को व्यस्त रखेंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ज, दे, दो, चा,ची
आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त समय होगा। महत्वपूर्ण लोग किसी भी ऐसी चीज के लिए पैसे देने को तैयार रहेंगे, जिसमें कोई विशेष वर्ग हो। परिवार और दोस्तों के साथ आनंदमय समय बीतेगा। काफ़ी अनबन के बावजूद आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मैक्सिको के 100 किलो बीज ने भारत के गेहूं भंडार भर दिए

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। चंद्रयान-3 का चांद की सतह पर उतना देश में वैज्ञानिक प्रगति में सर्वोच्च गौरव की बात हो सकती है लेकिन देश के खाद्य उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्लांट जेनेटिक एक कहीं महत्वपूर्ण जीत थी। साल 1965 तक, देश की जनसंख्या 50 करोड़ से अधिक थी। उस समय भारत में गेहूं का उत्पादन मुश्किल से 1 करोड़ 20 लाख टन था। भारत एक ऐसा देश था जो अमेरिका से आयातित अनाज पर पूरी तरह से निर्भर था। उसके बाद के दशकों में, वार्षिक गेहूं उत्पादन लगभग 10 गुना बढ़कर 112 मिलियन टन हो गया है। उपज में यह वृद्धि कृषि विज्ञानी और साइटोजेनेटिक्स में मास्टर्स कर चुके एम एस स्वामीनाथन के साथ शुरू हुई। स्वामीनाथन वो शख्स थे जिन्होंने 1949 में सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बाद भी भारतीय पुलिस सेवा में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। इसके बदले उन्होंने कृषि के क्षेत्र में काम करने को प्राथमिकता दी।

इस युवा वैज्ञानिक ने विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय में पोस्ट-डॉक्टरल रिसर्च के लिए अमेरिका जाने से पहले नीदरलैंड में आनुवंशिकी में यूनेस्को की फेलोशिप और कैम्ब्रिज में दर्शनशास्त्र में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। यही वह जगह थी जहां वे 1953 में महान साइंटिस्ट और नोबेल प्राइज विजेता डॉ. नॉर्मन बोरलॉग से मिले थे। उस समय नॉर्मन बोरलॉग ने गेहूं में जंग रोग को नियंत्रित करने पर एक भाषण दिया था। यह एक संगठन की शुरुआत थी जो स्वामीनाथन के भारत लौटने और सरकारी नौकरी करने के बाद भी जारी रही। 1959 तक, बोरलॉग ने मेक्सिको में एक उच्च उपज देने वाले गेहूं को उगाने में प्रभावशाली रिजल्ट का जिक्र किया था। इसमें जापान के एक बौने जीन का उपयोग किया गया था। इसे नॉरिन 10 के रूप में जाना जाता था। उस समय स्वामीनाथन ही एशिया में एकमात्र पादप आनुवंशिकीविद् थे जिन्होंने इस तरफ ध्यान दिया था।

फर्टिलाइजर नहीं सहन कर सकते थे

उस समय, भारत में गेहूं और चावल की बेहतरीन किस्में, सबसे अच्छी परिस्थितियों में और उर्वरक की पर्याप्त खुराक के

साथ, औसत उपज से केवल 20%-30% अधिक दे सकती थीं। वे रासायनिक उर्वरकों की उच्च खुराक को सहन नहीं कर सकते थे। इसके अलावा न ही उनके पतले तनों को अनाज के कानों का भार सहन करना पड़ता था। स्वामीनाथन ने अप्रैल 1962 में अपने निदेशक बी. पी. पाल को बोरलॉग की अर्ध-बौने गेहूं के साथ सफलता के निहितार्थ पर लिखा, जिसमें अधिक पैदावार की बात थी। वे चाहते थे कि उनके बॉस अमेरिकी वैज्ञानिक को भारत में आमंत्रित करें। साथ ही मेक्सिको में वसंत परीक्षणों के दौरान उपयोग की जाने वाली सामग्री के लिए अनुरोध करें। आगे स्वामीनाथन ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में गेहूं कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

1963 में भारत आए थे बोरलॉग

लाल बहादुर शास्त्री और कृषि मंत्री सी सुब्रमण्यम के नेतृत्व में खाद्य की कमी से निपटने के तरीकों की तलाश के साथ की गई। सरकार ने जल्द ही रॉकफेलर फाउंडेशन (जिसने मैक्सिकन कार्यक्रम को फंड दिया) को बोरलॉग की सेवाओं और उनके निपटान में बीज के लिए लिखा। बोरलॉग ने मार्च 1963 में भारत का दौरा किया। बाद में बौनी और अर्ध-बौनी किस्मों के 100 किलोग्राम बीज भेजे। पंजाब में किसानों को इसे आजमाने के लिए मनाने के लिए 'खास जगह' पर इनका व्यापक रूप से उपयोग किया गया था। चूंकि, बोरलॉग अनाज लाल रंग का था, भारतीय वैज्ञानिकों ने इसे अपना विशिष्ट सुनहरा रंग देने के लिए इसे स्थानीय किस्मों के साथ संकरित किया। आज, भारत में उगाए जाने वाले गेहूं पर मेक्सिको से आई मूल सामग्री के संकेत हैं।

खेतों में क्रांति

स्वामीनाथन ने 1949 में अपने उल्लेखनीय करियर की शुरुआत की। इसमें आलू, गेहूं, चावल और जूट जैसी महत्वपूर्ण फसलों के आनुवंशिकी पर ध्यान केंद्रित किया गया। जब भारत को बड़े पैमाने पर अकाल का सामना करना पड़ा, तो खाद्य सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा हो गया तब उनका दूरदर्शी काम सबके सामने आया। उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता साइंटिस्ट नॉर्मन बोरलॉन्ग के साथ मिलकर अधिक उपज देने वाली गेहूं की किस्मों का विकास किया। इससे प्रभावी रूप से 'हरित क्रांति' में मदद मिली

उनके योगदान ने उन्हें संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा 'आर्थिक पारिस्थितिकी के जनक' की उपाधि दी। 1960 और 70 के दशक में सी सुब्रमण्यम और जगजीवन राम जैसे कृषि मंत्रियों के साथ सहयोग करते हुए, स्वामीनाथन ने रासायनिक-जैविक तकनीक को अपनाकर गेहूं और चावल की उत्पादकता में तेजी से वृद्धि सुनिश्चित की। अपने अभूतपूर्व प्रयासों के लिए मान्यता में, स्वामीनाथन को 1987 में पहला विश्व खाद्य पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मान ने वैश्विक कृषि प्रगति के लिए आजीवन प्रतिबद्धता की शुरुआत को चिह्नित किया। उन्होंने चेन्नई में एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की। यह फाउंडेशन भूख और गरीबी से निपटने के उनके मिशन को आगे बढ़ा रही है। अपने शानदार करियर के दौरान, स्वामीनाथन ने 1971 में रेमन मैग्सेसे अवार्ड, 1986 में अल्बर्ट आइंस्टीन वर्ल्ड साइंस अवार्ड और पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार प्राप्त किए। स्वामीनाथन के नेतृत्व में एक आयोग ने 2006 में किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने के लिए बेंचमार्क सेट किया। इससे सुनिश्चित हुआ कि उन्हें अपनी उपज से कम से कम 50% लाभ मिले।

महिला के शरीर में मिलीं 3 किडनी

डॉक्टरों ने कहा- रेयर ऑफ द रेयरेस्ट केस यह दुर्लभ बीमारी, दुनिया में ऐसे 100 मामले

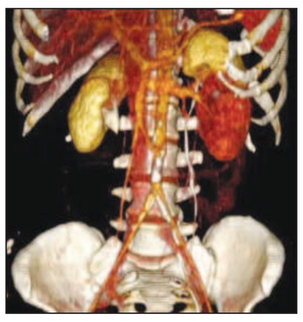

भिलाई, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भिलाई में मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में जांच के दौरान एक महिला के शरीर में तीन किडनी मिलीं। डॉक्टर्स के मुताबिक यह एक दुर्लभ बीमारी है। दुनिया में ऐसे 100 मामले ही हैं। यूरोलॉजिस्ट डॉ शिवेंद्र तिवारी के मुताबिक महिला के शरीर में इंफेक्शन और तेज दर्द था। जब उसका सीटी स्कैन किया गया तो रिपोर्ट में 3 किडनी पाई गईं। ये बहुत ही रेयर है। गलती की गुंजाइश न हो इसलिए डबल क्रॉस चेक कर फाइंडिंग को कन्फर्म किया गया। इसमें दो किडनी ट्यूब और ब्लेडर में आकर मिल रही थी। एक ट्यूब ब्लॉक थी। उसी किडनी की वजह से महिला के शरीर में इंफेक्शन हो रहा था। इंस्टेंट डाला गया और तीन-चार दिन बाद पूरी तरह स्वस्थ होने पर महिला को डिस्चार्ज कर दिया गया।

दुनिया भर के साहित्य में ऐसे केवल 100 मामले ही सामने आए हैं। मेडिकल भाषा में इसे सुपरन्यूमेरी किडनी कहा जाता है। मानव शरीर में 4 किडनी भी होती हैं। जीवन में पहली बार तीन किडनी देखकर उन्हें काफी आश्चर्य हुआ।

रेडियोलॉजिस्ट डॉ समीर कठाले ने बताया कि जब महिला की सोनोग्राफी की तो उसकी किडनी का साइज नॉर्मल नहीं लग रहा था। सिटी स्कैन में पाया गया कि महिला के लेफ्ट साइड में दो किडनी और राइट साइड में एक किडनी थी। अपने करियर में ऐसा पहला केस देखने को मिला है। अगर किसी के शरीर में 3 किडनी हो तब भी उसकी जिंदगी सामान्य होती है। ऐसी स्थिति तब बनती है, जब गर्भावस्था के दौरान भ्रूण के विकास में कोई एक किडनी दो हिस्सों में बंट जाती है। वैसे शरीर में हुए ऐसे बदलाव का पता नहीं चल पाता है और न ही कोई असामान्य लक्षण दिखाई देते हैं।

पूर्व मंत्री एनोस एक्का पर हमले की कोशिश

पूर्व विधायक ने एसपी से की शिकायत कहा, राजनीतिक साजिश के तहत हुआ हमला

सिमडेगा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री एनोस एक्का के ऊपर पाकरटांड थाना क्षेत्र के कोबांग बेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में जानलेवा हमले की कोशिश का आरोप लगाया गया है। पूर्व मंत्री एनोस एक्का गुरुवार को अपने गृह प्रखंड पाकरटांड के कोबांग बेड़ा में आयोजित खेल कार्यक्रम में शामिल होने गए था।

किन लोगों पर लगा आरोप

जब ये भाषण दे रहे थे उस वक्त इनके ऊपर लव साहू, कुश साहु, बिहारी साहू और बहादूर साहू नामक लोगों ने गाली गलौज करते हुए लोगों के साथ धक्का मुक्की करते हुए एनोस एक्का पर जानलेवा हमला किया और इन्हे भद्दी भद्दी गालियां भी दी। उनके बॉडी गार्ड उन्हें बचाते हुए वाहन तक लाए और उन्हें वहां से लेकर तुरंत निकल गए।

पूर्व विधायक बोले राजनीतिक साजिश

अपने ऊपर हुए हमले की कोशिश से एनोस ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उनपर हमले की कोशिश की है वे कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि उनपर हमला पीछे किसी बड़े नेता के शह पर पर हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी लोकप्रियता से डर कर अब लोग इस तरह के घिनौने हरकत करने पर उतारू हो गए है। अपने ऊपर हमले के प्रयास के बारे से एसपी से बात कर कार्रवाई की बात मांग की है। एसपी इनके शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी को कई निर्देश दिए इसके बाद थाना प्रभारी वहां कुछ लोगों को उठाकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूरे मामले में एनोस एक्का पुलिस को लिखित आवेदन दे रहे हैं।

एसपी कुमार सौरभ ने कहा कि पूर्व मंत्री एनोस एक्का खेल कार्यक्रम में भाग लेने गए थे। एसपी ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह बात सामने आई है कि जब वह कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। इसी दौरान कुछ लोग एनोस एक्का के खिलाफ में नारेबाजी करने लगे थे।

एसपी ने कहा कि मामले की जांच का जिम्मा सिमडेगा सर्किल के इंस्पेक्टर को दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस अग्रतर कारवाई करेगी।

अक्टूबर के पहले सप्ताह तक बारिश की संभावना

रांची, 29 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम विभाग ने 29 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आज भी मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना जाहिर की है। पिछले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई। राज्य में मानसून की स्थिति सामान्य रही। सबसे अधिक बारिश पालगंज (गिरिडीह) में 44.4 एमएम हुई। राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा जिले में 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी का तापमान सबसे कम 22. डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य के कई जिलों में बारिश की वजह से जलजमाव बढ़ा है। राजधानी रांची सहित कई रास्तों में ट्रैफिक व्यवस्था पर भी असर दिखने लगा है। मौसम विभाग ने बताया है कि म्यामार व ईस्ट सेंट्रल बे ऑफ बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन है जिसका असर झारखंड पर है यह समुद्रतल से 5.8 किमी. ऊपर है। इस सिस्टम के प्रभाव से आगामी 24 घंटे में ईस्ट सेंट्रल व नार्थ ईस्ट बे ऑफ बंगाल के इलाकों में निम्न दबाव का क्षेत्र भी बन रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि राज्य के कई हिस्सों में अभी बादल छाए रहेंगे। दो अक्टूबर तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। कई हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। तीन व चार अक्टूबर को गरज के साथ वर्षा होने की संभावना जाहिर की जा रही है। अभी राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में बारिश होगी। मौसम विभाग ने दो अक्टूबर तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया है लेकिन राज्य में 4 अक्टूबर तक बारिश और वज्रपात की संभावना जाहिर की गयी है। 30 सितंबर को राज्य के जिन हिस्सों में मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जाहिर की है उनमें राजधानी रांची सहित लोहरदगा, बोकारो, गुमला, खूंटी, सरायकेला खरसांवा, सिमडेगा, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं।

सिंहदेव बोले- एमपी बीजेपी नेतृत्व में बदलाव के संकेत

डिप्टी सीएम ने कहा- केंद्रीय मंत्री-सांसद स्टेट चुनाव लड़ेंगे तो मुख्यमंत्री बदलने की संभावना बनेगी

अंबिकापुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि, मध्यप्रदेश भाजपा में बदलाव के संकेत है। भाजपा को विधानसभा के प्रत्याशी कमजोर लग रहे होंगे, इसीलिए लोकसभा चुनाव लड़ने वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। सिंहदेव एमपी में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को टिकट देने पर अपनी बात कह रहे थे।

अंबिकापुर दौरे पर पहुंचे सिंहदेव ने कहा कि, मध्यप्रदेश में केंद्रीय नेताओं को टिकट देना भाजपा की स्ट्रेटजी है। इतने सीनियर नेता स्टेट में आकर चुनाव लड़ेंगे तो स्वाभाविक है कि मुख्यमंत्री भी बदले जाने की संभावना वहां पर बनेगी।

उन्होंने कहा कि, इससे कांग्रेस को नुकसान और फायदा नहीं है। जो सांसद लड़े हैं, वो विधानसभा जीत जाएंगे ऐसा भी नहीं होता है। लेकिन इन नामों से स्पष्ट संदेश जा रहा है कि लीडरशिप उन्होंने तय नहीं की है, लीडरशिप उन्होंने

खोल दी है।

सिंहदेव ने कहा, पीसीसी की बैठक के बाद एक अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के स्क्रीनिंग कमेटी में प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा होगी। नाम सेंट्रल कमेटी को भेजे जाएंगे। कांग्रेस को टिकट घोषणा की जल्दी नहीं है। 15 दिन का समय पर्याप्त होता है।

इससे पहले तो नामांकन भरे जाने के कुछ दिन पहले ही टिकट की घोषणा होती थी। जो दावेदार हैं वे क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। कई दावेदारों के बीच सोच समझकर फैसला करना पड़ रहा है। अंबिकापुर में डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची को लेकर कहा था कि टिकट घोषणा में जल्दबाजी नहीं है, जिन्होंने जल्दी सूची निकाली, वहां बगावत के सुर हैं। कांग्रेस कोई जल्दबाजी नहीं कर रही है।

अभी प्रदेश इलेक्शन कमेटी के 90 विधानसभा सीट की स्पष्ट राय जब स्क्रीनिंग कमेटी के सामने आएगी, तब स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी। अभी तो प्रदेश इलेक्शन कमेटी की ही बैठक चल रही है। वहां से स्क्रीनिंग कमेटी में जाएगा, फिर स्क्रीनिंग कमेटी सेंट्रल इलेक्शन कमेटी को भेजेगी।

रिटायरमेंट के पंद्रह दिन पहले मुंगेली डीईओ को मिली बड़ी राहत

मुंगेली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मुंगेली की निलंबित जिला शिक्षा अधिकारी सविता राजपूत को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। उच्च न्यायालय ने शासन द्वारा जारी किए गए निलंबन आदेश पर फिलहाल स्टे लगा दिया है।

दरअसल, सविता राजपूत का रिटायरमेंट इसी माह सितंबर में होना है और रिटायरमेंट के 15 दिन पहले उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठाए बिना विभाग ने निलंबित कर दिया था। इसके पीछे की बड़ी वजह एरियर्स की राशि का भुगतान न होना पाया गया था। अपने निलंबन के खिलाफ सविता राजपूत ने उच्च न्यायालय में अपील की थी। जहां उनके वकील ने न्यायालय के समक्ष यह दलील पेश की की सविता राजपूत महज 15 दिनों में रिटायर होने वाली हैं और उन्हें विभागीय जांच बैठाए बिना ही निलंबित कर दिया गया।

इसके खिलाफ सरकारी वकील ने भी अपनी बात रखी लेकिन जज ने सविता राजपूत के पक्ष में निर्णय देते हुए फिलहाल इस मामले में कोर्ट ने स्टे लगा दिया है और अब मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

अफीम तस्करी गिरोह के तीन गिरफ्तार

झारखंड से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब में करते थे तस्करी, खूंटी-मुरहू रोड से दबोचे गए

रांची, 29 सितंबर (एजेंसियां)। अंतर्राज्यीय स्तर पर अफीम की तस्करी करने वालों के खिलाफ आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई की है। इस गिरोह के तीन सदस्यों को धर दबोचा है। एटीएस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार तीनों आरोपियों को खूंटी-मूरहू रोड से गिरफ्तार किया गया है। जिन तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है उनमें खूंटी के मारंगदाहा थाना निवासी राम कुमार मुंडा, चतरा के पत्थरगड्डा थाना निवासी विरेन्द्र दांगी और रांची के जगन्नाथपुर निवासी राजकुमार साव शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से पांच किलो आठ ग्राम अफीम, 32 हजार 500 रुपये, तीन मोबाइल फोन और दो बाइक बरामद किया।

मादक पदार्थ खरीद-बिक्री थी जानकारी

इस गिरफ्तारी के संबंध में आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि खूंटी थाना क्षेत्र में अंतर्राज्यीय मादक द्रव्य तस्करों के जरिये अवैध अफीम की खरीद-बिक्री होनी है। सूचना के बाद एटीएस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खूंटी-मुरहू रोड स्थित एमएस माईल इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया।

तस्करों का रहा है पूर्व आपराधिक इतिहास

आईजी अभियान के मुताबिक गिरफ्तार तस्करों का पूर्व का आपराधिक इतिहास रहा है। इसमें विरेंद्र दांगी पहले भी मादक द्रव्यों की तस्करी के लिए जेल जा चुका है। उसने 10 वर्ष का सजा भी काटा है। गिरफ्तार आरोपित अफीम की तस्करी झारखंड राज्य से पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं पंजाब राज्य में भी करते हैं। इन आरोपितों का अन्तर्राज्यीय तस्करी गिरोह से भी संबंध होने की बात प्रकाश में आयी है। इस रैकेट में कई अन्तर्राज्यीय वित्तीय लेन-देन भी प्रकाश में आये है। मामले में पूछताछ जारी है।

रेप पीड़िता ने खुद को लगाई आग

रांची, 29 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गिरिडीह में सनसनीखेज मामला सामने आया जब एक रेप पीड़िता महिला ने आत्मदाह कर लिया। उसे गंभीर स्थिति में अस्पताल ले जाया गया। चार दिनों के संघर्ष के बाद उसने आखिरकार दम तोड़ दिया। मृतका के पिता ने इस संबंध में बिरनी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें बताया गया कि उनकी बेटी की ससुराल हजारीबाग जिले में है। बिरनी थाना क्षेत्र का दलांगी निवासी नियाज अंसारी बीते 21 सितंबर को उसके ससुराल पहुंचा और झूठी सूचना दी कि उसकी मां बीमार है। वह उसे मायके ले जाने आया है। नियाज के कहने पर महिला उसके साथ बाइक से मायके के लिए निकली। बाइक चला रहा नियाज उसे मायके ले जाने के बदले सुनसान जगह पर ले गया और चाकू की नोक पर उसका रेप किया। शोर करने पर उसने जान मारने की धमकी दी। इसके बाद नियाज उसे दलांगी में एक स्कूल के पास छोड़कर भाग गया।

डायरिया से 14 साल की नाबालिग की मौत

9 बीमार मरीजों का इलाज जारी स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, गांव पहुंची टीम

बेमेतरा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बेमेतरा जिले में डायरिया से एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई है। मृत लड़की का नाम लक्ष्मी यादव (14) है, जिसका इलाज साजा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा था। वहीं डायरिया से पीड़ित 9 अन्य मरीज भी अस्पताल में भर्ती हैं। एसडीएम विश्वासराव मस्के ने बताया कि साजा ब्लॉक मुख्यालय से लगा डोगीतराई गांव इन दिनों डायरिया की चपेट में है। यहां 10 लोगों को डायरिया होने के बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। इनमें से 14 साल की लड़की लक्ष्मी यादव ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। नाबालिग की मौत के से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। सूचना मिलने पर एसडीएम विश्वासराव मस्के भी डोगीतराई गांव पहुंचे और गांववालों से बातचीत की। ग्रामीणों का कहना है कि खराब पानी पीने से सभी डायरिया से पीड़ित हुए हैं।

एसडीएम ने कहा कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम भी गांव में पहुंची है और घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रही है। इधर अस्पताल में भारी लापरवाही भी सामने आई है।

यहां सफाई कर्मचारी मरीजों को ड्रिप लगा रहे थे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टर और नर्स नदारद दिखे। वहीं मरीजों को खुद ड्रिप उठाकर बिना स्ट्रेचर के दूसरे अस्पताल में भर्ती होने के लिए जाना पड़ा। इस अव्यवस्था को लेकर भारी नाराजगी लोगों में देखने को मिली।

बिहार में 4 लोगों को फांसी पर लटकाने वाला नक्सली प्रमोद अब खोलेगा सारंडा का राज

रांची, 29 सितंबर (एजेंसियां)। गया के डुमरिया में दो साल पहले चार लोगों को फांसी पर लटकाने वाला नक्सली प्रमोद मिश्रा अब सारंडा का राज खोलेगा। प्रमोद उर्फ सोहन उर्फ शुक्ला को गया के टिकरी से 10 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) उसे रिमांड पर लेकर रांची आई। 5 अक्टूबर तक उससे पूछताछ होगी। मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के कासमा गांव निवासी प्रमोद से पहले दिन एनआईए ने सारंडा का राज उगलवाने की कोशिश की, जहां नक्सलियों का करीब ढाई दशक से वर्चस्व रहा है।

उससे कई सवाल पूछे गए। मिश्रा भी लंबे समय तक सारंडा में सक्रिय रहा था। वहां से फरार होने के बाद उसने झारखंड-बिहार की सीमा पर छकरबंधा में डेरा डाला। लेकिन 10 दिन पहले उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मिश्रा को 2004 में नक्सली संगठन में केंद्रीय समिति सदस्य बनाया गया था। 2007 में पोलित ब्यूरो सदस्य बनाया गया। 11 मई 2008 को धनबाद से वह गिरफ्तार हुआ लेकिन सबूत के अभाव में कोर्ट ने उसे 2017 में रिहा कर दिया। इसके बाद वह फिर सक्रिय हो गया।

प्रशांत की जगह लेना चाहता था, मिसिर से हो गई थी अनबन

पोलित ब्यूरो सदस्य एक करोड़ के इनामी प्रशांत बोस उर्फ बूढ़ा को झारखंड पुलिस ने 12 नवंबर 2021 को सरायकेला क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

प्रशांत बोस की गिरफ्तारी के बाद प्रमोद ईस्टर्न रीजनल ब्यूरो प्रमुख बनना चाहता था। लेकिन इस पद को लेकर उसकी मिसिर बेसरा से अनबन हो गई, इससे मामला लटक गया। प्रमोद पर झारखंड पुलिस का भी एक करोड़ रुपए का इनाम रखने का प्रस्ताव था, लेकिन इससे पहले ही वह गिरफ्तार हो गया।

मकान का सपना होगा पूरा

रायपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में रहने वाले पत्रकार अब अपने घर का सपना पूरा कर सकेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के पत्रकारों के लिए योजना बनाई है। इसके तहत पत्रकारों को होम लोन पर सरकार की ओर से अनुदान मिलेगा। इसकी घोषणा वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में की गई थी।

जनसंपर्क विभाग की ओर से 'ललित सुरजन संचार प्रतिनिधि आवास ऋण ब्याज अनुदान योजना' लागू कर दी गई है।

पकड़ा गया बड़ा आर्म्स सप्लायर

गैंग्स ही नहीं अन्य अपराधियों को भी बेचा 50 से अधिक कट्टा व पिस्टल

धनबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। वासेपुर में मामा-भगिना द्वारा रंगदारी के लिए धमकी व फायरिंग की घटना के बीच धनबाद पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने हाल ही में ऐसे अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है जो गैंग्स ही नहीं अन्य अपराधियों को भी हथियार सप्लाई करने का काम करता था। पांडरपाला शमशेर नगर का रहने वाला अकील हाशमी उर्फ राजा के लिए गैंग कोई मायने नहीं रखता है। उसका काम हथियार सप्लाई करना है। वह फहीम खान के नाम पर तोपचांची रामाकुंडा में रेलवे में निर्माण कार्य रह रही एनसीपीएल कंपनी के अधिकारियों से रंगदारी मांगने के मामले में पकड़ा गया। पुलिस को अकील के पास से एक कट्टा, तीन सिक्सर, एक पिस्टल और 22 कारतूस मिला था। जेल जाने से पूर्व पुलिस के समक्ष उसने हथियार सप्लाई को लेकर कई खुलासे किए। अकील के साथी इमरान ने भी अपने स्वीरोक्ति बयान में हथियार खरीद-फरोख्त की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि अकील ने गैंग्स व अन्य अपराधियों को अब तक 50 से अधिक हथियार बेचा है।

भारत में अफगान एम्बेसी बंद होगी

राजदूत पर दोनों देशों में तनाव बढ़ाने की कोशिश का आरोप, तालिबान बोला- इसे हमने नियुक्त नहीं किया

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में मौजूद अफगानिस्तान की एम्बेंसी बंद होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात का दावा किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में अफगानिस्तान के इंचार्ज एम्बेसडर फरीद मामुडजे ने तालिबान को एक खत लिखकर बताया कि वो हर क्षेत्र में फेल हो गए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें कोई भी सपोर्ट या डिप्लोमैटिक मदद नहीं दी गई।

दूसरी तरफ, तालिबान ने कहा है कि उन्होंने मामंडजे की नियुक्ति नहीं की थी। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि भारत सरकार अफगानी डिप्लोमैट से नाराज है। अधिकारियों के मुताबिक, मामुंडजे तालिबान और भारत सरकार के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान के काफी करीब है मामुंडजे

उन्होंने ये भी बताया कि मामुंडजे अफगानिस्तान की पुरानी गनी सरकार के नेताओं को लेकर आ रहा है। इसके जरिए वो ये दिखाने की कोशिश कर रहा है कि भारत गनी सरकार के नेताओं को बढ़ावा दे रही है। रिपोर्ट्स में ये भी बताया गया है कि मामुंडजे पाकिस्तान के काफी करीब है और इसी वजह से शुरुआत में उसकी डिप्लोमैट के तौर पर नियुक्ति में भी काफी समय लगा था।

दूसरी तरफ, मामुंडजे ने अपने खत में आगे बताया कि काबुल की तरफ से मुझे कोई सहयोग नहीं मिला है और न ही भारत सरकार को-ऑपरेट कर रही है। ये देखते हुए मैंने सितंबर के आखिर तक भारत में अफगानिस्तान मिशन को बंद करने का फैसला लिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत सरकार ने अफगान एम्बेसी के स्टाफ के लिए मई 2023 के बाद वीजा बढ़ाया नहीं गया है। ये कर्मचारी अब एम्बेसी छोड़ने की इजाजत मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

गनी सरकार के कार्यकाल में हुई थी मामुंडजे की नियुक्ति

भारत में मौजूद अफगानिस्तान की एम्बेसी को फरीद मामुंडजे हेड करते हैं, जो फिलहाल लंदन में हैं। मामुंडजे को सबसे पहले अफगानिस्तान की पिछली सरकार ने अपॉइंट किया था। इसके बाद अप्रैल 2023 में ट्रेड काउंसलर कादिर शाह ने भारत के विदेश मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर बताया था कि मामुंडजे को एक्टिंग एम्बेसडर (थोड़े समय के लिए एम्बेसडर) के तौर पर नियुक्त किया गया है।

बाद में तालिबान सरकार ने इस बात की पुष्टि की थी। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अब तक अलग-अलग देशों में मौजूद करीब 14 मिशन्स को अपने कब्जे में ले चुकी हैं। इन सब जगहों पर उन्होंने अपने राजदूत को चुनकर भेज दिया है। हालांकि, भारत में अब तक ऐसा नहीं हुआ है।

दूसरी तरफ, भारत ने 2021 में ही तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान में अपनी एम्बेसी को बंद कर दिया था। हालांकि, वहां मानवीय मदद पहुंचाने के लिए एक टेक्निकल टीम काम करती हैं।

मान्यता की मांग कर रहा तालिबान

तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से वो लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। जुलाई के आखिरी हफ्ते में तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने अल-अरेबिया न्यूज चैनल को एक इंटरव्यू दिया था।

इस दौरान उन्होंने कहा था- सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है।

टीवी शो के दौरान इमरान खान और नवाज शरीफ के प्रतिनिधियों के बीच चले लात-घूंसे

करांची, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान न्यूज चैनलों में पैनेलिस्टों को आपस में झगड़ते और हाथापाई करते हुए देखा गया है। स्टूडियों में झगड़ो की वीडियो अकसर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखने को मिल जाती है। ऐसा ही कुछ एक बार फिर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहां पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल-एन)- का प्रतिनिधित्व करने वाले सीनेटर अफनान उल्लाह खान और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान के वकील शेर अफजल खान मारवत को आपस में लड़ते हुए देखा गया।

टीवी शो में चले लात घूंसे

एक राजनीतिक बातचीत के दौरान दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों के बीच मुद्दा गरमा गया, और फिर दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। स्टूडियो में चलने वाले इस झड़प को देखकर दर्शक और अंकर दोनों ही हैरान रह गए। मशहूर टीवी एंकर जावेद चौधरी के शो 'कल तक' में पीएमएल-एन के प्रतिनिधि ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में अपशब्द कह रहे थे, जिसे सुनकर इमरान खान के वकील मारवत अपना आपा खो बैठे। वह अपनी सीट से उठे और अफनान उल्लाह खान को मारने लगे।

दोनो प्रतिनिधियों दी प्रतिक्रिया

दोनों के बीच मारपीट इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि वहां मौजूद टीवी क्रू को हस्तक्षेप करना पड़ा। टीवी क्रू ने दोनों को अलग किया, लेकिन इसके बाद भी दोनों एक के खिलाफ अपशब्द बोलते दिखे। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पीएलएम-एन के सीनेटर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि मारवत ने उनपर हमला किया था। उन्होंने आग कहा, 'मैं अहिंसा में विश्वास रखता हूं, लेकिन मैं नवाज शरीफ का सिपाही हूं। मैंने मारवत की जो पिटाई की है, वह इमरान खान और पूरे पीटीआई के लिए एक सबक है।' वहीं दूसरी तरफ इमरान खान के वकील मारवत ने सोशल मीडिया पर टीवी एंकर द्वारा गलत जानकारी फैलना का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'वह अफवाह फैला रहे हैं कि मेरा प्रतिद्वंद्वी एक सुपरमैन था। वह सच्चाई नहीं बता रहे हैं कि अफनान उल्लाह खान स्टूडियो से भाग गए थे और पास के कमरे में जाकर शरण ली थी।' उन्होंने यह भी बताया कि वह आपराधिक और मानहानी का मामला दर्ज करने की योजना बना रहे हैं।

पाकिस्तान में एक दिन में 2 फिदायीन हमले, 59 मौतें

नमाज और ईद-ए-मिलाद के जुलूस में हुए धमाके, बलूचिस्तान में ही 55 की जान गई

इस्लामाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में शुक्रवार को 2 जगहों पर 2 ब्लास्ट हुए। पहला धमाका बलूचिस्तान के मस्तुंग शहर में एक मस्जिद के पास हुआ। ये आत्मघाती हमला था। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इसमें एक डीएसपी समेत 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल हुए हैं। हमले के वक्त लोग ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के जुलूस के लिए इकट्ठा हो रहे थे। दूसरा धमाका खैबर पख्तूनख्वा के हंगू शहर की मस्जिद में हुआ। ये भी फिदायीन हमला था। पाकिस्तानी मीडिया 'न्यूज इंटरनेशनल' के मुताबिक, यहां एक पुलिस अफसर समेत 4 लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा- मस्जिद में नमाज पढ़ी जा रही थी तभी धमाका हुआ। इसके बाद मस्जिद की छत गिर गई। यहां 30-40 लोग मलबे में दबे हुए हैं। 12 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। बलूचिस्तान के चीफ मिनिस्टर ने पूरे प्रांत में 3 दिन के शोक का ऐलान किया है। हमले को बलूचिस्तान में एक्टिव आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी से जोड़कर देखा जा रहा था लेकिन टीटीपी ने कहा है कि इस विस्फोट के पीछे उनका हाथ नहीं है। उन्होंने इस हमले की निंदा की है। हमारा मकसद साफ है कि हम मस्जिद और पब्लिक गैदरिंग को निशाना नहीं बनाते हैं।

पहला धमाका बलूचिस्तान के मस्तुंग शहर में हुआ। यहां के असिस्टेंट कमिश्नर ने बताया कि ब्लास्ट डीएसपी नवाज गिशकोरी की कार के पास हुआ। जियो न्यूज के मुताबिक, हमले में जिस पुलिस ऑफिसर की मौत हुई है वो डीएसपी नवाज ही हैं।

बलूचिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री जन अचकजई ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया है। जरूरत पड़ी तो उन्हें कराची शिफ्ट किया जाएगा। घायलों के इलाज की पूरी जिम्मेदारी सरकार उठाएगी।

खैबर में पुलिस ने एक धमाका रोका

पहले खबर थी कि हंगू शहर में दो धमाके हुए। एक पुलिस स्टेशन के बाहर और एक मस्जिद के अंदर। अब पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी है कि पुलिस स्टेशन के बाहर धमाका नहीं हुआ। वहां पुलिस अफसरों ने धमाके से पहले ही स्टेशन के अंदर घुस रहे एक आतंकी को मार गिराया। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस अधिकारियों ने कहा- दो आतंकी पुलिस स्टेशन में घुसने की कोशिश कर रहे थे। एक को हमने मार गिराया और दूसरा फरार हो गया। भागने वाला ये आतंकी सुसाइड बॉम्बर था, जिसने पास की मस्जिद में हमला कर दिया। बलूचिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री जन अचकजई ने कहा- हमारे दुश्मन विदेशी ताकतों की मदद से बलूचिस्तान में धार्मिक जगहों को निशाना बनाकर शांति भंग करना चाहते हैं। इस तरह के हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। बलूचिस्तान में सरकार के मंत्रियों और दूसरे कई नेताओं ने हमले की निंदा की है।

यूरोप जहरीले जहाज बांग्लादेश के समुद्र तटों पर छोड़ रहा

3 सालों में 520 शिप डंप किए, इससे लंग कैंसर, जानलेवा बीमारियां होने का खतरा

ढाका, 29 सितंबर (एजेंसियां)। यूरोप की मरीनटाइम कंपनियां पुराने हो चुके जहाजों को बांग्लादेश के समुद्र तटों पर डंप कर रही हैं। ये बेहद खराब हालत में हैं। इनसे वॉटर पॉल्यूशन बढ़ रहा है और ये लोगों के लिए भी खतरनाक साबित हो रहे हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) का कहना है कि ये जहाज किसी जहर से कम नहीं हैं। इनकी हालत इतनी खराब है कि इनको शिपयार्ड तक ले जाने वाले और इनके पार्ट्स को अलग करने वाले वर्कर्स की मौत हो रही है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ओएसएचई फाउंडेशन चैरिटी के डायरेक्टर रिपुन चौधरी का कहना है कि बांग्लादेशी तटों पर डंप की जाने वाली शिप में अजबेस्टो (अदह) नाम का खनिज होता है। इससे लंग कैंसर और कई जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं।

दूसरी तरफ, बांग्लादेश की शिपब्रेकिंग कंपनियां मजदूरों की सुरक्षा के लिए कोई कदम नहीं उठा रही हैं। बांग्लादेश के सीताकुंड तट पर पुराने जहाजों को तोड़ने का काम किया जाता है। ये दुनिया के सबसे बड़े शिपब्रेकिंग याड्र्स में से एक है। यहां लोहे को पिघलाकर स्टील बनाया जाता है, जो काफी सस्ता होता है। यहीं पर यूरोप की मरीनटाइम कंपनियां अपनी खराब हो चुके शिप को छोड़ रही हैं। एचआरडब्ल्यू के मुताबिक, यूरोपीय कंपनियों ने सीताकुंड तट पर 2020 से अब तक 520 जहाज छोड़े हैं। यहां हजारों वर्कर्स बिना प्रोटेक्टिव गियर के इन जहाजों को तोड़ते हैं। एचआरडब्ल्यू रिसर्चर जूलीया ब्लेक्नर का कहना है कि याड्र्स में जहाजों को कबाड़ में बदलने वाली बांग्लादेशी कंपनियां लोगों के जीवन और पर्यावरण की परवाह किए बिना सिर्फ प्रोफिट के बारे में सोच रही हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, सीताकुंड शिपब्रेकिंग यार्ड में काम करने वाले मजदूरों ने एचआरडब्ल्यू को बताया कि शिपब्रिकिंग यार्ड में किसी तरह की सुविधा नहीं मिलती। मजदूर पिघलते हुए लोहे से जले न इसलिए हाथों में मोजे पहन लेते और नंगे पैर काम करते हैं। जहाजों को तोड़ते समय निकलने वाली जहरीली हवा से बचने के लिए मुंह पर शर्ट बांध लेते हैं। उन्होंने बताया कि कई बार लोहे के टुकड़ों से चोट लग जाती है और कई बार तो वो शिप में लगे पाइप फटने से वो अंदर ही फंस जाते हैं। बावजूद इसके उन्हें सेफ्टी गियर नहीं दिए जाते।

इन्वायरमेंट ग्रुप यंग पावर इन सोशल एक्शन के मुताबिक, सीताकुंड शिपब्रेकिंग यार्ड में 2019 से अब तक 62 मजदूरों की मौत हो चुकी है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, पिछले हफ्ते शिप को तोड़ते समय दो मजदूर उससे गिर गए थे। दोनों की मौत हो गई थी। ओएसएचई फाउंडेशन चैरिटी के डायरेक्टर रिपुन चौधरी ने कहा- हमारे ऑर्गेनाइजेशन ने शिपब्रेकिंग यार्ड के 110 मजदूरों की हेल्थ को स्टडी किया।

इसमें सामने आया कि 33 मजदूर किसी तरह के जहरीले पदार्थ के संपर्क में आए थे।

मेडिकल कॉलेज के क्लासरूम में गोलीबारी

ऐम्स्टर्डैम, 29 सितंबर (एजेंसियां)। नीदरलैंड के रोटरडैम शहर में स्थानीय समय के मुताबिक गुरुवार दोपहर मेडिकल कॉलेज के क्लासरूम में गोलीबारी हुई। इसके बाद वहां आग लग गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। ये आंकड़ा बढ़ सकता है।

बीबीसी के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि गुरुवार को जिनकी मौत हुई उसमें एक 39 साल की एक महिला और 42 साल का टीचर शामिल थे। वहीं, मरने वाली महिला की 14 साल की बेटी को भी गोली लगी थी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अब पुलिस चीफ फ्रेड वेस्टरबेके ने कहा कि बच्ची की भी मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक- मिलिट्री यूनिफॉर्म पहने एक शख्स ने गन से यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के क्लासरूम में फायरिंग की। संदिग्ध आरोपी की उम्र 32 साल बताई जा रही है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। लोकल मीडिया के मुताबिक, मेडिकल कॉलेज में गोलीबारी के बाद आग लग गई।

वहीं, एपी की रिपोर्ट के मुताबिक मेडिकल कॉलेज के पास एक घर में भी फायरिंग हुई। पुलिस फिलहाल इस बात का पता लगा रही है कि ये दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं।

चीन और सऊदी अरब के आगे गिड़गिड़ाया कंगाल पाकिस्तान

मांगी 11 अरब डॉलर की भीख

इस्लामाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। कंगाल पाकिस्तान ने एक बार फिर से सऊदी अरब और चीन से कर्ज की भीख मांगी है। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने घरेलू और विदेशी मुद्रा भंडार के अंतर को पाटने की कोशिश में चीन और सऊदी अरब से 11 अरब अमेरिकी डॉलर की मदद मांगी है। पाकिस्तान चाहता है कि देश में निर्वाचित सरकार के गठन तक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का बेलआउट कार्यक्रम पटरी पर रहे। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तन ने कार्यवाहक सरकार के खुदरा, कृषि और रियल एस्टेट क्षेत्रों में कर दायरे को प्रभावी ढंग से विस्तारित करने और अवैध मुद्रा की आवाजाही के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के दबाव के बीच यह मांग की है।

'द डॉन' अखबार में प्रकाशित खबर में कहा गया है कि यह जानकारी इस्लामाबाद में बृहस्पतिवार को सीनेटर सलीम मांडवीवाला की अध्यक्षता में वित्त और राजस्व पर सीनेट की स्थायी समिति के समक्ष कार्यवाहक वित्त मंत्री शमशाद अख्तर द्वारा जारी एक विस्तृत नीति बयान का हिस्सा है।

भारतीय छात्रा की मौत के बाद मजाक करने वाले पुलिस अधिकारी को गश्त ड्यूटी से हटाया गया

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। सिएटल पुलिस के एक अधिकारी को गश्त ड्यूटी से हटा दिया गया है, उस पर इस साल की शुरुआत में 23 वर्षीय भारतीय छात्रा की भयावह मौत के बारे में मजाक या जोक करने का आरोप है। जाह्नवी कंडुला की जनवरी में सड़क पार करते समय तेज रफ्तार पुलिस कार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। द सिएटल टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विभाग ने गुरुवार को ईमेल से पुष्टि की कि अधिकारी डैनियल ऑडरर को प्रशासनिक रूप से एक गैर-परिचालन पद पर फिर से नियुक्त किया गया है। ऑडरर एसपीडी के यातायात दस्ते के सदस्य और सिएटल पुलिस ऑफिसर्स गिल्ड के उपाध्यक्ष थे।

पुलिस विभाग ने इस महीने की शुरुआत में एक बॉडी-कैम से फुटेज जारी किया था, जिसमें ऑडरर को घातक दुर्घटना के बारे में हंसी मजाक करते हुए देखा जा सकता है। पहले पुलिस ने ऐसे किसी भी निहितार्थ को खारिज कर दिया था कि मामले में एक अन्य अधिकारी केविन डेव की गलती हो सकती है या आपराधिक जांच की आवश्यकता है।

डेव 23 मील प्रति घंटे के क्षेत्र में 74 मील प्रति घंटे (लगभग 119 किमी प्रति घंटे) की गति से ओवरडोज और ड्राइविंग की रिपोर्ट के बाद प्रतिक्रिया दे रहे थे तभी, कंडुला गाड़ी की चपेट में आ गई जिसे 25 फीट से अधिक दूर जाकर गिरी। वीडियो फुटेज में जांच में शामिल ऑडरर को कंडुला को 'नियमित व्यक्ति' बताते हुए दिखाया गया है और सुझाव दिया गया है कि विभाग को 'चेक लिखने' चाहिए। 11000 डॉलर का चेका। उन्होंने कंडुला की उम्र को गलत बताते हुए कहा उसकी उम्र 26 साल थी।

लगभग 15 दिन पहले, सिएटल सामुदायिक पुलिस आयोग ने शहर के पुलिस प्रमुख को ऑडरर को ड्यूटी से मुक्त करने और उनके वेतन को रोकने की सिफारिश की थी। इससे पहले पिछले हफ्ते हिंदू समुदाय के करीब 25 सदस्यों ने डेनी पार्क में आसमान में बादल छाए रहने के बीच कंडुला के लिए प्रार्थना समारोह का आयोजन किया था। सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस महीने की शुरुआत में कंडुला की मौत से निपटने के तरीके पर चिंता जताई थी और इसे 'बेहद परेशान करने वाला' बताया था।

उन्होंने कहा, 'हमने इस दुखद मामले में शामिल लोगों के खिलाफ गहन जांच और कार्रवाई के लिए इसे सिएटल और वाशिंगटन राज्य में स्थानीय अधिकारियों के साथ-साथ वाशिंगटन डीसी में वरिष्ठ अधिकारियों के सामने मजबूती से उठाया है। वाणिज्य दूतावास और दूतावास सभी संबंधित अधिकारियों के साथ इस मामले पर बारीकी से नजर रख रहा है।

खुली स्थिति में फंसा लंदन का टावर ब्रिज

सड़कों पर लगा ट्रैफिक जाम, आधे घंटे तक यातायात बाधित

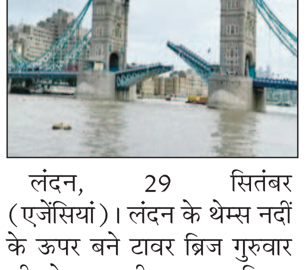

लंदन, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन के थेम्स नदीं के ऊपर बने टावर ब्रिज गुरुवार की दोपहर करीब 1.15 मिनट पर एक नाव को वहां से गुजरने की अनुमति देने के बाद खुली स्थिति में फंस गया। इससे यातायात काफी समय के लिए बाधित रहा। दरअसल, बार्ज नाव को ब्रिज के नीचे से गुजरना था, जिस वजह से उसे खोला गया। हालांकि, इससे बाद ब्रिज को बंद करने में बाधा आई, जिससे लंदन की सड़को में ट्राफिक जाम लग गया। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि करीब आधे घंटे बाद ब्रिज को बंद किया गया।

मीडिया से बात करते हुए एक व्यक्ति ने बताया, 'ब्रिज को खुली स्थिति में देखकर पहले बहुत अच्छा लग रहा था, लेकिन इसे एक अलग नजर से देखे तो अंदाजा लगेगा कि इससे कितना मुश्किल हो सकता है। मैं थोड़ी देर वहां रूका था और इतने में बहुत बड़ा जाम लग गया, जिसमें दो पर्यटन बस भी शामिल था।' काफी देर इंतजार करने के बाद ब्रिज को बंद किया गया। ब्रिज बंद होते ही वहां मौजूद लोग झूम उठे। उन्होंने आगे कहा, 'मैं भी यह नजारा देखकर बहुत खुश हुआ। मैंने इससे पहले कभी भी पॉप-अप नहीं देखा था।

पहले गधे और दहशतगर्द, अब गिरोह बनाकर विदेश में भिखारी भेज रहा पाकिस्तान

आखिर कैसे बर्बाद हुआ देश?

इस्लामाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हालात इतने खराब हैं कि लोग यहां रहने के बजाय विदेश में भिखारी बनना पसंद कर रहे हैं। इस बात का खुलासा मध्य पूर्व देशों द्वारा पाकिस्तान को साझा किए एक रिपोर्ट से हुआ है। सरकारी रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य पूर्व में गिरफ्तार किए गए भिखारियों में से 90 फीसदी पाकिस्तानी हैं।

पहले आतंकवाद और गधों के निर्यात के लिए पाकिस्तान की फजीहत होती रही है। हाल ही में सामने आई पाकिस्तानियों की करतूतों ने फिर उसे फिर शर्मसार किया है। ऐसे में हमें जानना चाहिए कि आखिर पाकिस्तानी भिखारियों को लेकर क्या रिपोर्ट आई है? ये भिखारी विदेश कैसे पहुंच जा रहे हैं? पाकिस्तान की हालत इतनी क्यों खराब है?

पहले जानते हैं पाकिस्तानी भिखारियों को लेकर क्या रिपोर्ट आई है?

पाकिस्तान की सड़कों और चौराहों पर पेशेवर भिखारियों का गिरोह हमेशा से कुख्यात रहा है। हालांकि, यह गिरोह अब सात समंदर पार कर गया है और सऊदी अरब, इराक और उससे आगे के देशों में बढ़ती चिंता का विषय बन गया है। इस चिंता की वजह पाकिस्तानी संसद सदस्यों (सीनेटर) के साथ साझा की गई एक रिपोर्ट है।

इसके अनुसार, मध्य पूर्वी देशों में गिरफ्तार किए गए 90 फीसदी पेशेवर भिखारी पाकिस्तान से हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तानी नागरिक सऊदी अरब में मक्का मस्जिद के आसपास पॉकेटमारी जैसे अपराधों में लिप्त हैं। पिछले दिनों सीनेटर मंजूर कक्कड़ की अध्यक्षता में प्रवासी पाकिस्तानियों की स्थायी समिति की एक बैठक हुई। इस बैठक के दौरान प्रवासी पाकिस्तानियों के सचिव जुल्फिकार हैदर ने मुद्दे के समाधान के लिए कार्रवाई की कमी पर चिंता जताई। इसके साथ ही हैदर ने चौंकाने वाला खुलासा भी किया। खुलासे के मुताबिक, भिखारी गुट बनाकर पाकिस्तान छोड़ रहे हैं। ये अक्सर नावों में भरकर यात्रा करते हैं और फिर विदेश में हज यात्रियों से भीख मांगने के लिए उमरा और यात्रा वीजा का फायदा उठाते हैं। सचिव हैदर ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि इराक और सऊदी अरब की जेलों में अब बड़ी संख्या में पाकिस्तानी भिखारी रह रहे हैं, जिससे विदेशों में पाकिस्तानियों की छवि खराब हो रही है। हैदर ने कहा कि इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू विदेशी पाकिस्तानियों में विश्वास का कम होना है। उन्होंने ने अफसोस जताया कि विदेशों में पाकिस्तानियों को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है, जिससे निर्वासन की संख्या बढ़ रही है। हैदर ने बताया कि इराक और सऊदी अरब लगातार शिकायत करते हैं कि हम उनके देशों में अपराधियों को भेज रहे हैं और उनकी जेलें पाकिस्तानी भिखारियों से भरी हुई हैं।

भगवान के घर देर है अंधेर नहीं, फिर से बनेगी भाजपा सरकार : वसुन्धरा

अलवर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व सीएम वसुन्धरा वसुन्धराराजे ने कहा है कि प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार आएगी और फिर से विकास होगा। रुके हुए विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि संकट के समय भगवान हर स्तर पर भक्तों की मदद करते हैं। जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने सेन महाराज का रूप धारण कर उनकी की। भगवान कि भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती। भगवान के घर देर हो पर अंधेर नहीं होती। राजे अलवर ज़िले की बलदेवगढ़ पंचायत के बरवा डूँगरी गाँव स्थित नारायणी माता मंदिर में सेन समाज द्वारा आयोजित पदयात्रा समापन समारोह में बोल रही थी। कार्यक्रम में अलवर विधायक संजय शर्मा भी उपस्थित थे। जयपुर से अलवर जाते समय राजे का जगह-जगह स्वागत हुआ। उन्होंने कहा कि भगवान इंसान बनाता है, लेकिन उसे सुंदर इंसान सेन समाज ही बनाता है। पूर्व सीएम ने कहा कि धर्म आधारित व्यक्ति के जीवन में संघर्ष रहता है, पर जीत उसी की होती है। क्योंकि वह सबको साथ लेकर चलता है। सम्पूर्ण समाज को अपना परिवार मानता है। सेन महाराज में ऐसे ही गुण थे। राजे ने कहा कि ऐसे सैन महाराज की ज्योति लेकर हज़ारों भक्त जन पदयात्रा करते हुए यहाँ पहुँचे हैं। इस पद यात्रा में राजस्थान से ही नहीं आस-पास के प्रदेशों से भी लोग आए हैं। मध्यप्रदेश, गुजरात, यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू कश्मीर जैसे प्रांतों से लोग यहाँ दर्शन करने आते हैं।

दौसा में लगे नारे-हमारी सीएम वसुंधरा राजे जैसी हो

नारायणी धाम जाते वक्त रुकी थीं पूर्व सीएम; दावेदारों ने सौंपे बायोडाटा

दौसा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर से नारायणी माता धाम जाते वक्त पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे का सैंथल बाइपास पुलिया पर बीती रात कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

जहां उनके समर्थकों ने हमारी सीएम कैसी हो, वसुंधरा राजे जैसी हो के नारे लगाए। पूर्व सीएम ने शहर मंडल अध्यक्ष समेत कई समर्थकों से संवाद भी किया। स्वागत में भीड़ देखकर राजे गदगद नजर आईं। कई दावेदारों ने राजे को बायोडाटा भी दिए। इसके बाद वे थानागाजी इलाके में स्थित नारायणी माता धाम में आयोजित सैन समाज के विशाल मेले में शामिल होने के लिए रवाना हुई। उनके काफिले में दर्जनों वाहनों की भीड़ के चलते पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान पूर्व विधायक शंकर शर्मा, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा, भाजपा नेता लोकेश शर्मा, राजेंद्र सिंघा, सुरेश घोसी, सिकंदर पंजाबी, प्रहलाद महेश्वरा, राजाराम मीणा, सुमेर सिंह राजाहेड़ा सहित कई कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। वहीं पूर्व शिक्षा अधिकारी राजाराम मीणा ने पीली लुगड़ी से और मीनावाटी गीतों के माध्यम से पूर्व सीएम राजे का जोरदार स्वागत किया। जहां स्वागत के दौरान महिलाएं व भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

5 साल बाद पीएम मोदी सीएम के गढ़ में

सांवलिया सेठ के बाद पीएम का जोधपुर दौरा, 5 अक्टूबर को करेंगे सभा, 3 नई ट्रेन मिलेगी

जोधपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी 5 साल बाद जोधपुर आ रहे हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान में एक के बाद एक चुनावी दौरे कर रहे हैं। पीएम मोदी 2 अक्टूबर को चित्तौड़गढ़ और 5 अक्टूबर को जोधपुर के दौरे पर होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले

जोधपुर में प्रधानमंत्री मोदी कई सौगातें देंगे। वे नई ट्रेन के साथ ही डबलिंग वर्क को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही एयरपोर्ट के नए भवन का शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के जोधपुर दौरे को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा नेता व कार्यकर्ता भी इस दौरे को लेकर एक्टिव हो गए हैं। 5 अक्टूबर को पीएम के संभावित दौरे को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। पीएम के जोधपुर दौरे की तैयारियों को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सर्किट हाउस में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मीटिंग कर दिशा निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने अपने निवास स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ बैठक ली। पांच वर्ष बाद मोदी जोधपुर में फिर से चुनावी सभा करने पहुंचेंगे। इस बार भी सभा का आयोजन आयोजन रावण का चबूतरा मैदान पर होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गढ़ में जोधपुर को रेल, सड़क व एयरपोर्ट तीनों ट्रांसपोर्ट सेक्टर में विकास को गति देंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जोधपुर दौरे के दौरान जैसलमेर से नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे वहीं मारवाड़ जंक्शन से कामली घाट के लिए हेरिटेज ट्रेन की सौगात देंगे। मोदी रेलवे के दो डबलिंग प्रोजेक्ट का भी इनोग्रेशन करेंगे जिसमें कुचामन से राइकाबाग और कुचामन से डेगाना स्टेशन तक ट्रेक का दोहरीकरण होगा।

एयरपोर्ट टर्मिनल के रैनोवेशन को हरी झंडी

मोदी जोधपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल बिल्डिंग के रैनोवेशन वर्क को भी हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी जोधपुर एयरपोर्ट पर 307 करोड़ रुपए खर्च कर बनाए जा रहे हेरिटेज भवन का शिलान्यास करेंगे। जोधपुर एयरपोर्ट पर 49 एकड़ में विस्तार कार्य होगा। प्लेन की पार्किंग के लिए अप्रोन एरिया बनने के बाद 13 बे बनेंगे, इन बे पर 13 फ्लाइट एक साथ खड़ी हो सकेंगी। जोधपुर आईआई टी में आयोजित कार्यक्रम डेडिकेटिंग आईआईटी टू नेशन का इनॉगरेशन करेंगे। आईआईटी के इस कार्यक्रम का सभा स्थल से वर्चुअल इनॉगरेशन भी हो सकता है।

गहलोत के विरुद्ध लड़ने की अटकलों पर लगा विराम

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनके विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं को खारिज कर दिया। बुधवार मध्य रात्रि भाजपा की बैठक से बाहर आते समय संवाददाताओं ने जब शेखावत से पूछा कि आपको मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ चुनाव लड़वाने की चर्चाएं चल रही हैं। इस पर उन्होंने कहा कि पार्टी का निर्णय तो पार्टी जाने, कौन चुनाव लड़ेगा? ये पार्टी संसदीय बोर्ड तय करेगा, लेकिन फिलहाल इस पर कोई चर्चा नहीं हुई। शेखावत ने कहा कि बैठक में राजस्थान में आगामी चुनाव संबंधी विचार हुआ। सारी परिस्थितियों और क्षेत्रों पर चर्चा हुई। चुनाव में क्या समीकरण बनेंगे? उस पर भी चर्चा हुई। चुनाव के हालात पर भी चर्चा हुई। वर्तमान सरकार के हालात पर भी चर्चा हुई। समाज और प्रदेश में व्याप्त मुद्दों पर भी चर्चा हई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार सबसे भ्रष्टाचारी सरकार है। भ्रष्टाचार के विषय पर भी बहुत विस्तार से चर्चा हुई। आने वाले चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में मेरे चुनाव लड़ने संबंधी कोई चर्चा नहीं हुई।

1 अक्टूबर से फिर हड़ताल पर जाएंगे पेट्रोल पंप संचालक

बोले-सरकार ने 10 दिन में हल निकालने का कहा था, 13 दिन हो गए

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पेट्रोल पंप संचालक 1 अक्टूबर से फिर हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने कहा है कि पेट्रोल और डीजल पर बढ़ते हुए वैट पर सरकार ने 10 दिन में समाधान करने के लिए कहा था। 13 दिन बाद भी समाधान नहीं निकला है। इससे परेशान होकर 1 अक्टूबर को सुबह 6 से शाम 6 बजे तक सांकेतिक हड़ताल करेंगे। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई तो 2 अक्टूबर को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। दरअसल, एसोसिएशन की ओर से वैट कम करने समेत अन्य मांगें की जा रही हैं।

इसके लिए 13 और 14 सितंबर को दो दिन की सांकेतिक हड़ताल की गई थी, लेकिन सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आने के बाद 15 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की गई।

15 सितंबर को ही सरकार से बातचीत के दौरान मिले आश्वासन के बाद इस हड़ताल को स्थगित कर दिया गया था। राजेंद्र सिंह भाटी ने बताया- हमारे साथ 15 सितंबर को सचिवालय में राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। इसमें हमारी पेट्रोल और डीजल पर बढ़े हुए वैट समेत कई मांगों पर 10 दिनों में समाधान की बात कही गई थी। बातचीत के 13 दिन बाद भी किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया। सरकार के रवैये से परेशान होकर एसोसिएशन एक बार फिर से हड़ताल पर जाने को मजबूर है।

भाटी ने कहा-डीलर्स गुरुवार से प्रत्येक जिले में ज्ञापन दे रहे हैं। साथ ही अब रात 8 से 10 बजे तक पंप की लाइट बंद कर बिक्री नहीं की जा रही। इस पर भी यदि राजस्थान सरकार सुनवाई नहीं करती है तो 1 अक्टूबर सुबह 6 से शाम 6 बजे तक सांकेतिक हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी संज्ञान नहीं लिया जाता है तो 2 अक्टूबर से डीलर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे।

इंस्टा पर गर्लफ्रेंड को मैसेज कर फंदे पर झूला युवक

लिखा-आई लव यू जान मैं सुसाइड कर रहा हूं आज ये बात सच हो जाएगी

गंगापुर सिटी, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लव अफेयर के चलते एक युवक ने पहले गर्लफ्रेंड को मैसेज किया और इसके बाद दुपट्टे का फंदा बनाकर सुसाइड कर लिया। उसने इंस्टा चैट में लिखा-आई लव यू जान मैं सुसाइड कर रहा हूं, आज ये बात हकीकत हो जाएगी। मामला गंगापुर सिटी के मेहंदीपुर बालाजी क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 5 बजे का है। मृतक अंकेश मीना (20) टोडाभीम थाना क्षेत्र के होदकापुरा का रहने वाला था। और, तीन दिन पहले ही मेहंदीपुर बालाजी कस्बे में बनी सागर धर्मशाला में काम करने आया था। गुरुवार रात युवक ने करीब 1 बजे तक किसी लड़की से सोशल मीडिया पर बात की थी। इस दौरान उसने लड़की को इंस्टा पर आखिरी मैसेज किया। इसके बाद युवक ने रूम को अंदर से लॉक कर दुपट्टा लेकर पंखे से फंदा बना अपनी जान दे दी। धर्मशाला संचालक सागर सिंह ने बताया कि तीन पहले ही धर्मशाला पर काम करने आया था। इस दौरान युवक रोजाना किसी लड़की के लिए जान देने की बात करता था। ऐसे में उसे समझाते भी थे। लेकिन, युवक ने सुसाइड की बात को हकीकत में बदल दिया। शुक्रवार तड़के सुबह कुछ कस्टमर धर्मशाला में रूम लेने आए तो रूम देने के लिए धर्मशाला के अन्य स्टाफ ने गेट बजाया तो गेट अंदर से लॉक था। इस दौरान खिड़की से देखने पर अंकेश पंखे पर लटका दिखा।

सीनियर आईएएस वीनू गुप्ता रेरा की चेयरपर्सन बनीं

अप्रैल से खाली पड़ा हुआ था पद, 5 साल का रहेगा कार्यकाल

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने देर रात सीनियर आईएएस ऑफिसर वीनू गुप्ता को राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) का चेयरपर्सन बनाया है। ये पद अप्रैल में एनसी गोयल के पद से हटने के बाद से खाली पड़ा था। वीनू गुप्ता वर्तमान में एमएसएमई में अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर नियुक्त हैं। वे इसी साल रिटायर्ड होने वाली हैं।

नगरीय विकास विभाग से जारी आदेशों में वीनू गुप्ता का कार्यकाल 5 साल या 65 की उम्र पूरी होने तक रहेगा। इसमें से जो भी पहले हो। वीनू गुप्ता को पहले मुख्य सचिव बनाए जाने की चर्चा थी, लेकिन मौजूदा मुख्य सचिव ऊषा शर्मा का कार्यकाल राज्य सरकार ने 6 माह के लिए बढ़ा दिया। इसके कारण वीनू गुप्ता का मुख्य सचिव बनने का मौका रह गया। बता दें कि राज्य में बिल्डरों की मनमानी को रोकने और लोगों को समय पर बिना धोखाधड़ी के आवास मिल सके इसी उदेश्य से सरकार ने रेरा का गठन किया था।

दिसंबर में होंगी सेवानिवृत

वीनू गुप्ता 1987 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। इसी साल दिसंबर में उनका रिटायरमेंट है। अगले सप्ताह किसी भी दिन केन्द्रीय निर्वाचन आयोग राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर सकता है। ऐसे में इससे पहले गुप्ता को नियुक्ति जारी की गई। गुप्ता इससे पहले राज्य सरकार में एसीएस मेडिकल हेल्थ, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की चेयरपर्सन, कमिश्नर प्राइमरी एजुकेशन काउंसिल के अलावा कई अन्य विभागों में अहम पदों पर रह चुकी हैं। राज्य सरकार ने वीनू गुप्ता के पति और पूर्व सीनियर आईएएस अधिकारी डीबी गुप्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी दी थी। मुख्य सचिव पद से रिटायर्ड होने के बाद गहलोत सरकार ने डीबी गुप्ता को मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया था। डीबी गुप्ता भाजपा और कांग्रेस की सरकार में मुख्य सचिव पद पर रहे थे।

रामदेवरा मेले में श्रद्धालुओं से मारपीट

महिलाओं और बच्चों पर भी किया हमला, इस बात पर हुआ विवाद

जैसलमेर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पोकरण बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं के साथ बुरी तरह से मारपीट करने का मामला सामने आया है। बाड़मेर जिले के खारिया तला गांव के लोग रामदेवरा आए थे। इस दौरान बिड़ला धर्मशाला के पास लगे बैरियर के पास पार्किंग शुल्क को लेकर स्थानीय निवासियों के साथ कहासुनी हो गई। इस घटना में श्रद्धालुओं से 15 लोगों ने जमकर मारपीट की।

पार्किंग शुल्क की अवैध वसूली के विरोध के बाद श्रद्धालु यात्री अपनी गाड़ी छोड़कर बाजार की तरफ आ गए थे। इस दौरान पार्किंग ठेकेदार के लगभग 15 लोगों ने उनका पीछा कर चाचा चौक में टीन शेड के नीचे प्रसाद की दुकान के आगे एकजुट होकर बुरी तरह से मारपीट करनी शुरू कर दी और उनको घायल कर दिया। पीड़ित यात्री कुंभाराम ने बताया कि हमलावरों ने साथ आई महिलाओं के साथ भी मारपीट की। जिसके कारण उनको भी चोटें आई हैं। हमलावरों बच्चे को भी नहीं बक्शा। उनके साथ भी मारपीट की गई। हमले से यात्रियों को कई जगहों पर चोटे आई हैं। घटना की सूचना पीड़ितों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

15 छात्राएं टंकी पर चढ़कर बोलीं-एनसीसी में भर्ती करो

कॉलेज प्रशासन ने किया इनकार; एमएसजे कॉलेज का है मामला

भरतपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के एमएसजे कॉलेज की 15 छात्राएं शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे मथुरा गेट थाना इलाके स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गईं। छात्राओं की मांग है कि उन्हें एनसीसी में भर्ती किया जाए। पहले कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं से एनसीसी भर्ती के लिए फॉर्म भरवाए, बाद में छात्राओं से कह दिया कि राज्य सरकार ने एनसीसी में छात्राओं की भर्ती के लिए मना कर दिया है।

एक साथ 15 छात्राओं के टंकी पर चढ़ने की सूचना से प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर तुरंत मथुरा गेट थाना पुलिस, सीओ नगेंद्र सिंह, एसडीएम, सिविल डिफेंस की टीम, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। सभी छात्राएं अपनी स्कूटी से पानी की टंकी पर पहुंची थीं। टंकी पर चढ़ी छात्राएं फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट हैं। एमएसजे कॉलेज की ये छात्राएं एनसीसी में भर्ती होना चाहती हैं। छात्राओं का कहना है- कॉलेज प्रशासन के पास कोई महिला टीचर ट्रेनर नहीं हैं। पहले तो कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं से एनसीसी में भर्ती होने के लिए फॉर्म भरवा लिए, लेकिन जब फिजिकल हुआ तो छात्राओं से मना कर दिया गया कि

एनसीसी में छात्राओं को नहीं लिया जाएगा। जब छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन से भर्ती न करने की वजह पूछी तो उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने छात्राओं को भर्ती करने से मना किया है। इसके बाद छात्राएं गुस्सा हो गईं। शुक्रवार सुबह से करीब 20 छात्राएं विरोध में भरतपुर की पानी टंकियों पर घूमती रहीं। बाद में 15 छात्राएं कृष्णा नगर स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गईं। टंकी के चारों तरफ जाल बांधा गया है। प्रशासन लगातार छात्राओं से टंकी से नीचे उतरने की अपील कर रहा है।

थाना प्रभारी और उसके साथी पर महिला से दुष्कर्म का आरोप

अश्लील फोटो किए वायरल, तीन पर केस दर्ज

भरतपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। डीग जिले के कैथवाड़ा थाना प्रभारी कमरूद्दीन खान के कुछ दिन पहले एक महिला के साथ सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो वायरल हुए थे। यह फोटो सरकारी क्वार्टर के थे। फोटो वायरल होते ही डीग एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया था। इस मामले में थाना प्रभारी के साथ फोटो में दिख रही महिला के परिजनों ने कैथवाड़ा थाने में थाना प्रभारी सहित तीन लोगों के खिलाफ नाम दर्ज मामला दर्ज कराया है।

पीड़िता के भाई ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि चार-पांच दिन पहले कैथवाड़ा थाना अधिकारी कमरुद्दीन खान के सरकारी आवास पर एक महिला के साथ अश्लील फोटो और वीडियो वायरल होने का मामला सामने आया था। थाना प्रभारी के साथ जो महिला फोटो में दिख रही है वह मेरी बहन है। जिसको थाना क्षेत्र के गांव नगला का आराम सिंह निवासी ईशाक पुत्र मन्नू लड़कियों की सप्लाई करने वाला दलाल है, जो मेरी बहन को थाने में दर्ज एक मामले में मदद के बहाने से बहला फुसलाकर कैथवाड़ा थाना प्रभारी कमरूद्दीन खान के सरकारी आवास पर ले गया। वहां थाना प्रभारी के साथ ईशाक ने बारी- बारी गलत काम किया और फोटो खींचने के साथ-साथ वीडियो भी बना लिया। ये वीडियो ईशाक के पुत्र राहुल ने 25 सितंबर को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

जयपुर में महिला की सिर फोड़कर हत्या

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में शुक्रवार सुबह एक महिला का अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला की हत्या कर लाश को सड़क किनारे फेंका गया है। वहीं, दावा किया जा रहा है कि पहचान छिपाने के लिए ज्वलनशील पदार्थ डालकर बॉडी जलाई गई है।

एसीपी (बस्सी) फूलचन्द मीना ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे कानोता के पापड़ गांव में सड़क किनारे महिला की अधजली लाश मिली है। कानोता थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए।

प्रचार के लिए हेलीकॉप्टर की मारामारी-नेताओं को नहीं मिल रही बुकिंग

जयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी विधानसभा चुनाव के चलते प्रदेश के नेताओं ने हेलीकॉप्टर्स की प्री-बुकिंग करवा ली है, जिसके कारण डिमांड सप्लाई में बड़ा गैप आ गया है और किराया आसमान पर पहुंच गया है। पहले जो किराया पांच लाख था वो चुनाव के चलते 12 लाख रुपये हो चला है।

बड़े नेताओं ने हेलीकॉप्टर की बुकिंग एडवांस में करवाई

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने डबल इंजन हेलीकॉप्टर की बुकिंग कराई है। मंत्री लेवल के अधिकांश नेताओं ने भी डबल इंजन हेलीकॉप्टर की बुकिंग करवाई है। तीन घंटे के लिए 12 लाख रुपये किराया देना होता है। पोस्टर फेंकने के लिए सिंगल इंजन हेलिकॉप्टर काम में लिए जाएंगे, जिसका किराया करीब दो लाख रुपये प्रतिघंटा है।

इन नेताओं के होंगे हवाई दौरे

हवाई यात्रा करने वालों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल, बीजेपी नेता राजेंद्र राठौड़, रामलाल जाट और कई मंत्री और विधायक शामिल हैं।

कोई भी हेलीकॉप्टर खाली नहीं

सोहन सिंह, ए वन हेलीकॉप्टर के अनुसार, चुनाव से पहले सभी हेलीकॉप्टर्स की बुकिंग की जा चुकी है। वर्तमान में चुनाव के लिए कोई अवैलेबिलिटी नहीं है। सामान्य दिनों की बजाय किराया डेढ़ से दोगुना है, मगर हेलीकॉप्टर उपलब्ध नहीं होने के चलते सभी नेताओं को बुकिंग के लिए मना करना पड़ रहा है।

पॉक्सो में सहमति से संबंध की उम्र 18 ही रहे

अभिभावक हथियार की तरह कर रहे इस्तेमाल, लॉ कमीशन ने सरकार को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। बच्चों को यौन हिंसा से संरक्षित करने वाले कानून पॉक्सो एक्ट 2012 के विभिन्न पहलुओं की गहन पड़ताल के बाद लॉ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट कानून मंत्रालय को सौंप दी है। लॉ कमीशन की बैठक 27 सितंबर को हुई थी। इसमें आयोग ने कानून की बुनियादी सख्ती बरकरार रखने की हिमायत की है। यानी आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाने की न्यूनतम उम्र 18 साल बनाए रखने की बात कही गई है। हालांकि, इसके दुरुपयोग से जुड़े मामलों को देखते हुए कुछ सेफगार्ड लगाए गए हैं।

इस कानून के इस्तेमाल को लेकर कराए गए अध्ययनों से पता चला कि लड़कियों को मर्जी से विवाह करने के फैसले लेने के खिलाफ अभिभावक इसका इस्तेमाल हथियार की तरह कर रहे हैं। सहमति से संबंध रखने वाले कई युवकों को इस कानून का

ऋतुराज अवस्थी
अध्यक्ष, लॉ कमीशन

शिकार होना पड़ा है। ऐसे में मांग उठी थी कि, सहमति से संबंध रखने की उम्र घटाई जानी चाहिए।

दोनों की उम्र में 3 साल या अधिक का अंतर तो अपराध ही माना जाए

सूत्रों के अनुसार, जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाले लॉ कमीशन ने यौन संबंध बनाने वाले अवयस्कों के बीच सहमति के बावजूद इस बात पर गौर करने को कहा है कि दोनों की उम्र का अंतर अधिक न हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर उम्र का फासला 3 साल या उससे अधिक है तो इसे अपराध की श्रेणी में मानना चाहिए।

सहमति को 3 पैमानों पर परखने की सिफारिश, तभी अपवाद मानें

1. अपवाद मानते समय देखा जाए कि सहमति भय या प्रलोभन पर तो आधारित नहीं थी?

2. ड्रग का तो इस्तेमाल नहीं किया गया?

3. यह सहमति किसी प्रकार से देह व्यापार के लिए तो नहीं थी?

ढील देने के बजाय बेजा इस्तेमाल रोका जाए

आयोग ने उम्र के प्रावधान को 18 ही रखने की सिफारिश करते हुए रिपोर्ट में कई तरह की राहत और अपवाद रखने के सुझाव दिए हैं। अपवाद सामने रखते समय रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि इस तरह के मामलों में सहमति से संबध रखने वाले युवक-युवतियों का अतीत देखा जाए और उसके आधार पर तय किया जाए कि यह सहमति स्वैच्छिक थी या नहीं। उनके रिश्तों की मियाद क्या थी। आयोग के सूत्रों के अनुसार, मूल मकसद यह रखा गया है कि कानून में ढील देने के बजाय इसके बेजा इस्तेमाल को रोका जाए। इसके लिए हर मामले के आधार पर अदालतों को उनके विवेकाधिकार से निर्णय लेने का दायरा बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू के खिलाफ अहमदाबाद में एफआईआर

अहमदाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवन्त पन्नू के ख़िलाफ़ अहमदाबाद साइबर सेल में एफ़आईआर दर्ज की गई है। पन्नू ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले वर्ल्ड कप के क्रिकेट मैच में हमले की धमकी दी थी।

आतंकी पन्नू ने प्री-रिकॉर्डेड मैसेज वीडियो में कहा था कि पीएम मोदी शहीद निज्जर की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं और सिख फॉर जस्टिस इस हत्या का बदला लेगा। 5 अक्तूबर को अहमदाबाद में होने वर्ल्ड कप के मैच हमारे टारगेट होंगे। पन्नू ने धमकी भरे मैसेज में भारत-पाकिस्तान मैच को निशाना बनाने और अहमदाबाद स्टेडियम में खालिस्तानी झंडा फहराने की बात कही है। दावा किया जा रहा है कि इस ऑडियो का खुलासा खुद पन्नू ने किया है। बता दें, इससे पहले भी पन्नू ने 15 अगस्त और जी-20 समिट में गड़बड़ियां फैलाने की धमकियां दी थीं। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने कुछ लोगों को अरेस्ट भी किया था।

एलआईसी, दक्षिण मध्य क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का समापन

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम, दक्षिण मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाडे का आयोजन भारत सरकार , राजभाषा विभाग के निर्देशों के अनुरूप धूमधाम से किया गया। हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के अवसर पर हुआ था। हिंदी दिवस के दिन सभी कर्मचारियों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा ली गई तथा माननीय गृह मंत्री तथा अध्यक्ष भारतीय जीवन बीमा निगम के संदेशों का वाचन किया गया। हिंदी पखवाडे के दौरान विभिन्न स्थानों पर बैनर तथा हिंदी सूक्तियाँ लगाई गईं तथा कार्यालय की वेबसाईट पर भी डिजिटल बैनर का प्रदर्शन भी किया गया। गृह मंत्री, भारत सरकार, अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम तथा क्षेत्रीय प्रबंधक, दक्षिण मध्य क्षेत्र हैदराबाद के संदेश, क्षेत्रीय कार्यालय की इंट्रानेट साईट पर पखवाडे के दौरान प्रदर्शित करवाए गए।

प्रतिदिन सभी विभागों तथा मंडलों को ई मेल द्वारा प्रेरणादायक हिंदी सूक्तियाँ भी भेजी गईं। सभी अधीनस्थ मंडलों और कार्यालयों में भी हिंदी पखवाडे का आयोजन धूमधाम से किया गया। हिंदी पखवाडे के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता, सृजनात्मक हिंदी लेखन तथा श्रुतलेखन प्रतियोगिता, अनुवाद टिप्पणी एवं प्रारूपण प्रतियोगिता, हिंदी अंत्याक्षरी तथा हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाडे के समापन समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में एन. कोटेश्वर शास्त्री, प्रादेशिक प्रबंधक (मानव संसाधन विकास) के कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि इस वर्ष हिंदी पखवाडे का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। कर्मचारियों के बडी संख्या में प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हिंदी पखवाडे के समापन समारोह में पी. रमेश बाबू, प्रादेशिक प्रबंधक (कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध) द्वारा सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

अब्दुलापुरमेट में गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए ले जाते हुए उत्तर भारती नागरिक संघ के चेयरमैन एनके सिंह व पी. सुरेश।

तेलंगाना जायसवाल सेवा समिति के अध्यक्ष और जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने भगवान श्री गणेश विसर्जन के शुभ अवसर पर एसबीआई बैंक एबिड्स में भक्तों के लिए अन्न प्रसादम का आयोजन किया। उपस्थित हैं उपाध्यक्ष नितिन जयसवाल, अशोक जयसवाल, डॉ. आकाश जयसवाल और अन्य।

मेनका गांधी के खिलाफ सौ करोड़ रुपये का मानहानि का दावा करेगा इस्कॉन कोलकाता, भेजा नोटिस

कोलकाता, 29 सितंबर (एजेंसियां)। मेनका गांधी के इस्कॉन के खिलाफ दिए बयान को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री की परेशानी बढ़ सकती है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा है कि वह मेनका गांधी के खिलाफ सौ करोड़ रुपये का मानहानि का दावा करेंगे। इस संबंध में मेनका गांधी को नोटिस जारी कर दिया गया है। दास ने कहा कि कोई सांसद बिना किसी तथ्य के ऐसा झूठा आरोप कैसे लगा सकता है? राधारमण दास ने कहा कि 'मेनका गांधी का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे दुनियाभर में फैले हमारे अनुयायियों को दुख पहुंचा है। हम मेनका गांधी के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस

कर रहे हैं। हमने उन्हें नोटिस भेजा है। कोई सांसद, जो केंद्रीय मंत्री भी रह चुकी हैं, वह बिना किसी तथ्य के इतनी बड़े वर्ग के खिलाफ झूठ कैसे बोल सकता है।'

मेनका गांधी ने दिया था विवादित बयान

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के एक बयान पर इन दिनों विवाद हो रहा है। इस बयान में मेनका गांधी ने आरोप लगाया कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्सियसनेस (इस्कॉन) की गौशालाओं में कसाईयों को गायें बेची जाती हैं। गांधी ने कहा कि 'इस्कॉन ने गौशालाएं बनाकर उनसे खूब फायदा लिया है और इसके आधार पर सरकार से भी जमीन के रूप में बड़ा फायदा लिया है। इस्कॉन अपनी सभी गायों को कसाईयों को बेच रहा है और उनसे ज्यादा कोई ऐसा नहीं कर रहा है। मेनका गांधी जानवरों के अधिकारों के लिए लड़ती रही हैं।' मेनका गांधी के इस बयान पर इस्कॉन सोसाइटी ने कड़ी आपत्ति जताई और मेनका गांधी के आरोपों को खारिज किया था। इस्कॉन ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि इस्कॉन गायों और बैलों की सुरक्षा का प्रहरी रहा है और ना सिर्फ भारत में बल्कि दुनियाभर में गायों की सेवा में समर्पित रहा है।

शिवरामपल्ली विलेज में नेताजी यूथ क्लब कमेटी हाल में बिराजमान गणेश जी महाराज को विसर्जन के लिए ले जाते हुए कमेटी के वरिष्ठ सदस्य द्वारा तथा इन सभी का सम्मान करते हुए समाजसेवी धर्माराम ढाका।

केबीआर पार्क स्थित गणेश मंदिर में गणेश उत्सव अनंत चौदस पर्व बड़े जोश से संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी मुख्य यजमान में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, नारायण बाहेती, जवाहर लाल सोलंकी, मंसाराम अग्रवाल, सांवेरमल अग्रवाल, प्रवीण जैन, प्रवीण श्रीनिवास, अशोक लाखोटिया, वाई. बालाजी व अन्य।

सीएसआईआर ने निरंतर तकनीकी आत्मनिर्भरता का समर्थन किया : प्रो. देवांग खाखर

हैदराबाद, 29 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-आईआईसीटी (वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद--भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान) का 82वां स्थापना दिवस आयोजित हुवा। शानदार ढंग से आयोजित इस स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथियों के रूप में प्रो. देवांग वी खाखर सहित भूतपूर्व आईआईटी मुंबई के निदेशक व आईएनएई चेयर प्रोफेसर ने भाग लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में प्रो. देवांग वी खाखर ने कहा कि सीएसआईआर ने किया निरंतर तकनीकी आत्मनिर्भरता का समर्थन किया है। इस बारे में प्रो. खाखर ने

सीएसआईआर की स्थापना और उसके प्रारंभिक दिनों के घटनाक्रम को बताते हुए आगे बताया कि, इसके निर्माण के दिन से ही, उद्योग के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान का उपयोग किया गया है। साथ ही कहा कि, सीएसआईआर को भविष्य में भी सुनियोजित ढंग से प्रगति करते हुए विकासरत रहना चाहिए।

अनुसंधान कार्यक्रम, उत्कृष्ट शोधकर्ताओं एवं सुविधाओं सहित स्वयं को अपडेट करते हुए उन्होंने परामर्श दिया कि गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और उद्योग में इसके अनुवाद पर जोर देना जारी रखें। हायेस्ट मेट्रिक्स के साथ अच्छा शोध करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर भूतपूर्व आईआईटी मुंबई के निदेशक व आईएनएई चेयर प्रोफेसर ने भी अपनी अपनी मनोरंजक तथा ताज़ा प्रस्तुति दी। जिसमें तत्संबंधित अधिकारियों ने विस्तार से बताया कि, इस स्थापना दिवस कार्यक्रम में सीएसआईआर की स्थापना, इतिहास और योगदान के बारे में विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

सीएसआईआर-आईआईसीटी निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने अपने स्वागत भाषण में वर्णन किया कि सीएसआईआर की राष्ट्र के प्रति 8 दशकों की तत्संबंधित सेवा यात्रा में कई क्षेत्रों में भारतीय औद्योगिक विकास में सहायता करने से जुड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस अवसर पर सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक एवं मुख्य अतिथि डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने गत एक वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए और तत्संबंधित सेवा में 25 वर्ष पूरे किये गये कर्मचारियों को सम्मानित किया।

भारतीय सेना 400 हॉवित्जर तोप खरीदेगी

> रक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा, 48 कि.मी. रेंज

> माइनस 30 से 75 डिग्री तापमान में सटीक फायर कर सकती है

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। आर्मी ने रक्षा मंत्रालय को 400 हॉवित्जर तोप खरीदने का प्रस्ताव भेजा है। इस पर 6 हजार 500 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। पूरी तरह से स्वदेशी इन तोपों का निर्माण डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने किया है। सेना से जुड़े एक सीनियर अफसर ने बताया कि, सरकार जल्द ही एक हाई लेवल बुलाने वाली है, जिसमें हॉवित्जर तोपों की खरीदी पर फैसला लिया जाएगा। यह तोप पुरानी तोपों से काफी हल्की है।

इस तोप से दागे जाने वाले गोलों की रेंज 48 किलोमीटर है, जबकि उसी गोले को बोफोर्स तोप 32 किलोमीटर दूर तक दाग सकती है। ये 155 एमएम की कैटेगरी में दुनिया में सबसे ज्यादा दूरी तक गोले दागने में सक्षम है। यह तोप-30 डिग्री सेल्सियस से लेकर 75 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर सटीक फायर कर

सकती है। इसकी 26.44 फुट लंबी बैरल से हर मिनट 5 गोले दागे जा सकते हैं। इसमें आटोमैटिक राइफल की तरह सेल्फ लोडेड सिस्टम भी है। इस तोप से निशाना लगाने के लिए थर्मल साइट सिस्टम लगा है। मतलब रात में भी इससे सटीक निशाना लगाया जा सकता है। इसके अलावा इसमें वायरलेस कम्युनिकेशन सिस्टम भी मौजूद है। टोड गन ऐसी तोप है जिसे ट्रक से खींचा जाता है।

हालांकि, यह गोला दागने के बाद बोफोर्स की तरह कुछ दूर खुद ही जा सकती है। इस तोप का कैलिबर 155एमएम है। मतलब यह कि इस आधुनिक तोप से 155एमएम वाले गोले दागे जा सकते हैं। हॉवित्जर यानी छोटी तोपें। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध और उसके बाद तक युद्ध में बहुत बड़ी और भारी तोपों का इस्तेमाल होता था। इन्हें लंबी दूरी तक ले जाने और ऊंचाई पर तैनात करने में काफी मुश्किलें होती थीं। ऐसे में हल्की और छोटी तोप बनाई गईं, जिन्हें हॉवित्जर कहा गया।

अत्तापुर में हुआ हजारों गणेश भक्तों का स्वागत

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्याम मित्र मंडल अतापुर के तत्वावधान में श्री गणेश निमार्जन महोत्सव के दौरान गणेश भक्तों एवं उनकी सुंदर-सुंदर अनेक मुद्राओं की प्रतिमाओं जो बड़े ही सुंदर ढंग से सजाकर गाड़ियों द्वारा विसर्जन के लिए ले जाई जा रही थी उनका स्वागत भव्य रूप से किया गया। लगाए गए स्वागत पंडाल में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गोपाल बल्दावा थे, जिनका स्वागत किया गया। इनके अलावा विशेष अतिथि राजेंद्र नगर पुलिस एसीपी गंगाधर, बीआरएस नेता राजेश अग्रवाल, भाजपा नेता एन मल्ला रेड्डी, ब्लॉक भाजपा अध्यक्ष विजय कुमार, पहलवान राजू, मणिकांता भक्त समाज के सुरेंद्र रेड्डी, सुरेश रेड्डी, बालू सुब्रमण्यम, श्रीकांत, पवन भारती, राजपूत समाज के अध्यक्ष दिनेश सिंह, रामदेवरा दरबार शिवरमपल्ली के पुजारी अनिल महाराज, अग्रवाल समाज शाखा अतापुर के अध्यक्ष बद्री प्रसाद सराय वाला, श्री राजस्थानी नवजागृति मंच के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी सहित अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, सोहनलाल नेहरा, नरेंद्र कुमार जांगिड़ में किया।

जिला परिषद हाईस्कूल सरूरनगर में पोषण जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोषण माह 2023 गतिविधियों के तहत, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद ने डॉ. जी पी प्रसाद सहायक निदेशक, प्रभारी एन.आई.आई.एम.एच के मार्गदर्शन में डॉ. एम. अर्चना (एस.आर.एफ. आयुर्वेद) और डॉ. के.भार्गवी (एस.आर.एफ. आयुर्वेद) द्वारा जिला परिषद हाई स्कूल, सरूर नगर, रंगारेड्डी जिले में एक जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया।

डॉ. एम. अर्चना ने स्कूल जाने वाले बच्चों में एनीमिया के सामान्य कारणों और लक्षणों के बारे में व्याख्यान दिया और एनीमिया के लिए निवारक उपायों के बारे में भी समझाया और आगे कहा कि मौसमी फलों और सब्जियों के साथ सही समय पर भोजन लेना महत्वपूर्ण है जिसमें लोहे और विटामिन जैसे खजूर, अंगूर, पालक आदि, और मोटे अनाज जैसे बाजरा, छोटे बाजरा और फिंगर बाजरा लोह के अच्छे स्रोत हैं।

इस कार्यक्रम से लगभग 50 बच्चे लाभान्वित हुए। श्री श्रीनिवास राव एलआईए ने भी कार्यक्रम में भाग लिये और स्कूल अधिकारियों को धन्यवाद दिये। पोषण माह के ब्रोचर भी वितरित की गयी।

नर्सरी श्रमिकों को लंबित वेतन का भुगतान करने की मांग

कुमरम भीम आसिफाबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईटीयूसी के जिला अध्यक्ष थल्लापेल्ली दिवाकर ने कुमरम भीम जिले की वन नर्सरी में काम करने वाले मजदूरों को 5 महीने की लंबित मजदूरी का तत्काल भुगतान करने की मांग की। शुक्रवार को तेलंगाना वन नर्सरी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन (एआईटीयूसी) के तत्वावधान में एक याचिका दी गई। वन रेंज कार्यालय में आसिफाबाद एफआरओ अप्पलाकोंडा एटक के जिला अध्यक्ष दिवाकर ने कहा कि मजदूर लगभग 10 वर्षों से अपना वेतन लेकर जंगल में पौधों की सुरक्षा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, उन्होंने कहा कि अधिकारियों का लंबित वेतन नहीं है कई बार भुगतान किया गया और चेतावनी दी गई कि अगर अधिकारियों ने वेतन नहीं दिया तो

एटक के तहत बड़े पैमाने पर और हर महीने की 5 तारीख को जिला डीएफओ कार्यालय का घेराव करेंगे।

उन्होंने कहा कि वेतन का भुगतान बैंक के माध्यम से किया जाना चाहिए , नर्सरी श्रमिकों को ईएसआई, पीएफ सुविधा एवं परिवहन सुविधा प्रदान की जाए, 8 घंटे कार्य प्रणाली लागू की जाए, न्यूनतम वेतन 600 रुपये प्रतिदिन किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि तीन साल पहले रायपल्ले वाडा में काम करने वाले नर्सरी श्रमिकों को लगभग तीन लाख रुपये का वेतन दिया जाना चाहिए और यदि एक सप्ताह के भीतर यह वेतन नहीं दिया गया, तो वे आंदोलन कार्यक्रम करेंगे। नर्सरी वन अनुबंध श्रमिक संघ के सदस्य सुधाकर, यशोदा, भाग्यलक्ष्मी शकुंतला, संतोषी, कमला, नाज़िरा, वहीदा, सुल्ताना* और अन्य ने भाग लिया।

श्री राजपुरोहित आत्मानंदजी शिक्षा सेवा समिति द्वारा गणेश विसर्जन जुलूस के तहत स्थापित प्रसाद वितरण मंच में भाग लेते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरसिंह राजपुरोहित, भवानीसिंह, मांगीलाल, अर्जुन सिंह पुखराज, रमेश कुमार व अन्य।

भारत को आज एशियाड शूटिंग में 2 गोल्ड, 3 सिल्वर

टूर्नामेंट के छठे दिन टेनिस में सिल्वर समेत 7 मेडल-अब तक कुल 32 पदक

ईशा सिंह और पलक

हांगझोउ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। 19वें एशियन गेम्स में आज छठवें दिन भारत ने अब तक 7 मेडल जीत लिए हैं। चीन के हांगझोउ में शुक्रवार को भारत के शूटर्स का शानदार प्रदर्शन रहा। शूटर्स ने आज 2 गोल्ड और 3 सिल्वर जीते। वहीं टेनिस में रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने मेंस डब्ल्स में सिल्वर जीता, जबकि स्क्वॉश में भारतीय विमेंस टीम को ब्रॉन्ज मेडल मिला। इसके साथ ही भारत के 32 मेडल हो गए हैं। इनमें 8 गोल्ड, 12 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर आ गया है। चीन 173 मेडल्स के साथ पहले, साउथ कोरिया 88 के साथ दूसरे और जापान 82 के साथ तीसरे स्थान पर है।

शूटिंग : 10 मीटर एयर पिस्टल में 3 और 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में दो मेडल मिला

10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम इवेंट में भारत को छठे दिन का पहला मेडल दिलाया। ईशा सिंह, पलक और दिव्या ने 1731 स्कोर कर सिल्वर जीता। इस इवेंट में चीन की टीम टॉप पर रही। चीनी टीम ने 1736 स्कोर कर गोल्ड जीता। वहीं चीनी ताइपे की टीम ने 1723 स्कोर कर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेंस टीम ने भारत को 7वां गोल्ड दिलाया। ऐश्वर्य प्रताप सिंह, अखिल शिरोन और स्वप्निल सुरेश ने 1769 स्कोर कर गोल्ड जीता। यह शूटिंग में भारत का पांचवां गोल्ड है। इस इवेंट में चीन की टीम ने 1763 स्कोर कर सिल्वर और साउथ कोरिया ने 1748 स्कोर कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 10 मीटर एयर पिस्टल विमेंस टीम इवेंट में दिव्या, ईशा सिंह और पलक ने सिल्वर मेडल जीता।

10 मीटर एयर पिस्टल इंडिविजुअल में भारतीय महिला शूटरों ने दो मेडल जीते। पलक ने 242.1 स्कोर कर गोल्ड मेडल जीता, जबकि ईशा सिंह ने 239.7 स्कोर कर सिल्वर मेडल जीता। इस इवेंट में पाकिस्तान की किश्माला तलत ने 218.2 स्कोर कर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

गोल्ड-सिल्वर जीतने पर गांव में जश्न, 5 साल पहले स्कूल में शुरू की थी शूटिंग

रोहतक, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के जिला झज्जर के गांव निमाना की पलक ने एशियन गेम में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में 2 मेडल डाले। पलक ने 10 मीटर एयर पिस्टल इंडिविजुअल में 242.1 स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं टीम इवेंट में पलक ने सिल्वर मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया। पलक की इस उपलब्धि पर गांव में खुशी का माहौल है। पलक के ताऊ पूर्व पार्षद जगबीर सिंह उर्फ काला प्रधान ने बताया कि उसके भाई जोगेंद्र की तीन बच्चे (2 बेटियां व एक बेटा) है।

जिनमें से पलक सबसे बड़ी है। पलक ने गुरुग्राम स्कूल में पढ़ाई के दौरान वर्ष 2018 में शूटिंग करना शुरू किया था। इसके बाद पलक कई मेडल जीत चुकी है। वह फरीदाबाद की कर्ण सिंह रेंज में अभ्यास करती थी। वहीं शूटिंग का चयन करने के बाद परिवार का पूरा सहयोग रहा और पलक हर प्रतियोगिता में जीत हासिल करती। पलक की इस उपलब्धि पर गांव में भी खुशी का माहौल है। गांव के लोगों ने इकट्ठा होकर खुशी मनाई और एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाकर बधाई दी।

टेनिस में भारत को पहला पदक

रामकुमार-माइनेनी की जोड़ी को मिला रजत, बोपन्ना-रूतुजा फाइनल में

हांगझोऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। टेनिस में भारत को शुक्रवार (29 सितंबर) को एक रजत पदक मिला। रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी की पुरुष जोड़ी युगल स्पर्धा के फाइनल में हार गई। दोनों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीनी ताइपै के सू यु सियू और जैसन जुंग ने फाइनल में सीधे सेटों में हराया। टेनिस में इस बार भारत का यह पहला पदक है। जकार्ता में 2018 में भारत ने तीन पदक जीते थे। दूसरी ओर, अनुभवी खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और रूतुजा भोसले की जोड़ी मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंच गई। दोनों ने देश के लिए रजत पदक पक्का कर दिया।

गैर वरीय चीनी ताइपै टीम के दोनों सदस्य सू (182) और जुंग (231) की एकल रैंकिंग बेहतर थी जो उनके खेल में भी नजर आया। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। रामकुमार का एशियाई खेलों में यह पहला और माइनेनी का तीसरा पदक है। माइनेनी ने 2014 इंचियोन खेलों में सतनाम सिंह के साथ पुरूष युगल में रजत और सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल स्वर्ण जीता था।

रोहन और रूतुजा से स्वर्ण की उम्मीद

रोहन बोपन्ना और रूतुजा भोसले ने मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई। दोनों से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। रोहन और रूतुजा ने सेमीफाइनल में चीनी ताइपे के चेन हाओ चिंग और यू सिओयू हिसू की जोड़ी को हराया।

एशियन गेम्स में नीरज चोपड़ा पर नजर

परिजनों से फोन पर कहा-जो मेडल जीत चुका उन्हें फिर से हासिल करना चाहता हूं

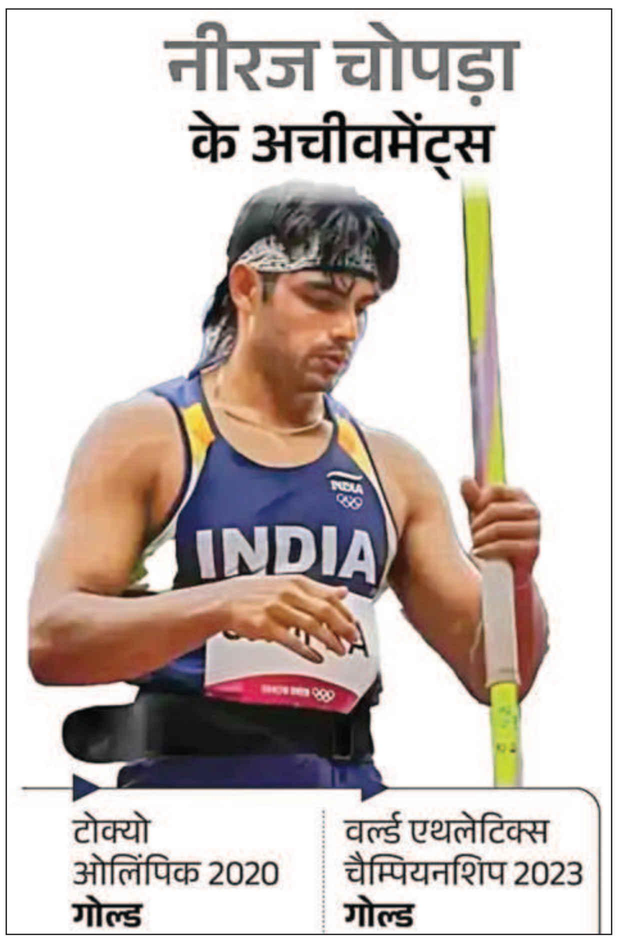

पानीपत, 29 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2023 में देश के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा भी हिस्सा ले रहे हैं। नीरज चोपड़ा से सभी को अब की बार फिर गोल्ड मेडल की उम्मीद है। 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में नीरज चोपड़ा पहले ही देश को गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। अब की बार भी नीरज ने परिजनों को गोल्ड मेडल देने का वादा किया है। नीरज चोपड़ा 4 अक्टूबर को एशियन गेम्स में जैवलीन थ्रो इवेंट में हिस्सा लेंगे।

फिर से दोहराएंगे वही मेडल श्रृंखला

नीरज चोपड़ा के चाचा भीम चोपड़ा ने बताया कि 2 दिन पहले ही नीरज से बात हुई थी उन्होंने बताया कि वह गेम के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। इस बार भी वह देशवासियों की उम्मीद पर खरा उतरेंगे और देश को गोल्ड मेडल जरूर दिलाएंगे।

नीरज ने फोन पर बताया था कि वह एक बार फिर से अपने जीती गई चैंपियनशिप मेडल श्रृंखला को दोबारा दोहराना चाहते हैं। वह जो मेडल जीत चुके हैं, उन्हें फिर से एक बार हासिल करना हैं। इसके लिए वह जी तोड़ मेहनत कर रहें हैं। भीम चोपड़ा ने बताया कि नीरज चोपड़ा पिछले 11 साल से लगातार मेहनत कर रहे हैं। कुछ पाने के लिए कुछ बलिदान भी देने पड़ते हैं। नीरज ने परिवार से दूर रहकर एक बलिदान दिया है और खुद को इस काबिल बनाया है।

रोशिबिना देवी ने रजत पदक जीता

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। रोशिबिना देवी ने एशियाई खेलों में वूशु में भारत के लिए रजत पदक जीता। रोशिबिना के लिए बीते चार माह किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं रहे। एक ओर मणिपुर हिंसा में जल रहा था, जहां उनके माता-पिता और भाई-बहन फंसे हुए थे, दूसरी ओर वह एशियाई खेलों की तैयारियां श्रीनगर में कर रही थीं।

जहां वह रोजाना माता-पिता से बात करती थीं, वहां वह दोनों से सप्ताह तक बात नहीं कर पाती थीं। वह तैयारियों में तो रहतीं, लेकिन उनका दिमाग मणिपुर में रहता। रोशिबना का परिवार मणिपुर के सबसे हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में से एक विष्णुपुर जिले में रहते हैं।

एशियन गेम्स में होगी भारत और पाकिस्तान की टक्कर

हांगझोऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने चल रहे 19वें एशियाई खेलों हांगझोऊ-2022 में अपना शीर्ष प्रदर्शन करते हुए अब तक तीन मैचों में तीन जीत हासिल की हैं, लेकिन अब भारत की टक्कर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगी। एशिया खेलों में भारत दमदार फॉर्म में है। भारत ने पूल ए मैच में उज्बेकिस्तान पर 16-0 से जीत के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत की थी। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने सिंगापुर पर भी 16-1 से जीत दर्ज की। फिर, गुरुवार को भारत ने 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जापान के खिलाफ अपनी जीत कि लय बरकरार रखते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। अब, शनिवार को भारत की टक्कर पाकिस्तान से होगी।

भारत की तरह पाकिस्तान टीम भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है और उसने अब तक खेले तीनों मैच जीते हैं। पाकिस्तान ने अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर पर 11-0 से जीत के साथ की। फिर, बांग्लादेश पर 5-2 से और उज्बेकिस्तान पर 18-2 से जीत दर्ज की। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले बोलते हुए, भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि टीम ने टूर्नामेंट में अब तक अपने मैचों से बहुत कुछ सीखा है, जो पाकिस्तान के खिलाफ काम आएगा। हरमनप्रीत ने आगे कहा, जब भी पाकिस्तान के खिलाफ मैच होता है तो ड्रेसिंग रूम में हमेशा उत्साह होता है। प्रशंसक हमेशा इस मुकाबले का आनंद लेते हैं। पाकिस्तान के पास एक ठोस टीम है जो वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसलिए, हम जानते हैं कि हमें अच्छा खेलना होगा और उनके खिलाफ जीत हासिल करने कि हमारी पूरी कोशिश है। हम अब तक के नतीजों से प्रेरित हैं और हम टूर्नामेंट में अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए उत्सुक हैं। दोनों टीमें आखिरी बार अगस्त में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के पूल मैच में भिड़ी थी, जहां भारत ने 4-0 से मैच जीता था। 2013 के बाद से भारत और पाकिस्तान 24 बार आमने-सामने हुए हैं, जिसमें 16 बार भारत को जीत मिली है। जबकि, 5 बार पाकिस्तान को जीत मिली है और तीन मैच ड्रॉ पर ख़त्म हुए हैं।

पाक क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख का विवादित बयान, विश्व कप से पहले भारत को बताया 'दुश्मन मुल्क'

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने पांच अक्तूबर से शुरू होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 से ठीक पहले एक विवादित बयान दिया है।

विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम की भारत यात्रा के बीच उनके बयान ने विवाद खड़ा कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में जका अशरफ को खिलाड़ियों के टूर्नामेंट के लिए 'दुश्मन मुल्क' जाने के बारे में बात करते हुए सुना गया। जका अशरफ खिलाड़ियों के लिए पीसीबी के नए अनुबंध के बारे में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उनकी यह टिप्पणी कथित तौर पर भारत को निशाना बनाकर की गई थी। वायरल वीडियो में अशरफ ने कहा, ''हमने प्यार और स्नेह से अपने खिलाड़ियों को ये कॉन्ट्रैक्ट दिए। पाकिस्तान के इतिहास में कभी भी खिलाड़ियों को इतनी बड़ी रकम नहीं दी गई। मेरा मकसद खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा रखना था, क्योंकि वे प्रतियोगिताओं के लिए दुश्मन देश में जा रहे हैं।'' एक तरफ पाकिस्तान क्रिकेट टीम का भारत में जोरदार स्वागत हुआ, दूसरी ओर पाकिस्तान में पीसीबी प्रमुख ने भारत को दुश्मन मुल्क कह दिया। टूर्नामेंट से पहले जका अशरफ द्वारा की गई इन टिप्पणियों ने भारतीय और पाकिस्तान दोनों क्रिकेट प्रशंसकों को नाराज कर दिया है, कई लोगों ने सोशल मीडिया पर जका के बयानों के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया है। कई पाकिस्तानी प्रशंसकों ने भी उनकी आलोचना की।

भारतीय महिला हॉकी टीम की लगातार दूसरी जीत

मलयेशिया को 6-0 से रौंदा, सेमीफाइनल का दावा मजबूत किया

हांगझोऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत महिला हॉकी टीम का विजयी सफर जारी है। पूल-ए के अपने दूसरे मैच में टीम इंडिया ने मलयेशिया को 6-0 से रौंद दिया। इस जीत के साथ सविता पूनिया की अगुआई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में पहुंचने का अपना दावा मजबूत कर लिया है। भारत ने दो गोल पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से अर्जित किए, जबकि चार फील्ड गोल्स किए। भारत के लिए इस मैच में वैष्णवी, निशा, दीप ग्रेस इक्का, मोनिका, संगीता और लालरेमसियामी ने गोल दागे।

मैच के सातवें मिनट में भारतीय टीम ने मलयेशिया पर काउंटर अटैक कर पहला गोल किया। उदिता के पास पर मोनिका ने फ्लिक से स्कोर किया। इसके बाद आठवें मिनट में भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस पर दीप ग्रेस इक्का ने शानदार ड्रैग फ्लिक से गोल किया। 11वें मिनट में नवनीत कौर ने फील्ड गोल किया।

इसके बाद 14वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। वैष्णवी विट्ठल के बॉल इंजेक्ट करने पर नेहा ने शानदार ड्रैग फ्लिक से गोल किया। पहले क्वार्टर में टीम इंडिया ने मलयेशिया पर 4-0 की बढ़त बनाई थी। दूसरे क्वार्टर में 24वें मिनट में नेहा के पास संगीता ने शानदार गोल किया। हालांकि, इसके बाद भारतीय टीम ने कुछ पेनल्टी कॉर्नर तो अर्जित किए, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। हाफ-टाइम तक भारत ने मलयेशिया पर 5-0 की बढ़त बनाई हुई थी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में मलयेशिया का डिफेंस जरूर मजबूत हुआ है। भारत के सभी काउंटर अटैक्स को मलयेशियाई टीम रोकने में कामयाब रही।

भारतीय टीम ने अपने शानदार फॉर्म को दूसरे मैच में भी जारी रखा। टीम इंडिया ने पूल-ए के अपने पहले मैच में सिंगापुर को 13-0 से रौंदा था। अब टीम ने लगातार दूसरी जीत हासिल की। वहीं, मलयेशिया ने अपने पहले पूल मैच में हॉन्गकॉन्ग को 8-0 से हराया था। भारत के ग्रुप में सिंगापुर और मलयेशिया के अलावा हॉन्गकॉन्ग और दक्षिण कोरिया है। भारतीय महिला हॉकी टीम का अगला मैच दक्षिण कोरिया के साथ है

जब आमने-सामने के मुकाबलों की बात आती है, तो भारत का मलयेशिया के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड है। दोनों देशों के बीच खेले गए 18 मैचों में से भारत 17 में विजयी रहा, जबकि केवल एक मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मलयेशिया अपने तमाम प्रयासों के बावजूद अभी तक भारतीय टीम के खिलाफ जीत का स्वाद नहीं चख सका है। इस मुकाबले से पहले पिछली बार इन दोनों टीमों का आमना-सामना महिला एशिया कप 2022 में हुआ था, जहां भारत ने 9-0 से बड़ी जीत दर्ज की थी।

ईरानी कप के लिए दोनों टीम के स्क्वाड घोषित

हनुमा विहारी रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान, उनादकट करेंगे सौराष्ट्र की कप्तानी-1 अक्टूबर से होगा मैच

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। इस साल ईरानी कप का मैच सौराष्ट्र और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच खेला जाएगा। इसके लिए दोनों टीमों के स्क्वाड की घोषणा की जा चुकी है। हनुमा विहारी को रेस्ट ऑफ इंडिया की कप्तानी सौंपी गई है। बता दें ईरानी कप मैच 1 अक्टूबर से राजकोट में खेला जाएगा।

ईश्वरन-जलज सक्सेना बाहर

अभिमन्यू ईश्वरन टाइफाइड की वजह से रेस्ट ऑफ इंडिया टीम में जगह नहीं बना पाए। ईश्वरन ने इस रणजी सीजन में 798 रन बनाए थे। वहीं इस रणजी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले जलज सक्सेना को भी टीम में जगह नहीं मिली है। इंडिया A के खिलाड़ी एशियन गेम्स में व्यस्त होने के कारण रेस्ट ऑफ इंडिया टीम में यंगस्टर्स को मौका दिया गया है। यश धुल, रोहन कुन्नुमल को टीम में जगह दी गई है।

क्या है ईरानी कप

ईरानी कप मैच सीजन की रणजी विजेता टीम और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच खेला जाता है। यह टेस्ट फॉर्मेट मैच होता है जो उन्हीं नियमों के हिसाब से 5 दिन तक चलता है। रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का सेलेक्शन बीसीसीआई करती है। कप का नाम बीसीसीआई के पूर्व ट्रेजरार और प्रेसिडेंट जाल ईरानी के नाम पर रखा गया। पहला ईरानी कप मैच 1959-60 में खेला गया।

सौराष्ट्र ने जीता था रणजी खिताब

इस साल फरवरी में सौराष्ट्र ने बंगाल को 9 विकेट से हराकर रणजी का खिताब अपने नाम किया था। सौराष्ट्र ने दूसरी बार रणजी ट्राफी जीता थी।

वर्ल्ड कप का ओपनिंग मैच नहीं खेलेंगे कीवी कप्तान विलियमसन

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन वनडे वर्ल्ड कप 2023 के पहले मैच में नहीं खेलेंगे। मौजूदा रनर-अप न्यूजीलैंड का पहला मुकाबला 5 अक्टूबर को डिफेंडिंग चैम्पियन इंग्लैंड से होगा। इसी मैच से वर्ल्ड कप का आगाज होगा। कीवी टीम के मुख्य कैच गैरी स्टीड ने जानकारी दी है कि चोट से उबर रहे विलियमसन इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेलेंगे। हालांकि, वह इससे पहले वॉर्म-अप मैचों में हिस्सा लेंगे। आईपीएल 2023 के पहले मुकाबले (31 मार्च 2023) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ बाउंड्री लाइन पर कैच लेने की कोशिश में विलियमसन चोटिल हो गए थे। उनके दाएं घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद वो पूरे लीग से बाहर हो गए थे।

पीएम के दौरे के लिए समन्वय के साथ पुख्ता व्यवस्था करें : शांति कुमारी

सीएस ने पीएम कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों को 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी निज़ामाबाद यात्रा के लिए संबंधित विभागों के साथ निकट समन्वय में फुलप्रूफ व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

मुख्य सचिव ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और हाई प्रोफाइल यात्रा के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से 800 मेगावाट की रामागुंडम एनटीपीसी परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

मुख्य सचिव ने पुलिस विभाग को ब्लू बुक के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार, अग्निशमन, स्वास्थ्य, बिजली, आरएंडबी और अन्य विभागों को भी व्यापक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। निज़ामाबाद के कलेक्टर और एसपी को गिरिराज कॉलेज, निज़ामाबाद में होने वाली सार्वजनिक बैठक के लिए निकट समन्वय में काम करने के लिए कहा गया। बैठक में डीजीपी अंजनी कुमार, ऊर्जा विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा, अतिरिक्त डीजी स्वाति लाकड़ा, जीएडी सचिव शेषाद्री, सड़क और भवन सचिव श्रीनिवास राजू, चिकित्सा और स्वास्थ्य सचिव रिजवी, डीजी फायर सर्विसेज नागी रेड्डी, आई एंड पीआर विशेष आयुक्त अशोक रेड्डी, पुलिस, एनटीपीसी, बीएसएनएल, अग्निशमन एवं उड्डयन विभाग के अधिकारी शामिल रहे।

तेलंगाना के किसानों के आ रहे हैं अच्छे दिन : केटीआर

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि तेलंगाना के किसान मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में अच्छे दिनों का आनंद ले रहे हैं। तेलंगाना में किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति, रैतू बीमा, रैतू बंधु सहित विभिन्न योजनाओं का आश्वासन दिया गया है। शुक्रवार को वनपर्ती जिले के सांकिरेड्डी पल्ली में एक पाम ऑयल फैक्ट्री की आधारशिला रखने के बाद बोलते हुए, केटी रामाराव ने कहा कि केसीआर भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्षों में किसानों को निवेश सब्सिडी देने वाले देश के एकमात्र मुख्यमंत्री है। तेलंगाना अब धान उत्पादन में देश में शीर्ष स्थान पर है, लेकिन केंद्र राज्य से धान खरीदने में परेशानी पैदा कर रहा है। केटीआर ने कहा, अगर कृषि को लाभदायक बनाना है तो किसानों को वैकल्पिक फसलें अपनानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि चूंकि भारत बड़े पैमाने पर मलेशिया और इंडोनेशिया देशों से खाद्य तेलों का आयात कर रहा है, राज्य सरकार तेलंगाना में बड़े पैमाने पर पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा दे रही है और पांच वर्षों में 20 लाख एकड़ में ऑयल पाम की खेती करने का लक्ष्य बना रही है। पिछले 30 वर्षों के दौरान, आने वाली सरकारें केवल 30,000 एकड़ में पाम तेल की खेती करने में सफल रहीं। हालांकि, राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में पाम तेल की खेती को 20 लाख एकड़ में बढ़ाने का फैसला किया है। कृषि मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना में कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं और किसानों को फसल चक्र के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। देश को 22,000 मिलियन टन खाद्य तेल की जरूरत है जिसमें 15,000 मिलियन टन तेल विदेशों से आयात किया जा रहा है। निरंजन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार किसानों को सब्सिडी देकर पाम तेल की खेती को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी 1 अक्टूबर को तेलंगाना में

13,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अक्टूबर को राज्य की अपनी यात्रा के दौरान तेलंगाना में 13,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 2:15 बजे महबूबनगर पहुंचेंगे और एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे। इसी दौरान सड़क, रेल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों को कवर करने वाली विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाएंगे। वह कई सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसमें प्रमुख सड़क परियोजनाओं की आधारशिला भी शामिल है जो नागपुर-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारे का हिस्सा हैं। परियोजनाओं में वारंगल से एनएच-163 जी के खम्मम खंड तक 108 किमी लंबा चार लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग और एनएच-163 जी के खम्मम से विजयवाड़ा खंड तक 90 किमी लंबा चार लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग है। इन सड़क परियोजनाओं को कुल लगभग 6,400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, परियोजनाओं से वारंगल और खम्मम के बीच यात्रा की दूरी लगभग 14 किमी कम हो जाएगी और खम्मम और विजयवाड़ा के बीच लगभग 27 किमी कम होगी। प्रधान मंत्री राष्ट्र को एक सड़क एनएच-365 बीब के 59 किमी लंबे सूर्यापेट से खम्मम खंड की चार लेन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। लगभग 2,460 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, यह परियोजना हैदराबाद-विशाखापत्तनम कॉरिडोर का एक हिस्सा है और इसे भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किया गया है।

यह खम्मम जिले और आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी भी प्रदान करेगा। पीएम मोदी 37 किलोमीटर लंबी जैकलेर-कृष्णा नई रेलवे लाइन का भी लोकार्पण करेंगे। 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित, नया रेल लाइन खंड पहली बार पिछड़े जिले नारायणपेट के क्षेत्रों को रेलवे मानचित्र पर लाता है। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृष्णा स्टेशन से उद्घाटन हैदराबाद (काचीगुडा)-रायचूर-हैदराबाद (काचीगुडा) ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाएंगे। ट्रेन सेवा तेलंगाना के हैदराबाद, रंगारेड्डी, महबूबनगर, नारायणपेट जिलों को कर्नाटक के रायचूर जिले से जोड़ेगी। यह सेवा महबूबनगर और नारायणपेट के पिछड़े जिलों के कई नए क्षेत्रों में पहली बार रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे क्षेत्र में छात्रों, दैनिक यात्रियों, मजदूरों और स्थानीय हथकरघा उद्योग को लाभ होगा।

पीएम मोदी हसन-चेरलापल्ली एलपीजी पाइपलाइन परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। लगभग 2,170 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, कर्नाटक के हसन से चेर्लापल्ली (हैदराबाद का उपनगर) तक एलपीजी पाइपलाइन, क्षेत्र में एलपीजी परिवहन और वितरण का एक सुरक्षित, लागत प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल तरीका प्रदान करती है।

वह कृष्णापट्टनम से हैदराबाद (मलकापुर) तक 'भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन' की आधारशिला भी रखेंगे। 425 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन 1,940 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी। पाइपलाइन क्षेत्र में पेट्रोलियम उत्पादों की सुरक्षित, तेज़, कुशल और पर्यावरण अनुकूल आपूर्ति प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री हैदराबाद विश्वविद्यालय की पांच नई इमारतों का भी उद्घाटन करेंगे।

आवारा कुत्तों से बचने की कोशिश में आरटीसी बस से टकराया बच्चा

सिद्दीपेट, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को मंचेरियाल शहर में आवारा कुत्तों के झुंड से बचने की कोशिश करते समय एक 12 वर्षीय लड़का चलती आरटीसी बस से टकराकर घायल हो गया। लड़का अंसित रेड्डी चमत्कारिक ढंग से बच गया क्योंकि वह बस से टकराकर एक तरफ गिर गया, लेकिन उसके चेहरे और हाथों पर चोटें आईं।

अचानक हुई घटना के बाद बस भी चीखते हुए रुक गई। कुछ दिन पहले, कुत्तों के उसी झुंड ने उनके पिता श्रीकांत रेड्डी को भी उसी स्थान पर काट लिया था। अंसित पर आवारा कुत्ते के हमले का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उसे आवारा कुत्तों का पीछा करने से बचने के लिए व्यस्त चेरियाल रोड पर भागते देखा गया। सौभाग्य से, लड़का घायल होने से बच गया। नागरिकों ने नगर निगम अधिकारियों से कुत्तों को इस सड़क से हटाने के लिए अभियान चलाने का अनुरोध किया है।

हैदराबाद में और अधिक बारिश होने की संभावना

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ समय से हैदराबाद में अजीबोगरीब मौसम का मिजाज देखने को मिल रहा है। शहर पिछले कुछ दिनों से उच्च आर्द्रता के स्तर से जूझ रहा है, जिससे निवासियों को पसीना आ रहा है। हालाँकि, उम्मीद की किरण दोपहर और शाम के समय सामने आती है जब मौसम अचानक करवट लेता है, जिससे कुछ जरूरी राहत मिलती है। अधिकतम तापमान लगातार 32 डिग्री सेल्सियस को पार करने के साथ, शहर में काफी असुविधा देखी गई है। आर्द्रता का स्तर केवल स्थिति को खराब करता है। फिर भी, जैसे-जैसे दिन शाम की ओर बढ़ता है, एक परिवर्तन सामने आता है। घने बादल छाने लगते हैं और गरज के साथ बौछारें पड़ना आम दृश्य बन जाता है। हालांकि यह बारिश थोड़ी देर के लिए होती है, लेकिन गर्मी से अस्थायी राहत दिलाती है। शुक्रवार को, शहर में दिन का औसत तापमान 34 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि सिकंदराबाद में 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालाँकि, पूरे दिन काले बादल छिटपुट रूप से आते रहे, जो आने वाले बदलाव का संकेत दे रहे थे। शाम को, बारिश हुई, शैकपेट में शाम 4 बजे तक 40.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद मुशीराबाद में 28.8 मिमी, कुर्मागुडा में 9 मिमी और असमनगढ़ में 7.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।

STARS MULTIPURPOSE CO-OPERATIVE SOCIETY LIMITED
3rd Floor, Door No. 5-9-15, opposite A.P. Secretariat, Saifabad, Hyderabad, Telangana- 500063
Contact No. 040-23295940, Email Id: stars.mpcsl@mcsl.in (Regd. No. - MSCS/CR/940/2014)

NOTICE

This is to inform all the members that in compliance with provisions of Section 45 of The Multi-State Co- operative Societies Act, 2002, Rules & Schedule made there-under, the Society is conducting elections as per schedule below to elect 09 members as new Board of Directors of the Society :

1. **Last Date, Time & Place of Filing Nominations:** 16/10/2023 (Monday) from 10:30 AM to 2:00 PM at 3rd Floor, Door No. 5-9-15, Opposite A.P. Secretariat, Saifabad, Hyderabad, Telangana-500063.
2. **Date and Time of Scrutiny and Publication of List of Nominations:** 16/10/2023 (Monday), 3:00 PM to 4:00 PM
3. **Last date, Time of withdrawal of Nominations:** 17/10/2023 (Tuesday)from 10:30 AM to 12:00 Noon
4. Date of declaration of list of final valid nominations: 17/10/2023 (Tuesday), 12:30 PM
5. **Date, Time & Place of Voting:** 28/11/2023 (Tuesday) from 8:00 AM to 6:00 PM at the venues mentioned below.
6. Date and place of counting & declaration of results: 02/12/2023 (Saturday) from 10:00 AM at 3rd Floor, Door No. 5-9-15, Opposite A.P. Secretariat, Saifabad, Hyderabad, Telangana-500063

S.No	Place of Election	Address
1	Ahmedabad	301, 302 3rd Floor Rajlaxmi Plaza, NR Hajipura Garden, Ahmedabad, Gujarat-380004
2	Andaman	Sri Jagadeeswara Sangam, Boddapadu Haddo Ward No-1, Jetty Road, Port Blair, Andaman and Nicobar-744103
3	Bengalore	4th Cross 5th Main Bettachambers, Upstair Canara Bank, Near Srinivasa Kalyana Mantapa, Chamarajpet, Bengalore, Karnataka-560018
4	Bhopal	1st Floor, Sahara India Kunj, Bhopal, Madhya Pradesh-462011
5	Bikaner	Near Champaram Jewellers, Bikaner, Rajasthan-334001
6	Chennai	No. 42, Gee Gee Complex, Opp. Annasalai HPO, Annasalai, Chennai, Tamil Nadu-600002
7	Daman	The Blue Moon Devka Beach Road, Opp. Mirasal Water Park, Kadaiya Bhimpore Nanai, Daman, Daman & Diu (U.T.)-396210
8	Goa	3rd Floor, Kamath Commercial Complex, Old Railway Station Road, Margoa, South Goa, Goa-403601
9	Hyderabad	D No. 5-9-15, Sahara Manzil, 2nd Floor, Opp. Secretariat, Saifabad, Hyderabad, Telangana-500063
10	Indore	792, Kartar Kripa Building, Indore, Khati Wala Tank, Indore, Madhya Pradesh-452001
11	Jabalpur	Shri Kutch Gurjar Kshatriya Samaj B, Nagpur Road Near Mandan Mahal Circle, Jabalpur, Madhya Pradesh-482001
12	Jaipur	3rd Floor,102 Above Bank of BOB, Opp. Pinjara Pole Gosala Tonk Road, Sanganer, Jaipur, Rajasthan-302011
13	Jodhpur	Sahara India, Plot No. 11, Balaji Nagar, Near Kanhaiya Gau Shala Pal Road, Jodhpur, Rajasthan-342008
14	Mumbai	Flat No. 110-11, Building No. 2A, Apna Ghar Cooperative Society, Opp. Ginger Hotel Teli Gali, Andheri (East), Mumbai, Maharashtra-40006
15	Puducherry	Chakali, Kalyan Mandapam, Dhobi Street, Yanam, Puducherry-533463
16	Raipur	Aviral Complex, 1st Floor, Raipura Chowk, Ring Road No. 2, Raipur, Chhattisgarh-492013
17	Rajkot	Shivalik-3, 1st Floor, Behind SBI, Pushkardham, Main Road, Rajkot, Gujrat -360005
18	Vijayawada	D No. 52-1/1-1/B, 3rd Floor, Sri Surya Premier, Veterinary Colony, Gunadala, Vijayawada, Krishna, Andhra Pradesh-520008

Please note the following :
1. At the time and place of election, voters are requested to bring their photo-ID card with them as per the government norms.
2. Nomination papers are available at the Sectors/Regional Offices, Registered Office of the Society.
3. List of members who are eligible to vote are available at Registered Office and all election centres.
4. List of valid candidates shall be published in the Registered Office of the Society.

For and on behalf of
Stars Multipurpose Co-operative Society Limited
S/d
Returning Officer

Date: 28/09/2023
Place: Hyderabad

शांतिपूर्ण रूप से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन : सीवी आनंद

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कहा कि नगर की वार्षिक गणेश मूर्तियों की अंतिम शोभा यात्रा गुरुवार सुबह शुरू हुई, जो आयोजकों, नागरिकों और शहर पुलिस के सहयोगात्मक प्रयासों से शुक्रवार शाम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, आनंद ने कहा कि इतिहास में पहली बार, 65 फीट-खैरताबाद बड़ा गणेश ने सुबह 6.30 बजे अपनी यात्रा शुरू की और दोपहर 1.30 बजे विसर्जन किया गया। आयुक्त ने कहा कि इस आयोजन के दौरान आश्चर्यजनक रूप से 10,200 मूर्तियों का विसर्जन किया गया, जिनमें से प्रत्येक की माप 3 फीट और उससे अधिक थी, विसर्जित की गई मूर्तियों की कुल संख्या 50,000 से 60,000 तक थी। कई पंडाल आयोजकों ने अपना जुलूस योजना से देर से शुरू किया, जिससे कार्यक्रम की अवधि बढ़ गई। गुरुवार को हवाई सर्वेक्षण के बाद, क्षेत्रीय अधिकारियों को पंडाल आयोजकों के साथ जुड़ने और उन्हें तेजी से काम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने का काम सौंपा गया। आयुक्त ने शहर पुलिस के सभी रैंकों के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने लगातार 40 घंटे से अधिक समय तक काम किया और विभिन्न व्यस्त स्थानों पर महिलाओं को परेशान करने में शामिल 255 व्यक्तियों को पकड़ने के लिए शी टीमों के प्रयासों का विशेष उल्लेख किया। आनंद ने मिलाद-उन-नबी जुलूस को 1 अक्टूबर तक स्थगित करने के फैसले के लिए मुस्लिम मौलवियों और समुदाय को विशेष

किशोरी का यौन उत्पीड़न करने वाले को 20 वर्ष की कठोर कैद

हैदराबाद, 29 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पास्कों कोर्ट, नामपल्ली, हैदराबाद विशेष सत्र न्यायाधीश टी. अनिता ने एक किशोरी का यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपी चिंताला माणिक्य राव को 20 साल की कठोर कैद और 10 हजार रुपये का जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई। मिली जानकारी के अनुसार 15 साल की पीड़िता अपनी दादी के साथ रहती थी। छुट्टियों में वह अपने पिता के घर जाती थी। बगल के मकान में आरोपी भी किराएदार के रूप में रहता था। जब पीड़िता चौथी कक्षा में थी तब से आरोपी उसके निजी अंगों को छूकर उसका शोषण कर रहा था। जब पीड़िता नहा रही थी और अपने कपड़े बदल रही थी। इसी बीच आरोपी ने फोटो और वीडियो ले लिया। उसे धमकी देना शुरू कर दिया कि वह यूट्यूब और फेसबुक पर अपलोड करेगा और बार-बार उसका यौन उत्पीड़न किया। इसके अलावा वह यह बात किसी को न बताए अन्यथा वह उसके पिता और भाई को मार डालेगा। अप्रैल 2018 से उसे नियमित मासिक धर्म नहीं हो रहा था और वह पेट दर्द से पीड़ित थी। जब उसकी दादी ने पूछताछ की तो उसने बताया कि आरोपी पिछले 4 साल से उसका यौन शोषण कर रहा था। इस पर उसकी दादी पुलिस स्टेशन चिलकलगुडा आईं और पीड़िता को भरोसा सेंटर ले गईं, जहां उसका बयान दर्ज किया गया। इस शिकायत के प्राप्त होने पर, के. वेंकट रेड्डी पुलिस उप-निरीक्षक, पी.एस चिलकलगुडा ने प्राथमिकी दर्ज जांच शुरू की।

गहन छानबीन के बाद, पी. वेंकट रमना, एसीपी, गोपालपुरम डिवीजन, सिकंदराबाद ने धारा के तहत आरोप पत्र दायर किया। भरोसा केंद्र ने पीड़ित परिवार को परामर्श, चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता, वित्तीय सहायता, मुआवजे के लिए दस्तावेज जमा करने के अलावा, भरोसा कर्मचारियों द्वारा घर का दौरा करने की सुविधा प्रदान की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.